बसपा सच्ची अंबेडकरवादी पार्टी.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

यहां तक पहुंचने के लिए मैंने जिंदगी... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 77 | गाजियाबाद / शनिवार 20 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

56 साल के हुए राहुल, मनाया जन्मदिन

● प्रियंका और खड़गे के साथ केक काटा ● कार्यकर्ताओं ने पोस्टर को दूध से नहलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आज 56 साल के हो गए। वे बहन प्रियंका गांधी के दिल्ली स्थिति कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन पहुंचे। यहां उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका, कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में केक काटकर जन्मदिन मनाया। राहुल के जन्मदिन पर पीएम नरेंद्र मोदी, कांग्रेस नेता शशि थरूर, मल्लिकार्जुन खड़गे और इंडिया ब्लॉक के कई नेताओं ने शुभकामनाएं दीं। दिल्ली में कांग्रेस

मुख्यालय के बाहर बर्थ-डे के पोस्टर लगाए गए। वाराणसी में कार्यकर्ताओं ने उनकी तस्वीर पर दूध चढ़ाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी संविधान के आदर्शों के प्रति समर्पित हैं। उन्होंने हमेशा उन लोगों की आवाज उठाई है, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

राहुल ने नाम बदलकर तीन साल तक नौकरी की

राहुल गांधी का जन्म 19 जून 1970 को नई दिल्ली में हुआ था। वे पूर्व पीएम राजीव गांधी और कांग्रेस प्रेसीडेंट सोनिया गांधी के बेटे हैं। दो भाई-बहनों में राहुल गांधी बड़े हैं। उनसे छोटी प्रियंका हैं। राहुल ने शुरुआती पढ़ाई दिल्ली के मॉडर्न स्कूल से की है। इसके बाद वे पढ़ने के लिए देहरादून के दून स्कूल चले गए। हालांकि, 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सुरक्षा कारणों से उन्हें अपनी पढ़ाई घर से ही करनी पड़ी। 1989 में राहुल ने दिल्ली के सेंट स्टीफन कॉलेज में एडमीशन लिया, लेकिन यहां भी सुरक्षा कारणों से उन्हें पढ़ाई छोड़नी पड़ी। आगे की पढ़ाई के लिए वे अमेरिका चले गए। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में एडमीशन लिया, लेकिन उसके एक साल बाद 1991 में राजीव गांधी की हत्या के बाद सिक्योरिटी के कारण उन्हें यहां भी पढ़ाई छोड़नी पड़ी। इसके बाद उन्होंने फ्लोरिडा के रोलिन्स कॉलेज में दाखिला लिया।

गर्लफ्रेंड की बेटी से मिलने जबरन घर में घुसे तेजप्रताप

● अनुष्का के भाई आकाश ने एफआईआर कराई, तेजप्रताप बोले-छवि बिगाड़ने की कोशिश

पटना (एजेंसी)। तेजप्रताप यादव पर उनकी कथित गर्लफ्रेंड अनुष्का के भाई आकाश ने एफआईआर दर्ज कराई है। आरोप है कि तेजप्रताप ने जबरन घर में घुसने की कोशिश की। रोकने पर कहा कि उज्जैनी, यानी अनुष्का की बेटी का अपहरण करा दिया जाएगा। साथ ही इसके हिंसक परिणाम भुगतने होंगे। आकाश के आरोपों पर तेजप्रताप ने एक्स पर सफाई दी है। उन्होंने कहा है कि मेरे ऊपर लगाए गए धमकी और दबाव बनाने के आरोप मनगढ़ंत हैं। मेरे खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत

छवि खराब करने की साजिश है। 24 मई 2025 को तेजप्रताप के सोशल मीडिया अकाउंट से अनुष्का के साथ तस्वीरें शेयर की गई थीं। पोस्ट में कहा गया था कि हम 12 सालों से रिलेशन में हैं। 5 फरवरी 2026 को अनुष्का यादव को बेटी हुई। 8 फरवरी को चर्चा होने लगी कि बच्ची के पिता तेजप्रताप यादव हैं। खबर सामने आते ही तेजप्रताप यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। अनुष्का की बेटी का पिता होने से इनकार किया। कहा- अनुष्का से कोई संबंध नहीं है। अनुष्का यादव के भाई आकाश ने तेजप्रताप यादव, उनके साथी मोतीलाल यादव और लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर शिकायत की है।

बिन पानी सब सून, रूठ गया मानसून

● एक साथ 5 सिस्टम रोक रहे मानसून को, 19 राज्य बारिश को तरसे ● अरब सागर, बंगाल की खाड़ी से नमी वाली हवाएं आगे नहीं बढ़ रहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून 15 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है, लेकिन 8 जून से तेलंगाना में अटका हुआ है। 11 दिन हो गए हैं, ये आगे नहीं बढ़ रहा है। इससे ये राज्य बारिश के लिए तरस रहे हैं। 7 में 60 फीसदी तक कमी रिकॉर्ड की गई है। इसकी वजह एक ही समय पर 5 अलग-अलग सिस्टम ऐक्टिव होना है। जैसे अरब सागर से तेज नमी वाली हवाएं नहीं आ रहीं और दक्षिण से बादल उत्तर की ओर नहीं बढ़ रहे हैं। 1 से 18 जून के बीच देश में सामान्य से 38 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। अब तक के आंकड़ों के अनुसार सबसे खराब स्थिति महाराष्ट्र की रही, जहां सामान्य से 78 फीसदी कम बारिश हुई। इसके बाद गुजरात में 79 फीसदी कम वर्षा दर्ज की गई। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हरियाणा और दिल्ली में प्री-मानसून बारिश हो रही है।

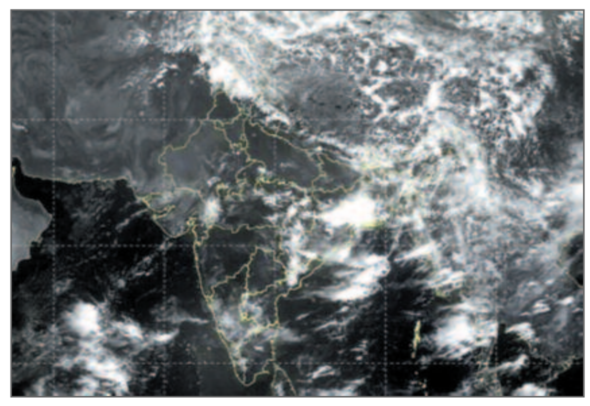

● **अल नीनो की परिस्थितियां भी बन रही हैं-** अल नीनो की परिस्थितियां भी बन रही हैं। इससे लंबे समय तक सूखा और असमान बारिश देखने को मिल सकती है। उपग्रह के आंकड़े पूर्वी भारत में सक्रिय गरज-चमक का संकेत देते हैं। लेकिन मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और पश्चिमी भारत में बादलों का घनापन कम है। मध्य प्रदेश में मानसून का इंतजार लंबा हो रहा है। 15-16 जून तक मानसून प्रदेश में एंटर हो जाता है, लेकिन इस बार यह 9 से 10 दिन लेट यानी, 25 जून तक एंट्री कर सकता है। मानसून के लेट होने से जून की सामान्य बारिश के आंकड़े में गिरावट आई है। मौसम केंद्र भोपाल के मुताबिक, प्रदेश में 1 जून से अब तक 39 फीसदी पानी कम गिरा है।

स्मार्ट विलेज की ओर बढ़े भारत के कदम

● अब हर गांव की सड़कों की होगी कोडिंग, साइनबोर्ड पर होगा यूनिक नाम
● केंद्र के इस पहल से ग्रामीण विकास योजनाओं की निगरानी बेहतर होगी
● नई व्यवस्था के तहत गांवों की सड़कों को तीन श्रेणियों में बांटा जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश के प्रत्येक गांव की आंतरिक सड़कों को एक विशिष्ट पहचान देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय ने गांवों के भीतर मौजूद सभी सड़कों के लिए यूनिक कोड, डिजिटल पहचान और मानकीकृत वर्गीकरण प्रणाली लागू करने का प्रस्ताव तैयार किया है। प्रस्तावित इंट्रा-विलेज रोड कोडिंग एंड ग्रेडिंग सिस्टम के तहत गांवों की सभी आंतरिक सड़कों का नामकरण, कोडिंग और डिजिटल मैपिंग की जाएगी। इस मसौदे को जल्द ही सार्वजनिक सुझावों और प्रतिक्रियाओं के लिए जारी किया जाएगा। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि काम तेजी से हो रहा है।

● गांवों तक डिजिटल कनेक्टिविटी मजबूत होगी

प्रत्येक सड़क को जियोस्पेशियल पहचान संख्या से जोड़ा जाएगा और उसका डिजिटल रिकार्ड तैयार किया जाएगा। साथ ही, क्यूआर कोड युक्त साइनबोर्ड लगाए जाएंगे, जिनकी मदद से नागरिक सड़क की स्थिति, रखरखाव इतिहास और नेविगेशन संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। प्रस्ताव के अनुसार ग्राम पंचायतें अपने क्षेत्र की सड़कों की पहचान, नामकरण और श्रेणी निर्धारण की मुख्य जिम्मेदार संस्था होंगी।

टेलीग्राम पर बेच रहा था नीट यूजी का पेपर

● राजस्थान में गिरफ्तार अमेरिकी नेटवर्क का कर रहा था इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेलीग्राम पर रोक के बाद भी राजस्थान के भीलवाड़ा से नीट का फर्जी पेपर बेचने की कोशिश की गई है। इस मामले में पुलिस एक स्टूडेंट को हिरासत में लिया है। आरोपी टेलीग्राम का इस्तेमाल अमेरिका के वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क के जरिए कर रहा था। उसके टेलीग्राम चैनल का नाम पेपर माफिया है। उधर, टेलीग्राम पर नीट री-एग्जाम तक रोक जारी रहेगी। दिल्ली हाईकोर्ट ने टेलीग्राम की केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ लगाई याचिका खारिज कर दी। केंद्र ने 16 जून को टेलीग्राम पर 22 जून तक रोक लगाने का आदेश दिया था। वहीं, नीट री-एग्जाम को ध्यान में रखते हुए वेस्टर्न रेलवे ने परीक्षा केंद्रों पर जाने वाले स्टूडेंट्स के लिए तीन स्पेशल ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। ये स्पेशल ट्रेनें गुजरात और महाराष्ट्र के मुख्य रूटों पर चलेंगी, जिनमें स्लीपर और जनरल कोच होंगे।

हाईकोर्ट ने कहा-केंद्र के पास रोक लगाने का अधिकार- दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को टेलीग्राम की याचिका पर कहा, 'सरकार के पास आईटी एक्ट की धारा 69 के तहत बैन लगाने का अधिकार है।' जस्टिस तेजस कारिया ने कहा, 'इस मामले पर कोर्ट की रिव्यू कमेटी ने भी सरकार के फैसले की जांच की थी। सरकार ने पूरी समझदारी से काम लिया है, इसमें किसी तरह की जल्दबाजी या लापरवाही नहीं दिखती।

भारत और फ्रांस की दोस्ती अमर रहे

● मैक्रों ने हिंदी में कहा, पीएम मोदी ने दिया धन्यवाद

पेरिस/नई दिल्ली (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए हिंदी में वीडियो मैसेज शेयर किया है। उन्होंने कहा- प्रिय मित्र नरेंद्र, आपका नीस, एवियन और पेरिस के दौरे में स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हुई। फ्रांस और भारत की दोस्ती अमर रहे। इसके बाद मुस्कुराते हुए मैक्रों ने कहा, 'मुझे उम्मीद है यह (हिंदी संदेश) सही होगा। डियर प्राइम मिनिस्टर इस दोस्ती के लिए आपका धन्यवाद। मैं अगली फरवरी (भारत यात्रा) आपसे मिलूंगा।' वहीं, फ्रांस से रवाना होने के बाद मोदी ने एक्स पर लिखा- यह यात्रा सहभागिता और उपलब्धियों दोनों के लिहाज से व्यापक रही। दरअसल, पीएम मोदी 6 दिन का फ्रांस और स्लोवाकिया दौरा पूरा करके शुक्रवार सुबह भारत पहुंच चुके हैं।

● **यह लोकतंत्र की ताकत, चायवाला पीएम बना-** आज मैं ऐसे समय में फ्रांस आया हूं, जब कुछ दिन पहले ही हमारी पार्टनरशिप के 12 साल पूरे हुए हैं। 12 साल तक देश की सेवा करना मेरे जीवन का बहुत बड़ा सौभाग्य रहा है। ये भारत के लोकतंत्र की शक्ति है, जिसने एक चायवाले को यहां तक पहुंचा दिया। बीते 12 साल 140 करोड़ भारतीयों के अद्भुत सामर्थ्य के रहे हैं। भारत की जीडीपी दोगुना हुई है।

भारत में दोगुनी स्पीड से विकास हो रहा- एयरपोर्ट की संख्या दोगुनी हुई है। यूनिवर्सिटी की संख्या भी दोगुनी हो गई है। हाईवे कंस्ट्रक्शन की स्पीड तीन गुना बढ़ गई है। मैं आपको कुछ और फैक्ट्स दूंगा,इससे आप अंदाजा लगा पाएंगे की आज भारत किस स्पीड और कितने बड़े स्केल पर काम कर रहा है।

500 साल किया, 15 दिन और इंतजार कर लीजिए

● राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर पहली बार बोले सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। राम मंदिर में चढ़ावा की चोरी की खबरों और एसआईटी जांच के बीच शुक्रवार को पहली बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बार बयान दिया। अयोध्या के रुदौली विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करने पहुंचे सीएम योगी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से कहा कि आपने राम मंदिर के लिए 500 सालों तक इंतजार किया है। 15 दिन और इंतजार कर लीजिए। ट्रस्ट के कहने पर एसआईटी का गठन किया गया है।

एसआईटी दूध का दूध पानी का पानी करेगी। कोई अपराधी होगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। सीएम योगी ने 15 दिनों तक किसी तरह की बयानबाजी नहीं करने की अपील करते हुए कहा कि अयोध्या को बदनाम करने वालों के बहकावे में न आएं। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या के बारे में जो समाचार पत्रों में देखने सुनने को मिला। उसके बाद ट्रस्ट के कहने पर हमने एसआईटी जांच बैठाई है।

● **अयोध्या को बदनाम करने वालों के बहकावे में न आएं**

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या और श्रीराम जन्मभूमि को बदनाम करने वालों के बहकावे में न आएं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला करते हुए कहा कि राम भक्तों और जयश्रीराम का नारा लगाने पर लाठी-गोली चलाने वाले आज उपदेश देने चले हैं।यह लोग नहीं चाहेंगे कि अयोध्या को सम्मान मिले। यह लोग अयोध्या को बदनाम करना चाहते हैं। अयोध्या और यहां के लोगों को अपमानित करते हैं। हम इनके बहकावे में कत्तई न आएं। इन लोगों का आचरण पहले से ही सभी के सामने है।

पार्टी के टिकट से वंचित पूर्व विधायकों से मिले शुभेन्दु

● बोले-पार्टी आपको कभी नजरअंदाज नहीं करेगी

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बाद राजनीतिक भविष्य को लेकर असमंजस में चल रहे भाजपा के 16 पूर्व विधायकों को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को विधानसभा में बुलाकर मुलाकात की। विधानसभा स्थित अपने कक्ष में बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने पूर्व विधायकों को भरोसा दिलाया कि पार्टी उनके अनुभव और योगदान को नजरअंदाज नहीं करेगी। पार्टी आपके भविष्य को लेकर गंभीर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें संगठन या प्रशासन में किस भूमिका में जिम्मेदारी दी जाए, इस पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। बंगाल में पिछले माह नई सरकार गठित होने के बाद गुरुवार को सत्र के प्रथम दिन सीएम ने पूर्व भाजपा विधायकों से मुलाकात की।

ऑपरेशन टाइगर के बाद उद्धव को एक और झटका

● दावा-सांसदों के बाद अब विधायक भी बदलेंगे पाला

मुंबई (एजेंसी)। ठाकरे गुट की शिवसेना के छह सांसदों द्वारा बगावत कर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में जाने का फैसला करने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। 'ऑपरेशन टाइगर' की सफलता के बाद अब ठाकरे गुट के कुछ विधायक भी शिंदे गुट के संपर्क में हैं और मानसून सत्र शुरू होने से पहले राज्य में बड़ा राजनीतिक भूचाल आ सकता है, ऐसा दावा शिंदे गुट के शिवसेना विधायक बच्चू कडू ने किया है। बच्चू कडू ने एकनाथ शिंदे की राजनीतिक रणनीति की सराहना करते हुए कहा कि

सांसद आ चुके हैं, अब कुछ विधायकों के भी आने की संभावना है।

शिंदे साहब की प्लानिंग बिल्कुल सटीक है। जो नेता और जनप्रतिनिधि भविष्य की राजनीतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हैं, वे अपने फैसले ले रहे हैं। इस बीच, शिंदे गुट के नेताओं ने पहले भी दावा किया था कि ठाकरे गुट के कई सांसद और विधायक उनके संपर्क में हैं। इतना ही नहीं, ठाकरे गुट के 16 विधायकों के संपर्क में होने का दावा भी शिंदे गुट की ओर से किया गया था।

सियासत में 'ऑपरेशन टाइगर' की चर्चा

पिछले कुछ दिनों से 'ऑपरेशन टाइगर' की चर्चा महाराष्ट्र की राजनीति में जोर-शोर से हो रही है। खबरें हैं कि ठाकरे गुट के छह सांसदों ने अलग समूह बनाकर आगे चलकर शिंदे की शिवसेना में शामिल होने की तैयारी दिखाई है। इन घटनाक्रमों के बाद लोकसभा में शिंदे गुट की ताकत बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। राजनीतिक गलियारों में इस पूरी प्रक्रिया को 'ऑपरेशन टाइगर' का नाम दिया गया है और इसे ठाकरे गुट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। इन राजनीतिक घटनाओं के बीच शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी के विधायकों और विधान परिषद सदस्यों की बैठक बुलाई है। माना जा रहा है कि पार्टी के भीतर असंतोष और संभावित टूट की चर्चाओं को रोकने के लिए यह बैठक हुई।

महाराष्ट्र की राजनीति में फिर बड़ा उलटफेर

एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद शिवसेना में यह दूसरी बड़ी राजनीतिक टूट मानी जा रही है। यदि सांसदों के बाद विधायक भी शिंदे गुट में शामिल होते हैं, तो ठाकरे गुट के सामने संगठनात्मक स्तर पर बड़ी चुनौती खड़ी हो सकती है। हालांकि, विधायकों के संभावित प्रवेश को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। ऐसे में मानसून सत्र से पहले होने वाली राजनीतिक गतिविधियों पर पूरे महाराष्ट्र की नजरें टिकी हुई हैं।

श्रीनगर सीमेंट फैक्ट्री में चिमनी फटने से आग, 7 मजदूर झुलसे, एक गंभीर

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर के बाहरी इलाके खोनमोह स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री में गुरुवार देर रात चिमनी में आग लगने से सात मजदूर झुलस गए। इनमें एक मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि अन्य छह अस्पताल में उपचाराधीन हैं। गुरुवार देर रात हुए इस हादसे में फैक्ट्री की चिमनी में अचानक आग लग गई, जिससे वहां काम कर रहे श्रमिक आग और तेज गर्मी की चपेट में आ गए। फैक्ट्री प्रबंधन और राहत दल ने तत्काल बचाव अभियान शुरू कर सभी घायलों को श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे मजदूर को विशेष चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे मजदूर की हालत नाजुक बनी हुई है, जबकि बाकी छह मजदूरों की स्थिति स्थिर है। इस बीच पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। जांच के दौरान यह भी देखा जाएगा कि फैक्ट्री में निर्धारित सुरक्षा मानकों और अनिवार्य सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा था या नहीं। प्रशासन ने कहा है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। शुरुआती जांच में जो तथ्य सामने आया है, उसके बाद कार्रवाई की जा रही है।

बिहार में तेज प्रताप यादव के खिलाफ एफआईआर : आरोप-प्रत्यारोप का दौर

पटना (एजेंसी)। बिहार में एक नया राजनीतिक विवाद तब खड़ा हो गया जब कोर्ट के आदेश पर जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव के खिलाफ पाटलिपुत्र पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। यह मुकदमा अनुष्का के भाई आकाश यादव ने दर्ज कराया है, जिनका नाम सार्वजनिक रूप से तेज प्रताप से जोड़ा जाता रहा है। बिहार पुलिस ने आरोपों की जांच शुरू कर दी है। एएसपी दिव्यांजलि जायसवाल के अनुसार, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उन्हें जान से मारने की धमकी मिली है और उन्होंने सबूत के तौर पर ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सौंपी है। पुलिस का कहना है कि ये धमकियां कथित तौर पर अमेरिका के एक नंबर से फोन करके दी गई थीं। एफआईआर के मुताबिक, यह घटना 6 जून को हुई थी, जब तेज प्रताप और उनके सहयोगी मोतीलाल यादव कथित तौर पर पाटलिपुत्र इलाके में आकाश यादव के घर गए थे, जबकि आकाश खाटू श्याम की तीर्थयात्रा पर गए हुए थे। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने जबरन घर में घुसने की कोशिश की और वहां मौजूद परिवार के सदस्यों को धमकी दी। आकाश यादव की ओर आरोप लगाया गया है कि उनके परिवार को लेकर धमकियां दी गईं और बाद में उन्हें मोतीलाल और एक अन्य व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को एक आपराधिक गिरोह का सदस्य बताया। शिकायत के अनुसार, कॉलर ने उन्हें तेज प्रताप के खिलाफ सार्वजनिक रूप से कुछ भी न बोलने की चेतावनी दी।

शोपियां में लापता तीन युवक विस्फोटक के साथ गिरफ्तार, आतंकी संगठन से संबंध का शक

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के शोपियां में सर्च ऑपरेशन के दौरान 31 मई से लापता चल रहे तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। इन युवकों के पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और आपत्तिजनक सामान बरामद हुआ है। प्रारंभिक जांच में इनके तार आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े होने की आशंका जाहिर की गई है। सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किए युवकों के पास से दो हैंड ग्रेनेड, 2.5 किलोग्राम पीईके (प्लास्टिक एक्सप्लोसिव किरकी), चार मोबाइल फोन और आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से संबंधित पोस्टर बरामद किए हैं। ये गिरफ्तारियां दक्षिण कश्मीर जिले के पुडसू इलाके से की गईं। गिरफ्तार युवकों की पहचान एजाज अहमद खांडे, अरबाज अहमद मीर और नासिर अहमद डार के रूप में हुई है, जो सभी शोपियां जिले के बेगामा के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, ये तीनों 31 मई से अपने घरों से लापता थे और माना जा रहा है कि वे हिजबुल मुजाहिदीन में शामिल हो गए थे। वर्तमान में पुलिस इन तीनों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि आतंकी मॉड्यूल, भर्ती प्रक्रिया और उनके सहयोगियों के बारे में अधिक जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस ने संकेत दिया है कि इस मामले में आगे और गिरफ्तारियां या सामग्री की बरामदगी हो सकती है। जांच एजेंसियां इनके सीमा पार के आतंकी आकाओं से संभावित संबंधों की भी पड़ताल कर रही हैं, जो क्षेत्र में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं।

बिहार एनकाउंटर पर बीजेपी ने उठाए सवाल, शाह और सीएम से जांच की मांग

भोजपुर (एजेंसी)। बिहार के भोजपुर जिले में हुए एक पुलिस एनकाउंटर पर भारतीय जनता पार्टी ने ही सवाल खड़े कर दिए हैं। बिलौटी गांव में भरत भूषण तिवारी के कथित एनकाउंटर को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से बड़ी मांग की है। बीजेपी नेता सिन्हा ने घटना पर दुख जताकर कहा कि जनता के मन में उठ रहे सवालों और चिंताओं का निष्पक्ष उत्तर सामने आना चाहिए। उन्होंने एनडीए सरकार द्वारा संबंधित पुलिसकर्मियों के निलंबन को स्वागतयोग्य बताया, लेकिन स्पष्ट किया कि न्याय केवल प्रारंभिक कार्रवाई से पूरा नहीं होता। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि सच्चाई सामने आ सके और किसी भी आशंका की गुंजाइश न रहे। सिन्हा ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का दायित्व है, लेकिन कोई भी कानून से ऊपर नहीं हो सकता। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जांच में अधिकारों के दुरुपयोग या लापरवाही की पुष्टि होती है, तब दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। यह मामला केवल एक व्यक्ति की मौत का नहीं, बल्कि कानून और न्याय व्यवस्था पर जनता के विश्वास से भी जुड़ा है। दूसरी ओर, पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने एनकाउंटर को गलत करार दिया है। उन्होंने कहा कि भरत भूषण तिवारी की पुलिस प्रशासन द्वारा आत्मसमर्पण के उपरांत गोली मारकर नृशंस हत्या कर दी गई, जो हृदय विदारक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री चौबे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस निर्मम हत्या पर संज्ञान लेने और हत्यारे पुलिस प्रशासन के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए उच्चस्तरीय जांच का आदेश देने की अपील की। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भी आग्रह किया कि वे 48 घंटे के भीतर हत्यारों को जेल भेजकर बिहार में सुशासन का परिचय दें।

दल-बदल रोकने की याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज, सीजेआई ने पूछा पार्टी का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीतिक दलों में नेताओं के दल-बदल को रोकने की मांग करने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने याचिका पर सुनवाई से इंकार कर याचिकाकर्ता से पूछा कि वे किस पार्टी की बात कर रहे हैं। याचिका में नेताओं के भ्रष्टाचार और दल-बदल में शामिल होने का आरोप लगाया गया था।

वकील सी.आर. जया सुकिन ने बताया कि देश में पार्टियों के नेता या रिश्वत लेकर भ्रष्टाचार में लिप्त हैं या धमकियां देकर परिवार के सदस्यों को नुकसान पहुंचाने की बात कर रहे हैं, ताकि उन्हें पार्टी बदलने पर मजबूर कर सके। सुकिन ने तर्क दिया कि यह लोकतंत्र को तबाह करने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक राज्य पूर्वी भारत में और दूसरा मध्य भारत में है, जहाँ पार्टी नेता लगातार दल बदल रहे हैं। याचिकाकर्ता ने जोर दिया कि विधानसभा अध्यक्षों को नेताओं के इस्तीफे की जांच करनी चाहिए, क्योंकि वे अक्सर मीडिया के सामने इस्तीफे स्वीकार

कर लेते हैं और कुछ ही मिनटों में नेता दूसरी पार्टी में शामिल हो जाते हैं।

याचिकाकर्ता की दलीलें सुनने के बाद सीजेआई ने सवाल किया, आप किस सत्तारूढ़ दल की बात कर रहे हैं? आपके राज्य में तब पार्टियां बदलती रहती हैं। उन्होंने याचिका को अस्पष्ट और सामान्य आरोपों पर आधारित बताकर खारिज कर दिया। सीजेआई ने कहा कि आरोपों के समर्थन में कोई भी सबूत पेश नहीं किया गया है और इसतरह के मामलों में अदालत के दखल देने का कोई आधार नहीं दिखाता है।

यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब देश के विभिन्न हिस्सों में दल-बदल की खबरें लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 सांसदों ने वरिष्ठ नेता काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में पार्टी से अलग होकर नेशनल सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय कर लिया। राज्य में विधायकों ने भी अपना अलग गुट बना लिया है और कोर्ट ने भी रीताब्रता बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दी है। महाराष्ट्र में भी ऐसी ही अटकलें लगाई जा रही हैं कि शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के छह सांसद जल्द ही पार्टी छोड़ सकते हैं और शिवसेना को अपना समर्थन दे सकते हैं। ये संकेत तब और पुख्ता हुए जब गुरुवार को पार्टी के संसदीय दल की बैठक में 9 में से केवल 6 सांसद ही उपस्थित हुए।

सपा पर हमलावर राजभर की पार्टी में टूट का दावा, खुद के तीन विधायक बागी!

लखनऊ (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और महाराष्ट्र में शिवसेना में टूट के दावों के बीच, उत्तर प्रदेश में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के मुखिया और योगी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर इन दिनों समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमलावर हैं। राजभर ने दावा किया था कि 23 सपा सांसद उनके माध्यम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संपर्क में हैं। हालांकि, अब उनके बेटे अरुण राजभर के डिबेट के दौरान खुद सुभासपा में आंतरिक कलह और टूट की खबरें सामने आई हैं। डिबेट के दौरान, अरुण ने सपा पर निशाना साधकर शिवपाल सिंह यादव के भाजपा से संपर्क साधने की बात कही, लेकिन पत्रकार ने पलटकर उनकी अपनी पार्टी के विधायकों की संख्या और निष्ठा पर सवाल उठा दिए। पत्रकार के पूछने पर कि उनकी पार्टी के कितने विधायक सपा का झंडा लगाकर घूमते हैं, अरुण ने स्वीकार किया कि उनके 7 विधायकों में से तीन विधायक इसतरह के हैं। इस पर पत्रकार ने कहा कि आपकी पार्टी खुद ही टूट गई है। इन तीन विधायकों में मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी शामिल हैं, जो सुभासपा का झंडा नहीं लगाते। इसके अतिरिक्त, ओम प्रकाश राजभर द्वारा जगदीश नारायण राय से नाराजगी का जिक्र भी किया गया, यह दर्शाता है कि पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। इतना ही नहीं दावा किया गया हैं कि सुभासपा के दो-तिहाई विधायक अखिलेश यादव के पास हैं और सपा जब चाहे उनकी पार्टी का अपने में विलय कर सकती है। हालांकि, अरुण राजभर ने दावे को सिरे से खारिज कर अपनी सफाई देकर कहा कि केवल झंडा लगाने से पार्टी नहीं टूटती। इस घटनाक्रम ने जहां सुभासपा के अंदरूनी हालात पर सवाल खड़े हुए हैं, वहीं विडंबना भी साफ दिखाई दे रही है कि जो पार्टी दूसरों में टूट का दावा कर रही थी, वह खुद ही बगावत के आरोपों से जूझ रही है।

अयोध्या राम मंदिर: सुरक्षा पर 11 माह में 10 करोड़ खर्च, फिर भी चोरी

-जांच के घेरे में कई बड़े और ताकतवर लोग

अयोध्या (एजेंसी)। रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर की भव्यता और लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के बीच अब सुरक्षा चूक और करोड़ों रुपये के खर्च के बावजूद कथित चोरी का मामला गरमा गया है। बीते 11 महीनों में मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद दान पेटियों में अनियमितता की शिकायत ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले में अब विशेष जांच दल की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और इसका दायरा सिर्फ कथित चोरी तक सीमित न रहकर पूरे सिस्टम को खंगाल रहा है, जिससे कई बड़े नाम जांच के घेरे में आ गए हैं।

17 साल से एक ही जगह तैनात आरएमओ जांच के घेरे में इस जांच में जिस नाम ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है, वह रेडियो मेंटेनेंस ऑफिसर (आरएमओ) का है। यह वही अधिकारी है जिसके जिम्मे मंदिर परिसर की सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था और उससे जुड़े तकनीकी पहलुओं की जिम्मेदारी है। सूत्र बताते हैं कि यह अधिकारी लगभग 17 वर्षों से मंदिर व्यवस्था से जुड़ा हुआ है और इतने लंबे समय तक उसका तबादला न होना भी जांच के दायरे में है। एसआईटी सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, रिकॉर्डिंग सिस्टम, बैकअप व्यवस्था, डेटा संरक्षण और तकनीकी नियंत्रण से जुड़े तमाम पहलुओं पर बारीकी से जानकारी जुटा रही है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि देश के सबसे सुरक्षित धार्मिक परिसरों में से एक, जहां सैकड़ों कैमरे और बहुस्तरीय सुरक्षा मौजूद है, वहां यह चूक आखिर कैसे संभव हुई? शुरुआत में रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव पर केंद्रित रही यह जांच अब अपना दायरा बढ़ा रही है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी अब उन लोगों की भूमिका भी समझने की कोशिश कर रही है जो मंदिर की सुरक्षा, निगरानी और प्रवेश व्यवस्था से सीधे जुड़े हुए हैं। इसमें तकनीकी स्टाफ, सुरक्षा कर्मी और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल हैं, जिनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। जांचकर्ताओं का मानना है कि किसी भी बड़े परिसर में होने वाली गतिविधियों को समझने के लिए केवल घटना नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था का अध्ययन आवश्यक है। यह जांच अब केवल चढ़ावे की कथित चोरी तक सीमित नहीं रही है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी तंत्र, प्रवेश नियंत्रण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की गहन समीक्षा का विषय बन गई है। 10 करोड़ के सुरक्षा कवच के बावजूद हुई यह सेंधमारी अयोध्या की प्रतिष्ठा और पारदर्शिता पर गहरे सवाल छोड़ रही है, जिसके जवाब आने वाले दिनों में ही सामने आ पाएंगे।

200 लोगों से पूछताछ की तैयारी

200 लोगों से पूछताछ की तैयारी, श्रद्धालुओं के मन में भी सवाल इस मामले में अब तक 125 से अधिक लोगों से पूछताछ की जा चुकी है और सूत्रों के अनुसार, लगभग 200 लोगों से पूछताछ की योजना पर काम चल रहा है। कई कर्मचारियों को दोबारा बुलाया गया है और उनके बयान फिर से दर्ज किए जा रहे हैं, जो जांच की गंभीरता को दर्शाता है। रामनगरी में आने वाले श्रद्धालुओं के बीच भी इस मामले की चर्चा साफ सुनाई दे रही है और उनके मन में भी यही सवाल है कि देश के सबसे प्रतिष्ठित और सुरक्षित धार्मिक स्थलों में से एक में ऐसी स्थिति कैसे पैदा हुई।

विपक्षी दलों की बगावत से मानसून सत्र में दिख सकता है राजनीतिक बदलाव का असर

-महिला आरक्षण और परिसीमन बिल पास कराने के कुछ ही कदम दूर है एनडीए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजनीति ने पिछले दो हफ्तों में एक ऐसा नया मोड़ ले लिया है जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। इस पूरे राजनीतिक बदलाव का सबसे बड़ा असर संसद के आगामी मानसून सत्र में देखने को मिल सकता है, जहां सरकार एक बार फिर महिलाओं के आरक्षण पैकेज से जुड़े संविधान संशोधन और परिसीमन बिल को पास कराने की तैयारी में है।

बता दें इसी साल अप्रैल के महीने में एकजुट विपक्ष के चलते लोकसभा में यह अहम बिल मात्र 54 वोटों की कमी की वजह से गिर गया था, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं और अगर यह बिल दोबारा संसद में आता है तो इसके पास होने की संभावना तेज हो गई है। इस बड़े बदलाव की मुख्य वजह पश्चिम बंगाल में टीएमसी में हुई बगावत और महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में मंडराते संकट को माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी के 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसदों ने बगावत करते हुए अपना एक अलग गुट बना लिया है और वे एक नई पार्टी नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए हैं, जो अब सीधे तौर पर बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का हिस्सा बनने जा रही है। दूसरी ओर महाराष्ट्र की राजनीति में भी ऐसी बगावती ऊहापोह देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र में भी उद्धव ठाकरे की पार्टी के नौ सांसदों में से छह सांसद पाला बदलकर शिंदे की शिवसेना के साथ जाने की तैयारी में हैं।

ऐसे में एक तरफ टीएमसी के सांसद और दूसरी ओर उद्धव गुट के सांसदों का बिखराव और बगावत देखने को मिलेगा तो यह कहना थोड़ा भी

गलत नहीं होगा कि इन तमाम सियासी उलटफेर का सीधा फायदा केंद्र की सत्ताधारी एनडीए सरकार को मिल सकता है, जो मानसून सत्र शुरू होने से पहले ही संविधान संशोधन बिल पास कराने के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत के आंकड़े के बेहद करीब पहुंच सकती है। अब इस सियासी उठा-पटक के बीच लोकसभा के गणित को समझें तो कुल 543 सीटों में से दो-तिहाई बहुमत के लिए 360 सदस्यों का समर्थन जरूरी है, क्योंकि 3 सीटें फिलहाल खाली हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में इस समय टीएमसी के बागी सांसदों को मिलाकर एनडीए के पास कुल 318 सांसद हैं, जबकि विपक्ष के पास 184 और गैर-गठबंधन दलों के पास 38 सांसद मौजूद हैं। नियम के मुताबिक बिल पास होने के लिए सदन में वोटिंग के वक्त मौजूद सांसदों की संख्या मायने रखती है और पिछले अनुभवों के आधार पर देखें तो सरकार को दो-तिहाई का आंकड़ा छूने के लिए 54 और वोटों की जरूरत थी। देखा जाए तो अब इस जादुई आंकड़े को हासिल करना सरकार के लिए आसान हो गया है, क्योंकि टीएमसी के 20 बागी और उद्धव गुट के 6 संभावित बागी सांसदों के आने से यह कमी घटकर सिर्फ 28 वोटों की रह जाएगी।

इसके अलावा एक और बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम यह हुआ है कि तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके का कांग्रेस से नाता टूट चुका है और वह विपक्षी इंडिया गठबंधन से अलग हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक सरकार और डीएमके के बीच बातचीत चल रही है और अगर डीएमके की मांगें मान ली जाती हैं, तो उसके 22 सांसदों के समर्थन के साथ एनडीए का आंकड़ा 348 तक पहुंच जाएगा, जिसके बाद उसे बहुमत के लिए केवल छह और वोटों की दरकार होगी।

चूंकि बचे संभावित 6 वोटों के लिए केंद्र की एनडीए सरकार की रणनीति अहम मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों और उत्तर प्रदेश के मंत्रियों के बयानों के मुताबिक इस आखिरी 6 वोटों की कमी को पूरा करने के लिए बीजेपी की नजर विपक्षी गठबंधन की कुछ बेहद छोटी पार्टियों पर है, जिनमें महाराष्ट्र की एक क्षेत्रीय पार्टी भी शामिल है।

वहीं दूसरी ओर राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत के लिए 164 वोटों की जरूरत है और एनडीए के पास अभी 150 सांसद हैं। अगर यहां भी डीएमके के 8 सांसदों का समर्थन मिल जाता है, तो यह आंकड़ा 158 हो जाएगा और वहां भी सरकार बहुमत से सिर्फ छह वोट दूर रह जाएगी, जिसे टीएमसी सांसदों के इस्तीफे के बाद खाली हुई सीटों पर उपचुनाव और अन्य छोटे दलों के सहयोग से आसानी से हासिल किया जा सकता है। कुल मिलाकर यदि केंद्र सरकार संसद के दोनों सदनों में यह जादुई आंकड़ा जुटाने में कामयाब रहती है, तो आगामी मानसून सत्र में महिला आरक्षण और परिसीमन बिल की न सिर्फ धमाकेदार वापसी होगी बल्कि देश में एक देश एक चुनाव जैसे बड़े और कड़े कानूनों को लागू करने का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

बसपा सच्ची अम्बेडकरवादी पार्टी पूंजीपतियों या धन्नसेठों के सहारे नहीं

-मायावती ने दिया- 5 लाख मुलाकात, 3.35 करोड़ टिकट वाले दावों पर कड़ा बयान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के उत्तरप्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का कथित वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। इस वीडियो में, पाल को कथित तौर पर बसपा प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती से मुलाकात के लिए पाँच लाख और पार्टी का विधानसभा टिकट हासिल करने के लिए 3.35 करोड़ रुपये की बात करते दिखाया गया है। इन गंभीर आरोपों पर अब खुद बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी चुप्पी तोड़कर इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

पूर्व सीएम मायावती ने स्पष्ट किया कि बसपा परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बताए मार्ग पर चलने वाली, गरीब, शोषित-पीड़ित और उपेक्षितों के संवैधानिक हक व न्याय के लिए प्रतिबद्ध सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की सच्ची अम्बेडकरवादी पार्टी है। उन्होंने कहा कि बसपा बड़े-बड़े पूंजीपतियों या धन्नासेठों के सहारे नहीं, बल्कि अपने लोगों के तन, मन और धन के बलबूते पर चलती है। यह बात संकीर्ण, जातिवादी, साम्प्रदायिक और पूंजीवादी ताकतों को फूटी आँख नहीं सुहाती, और इसकारण वे चुनाव नज़दीक आने पर तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर बसपा व उसके नेतृत्व को बदनाम करने में लग जाते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि मीडिया का एक वर्ग अन्य पार्टियों की चुनावी जुगाड़ से ध्यान भटकाने के लिए बसपा के उम्मीदवार चयन पर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि बसपा को मिलने वाला आर्थिक सहयोग कानूनी तौर पर उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने पर ही खर्च होता है, जो किसी से छिपा नहीं है। मायावती ने बताया कि विश्वनाथ पाल ही नहीं, बल्कि पार्टी के अन्य छोटे-बड़े पदाधिकारी भी संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों के लिए उम्मीदवारों की संभावित सूची बनाने में जुटे हैं। उन्होंने मीडिया से अनुरोध किया कि इन सवालों को उनकी पूरी फेस वैल्यू पर लिए बिना, उसकी गहराई में जाना उचित नहीं है।

बसपा सुप्रीमो ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे विरोधी पार्टियों के इसतरह के प्रायोजित षड्यंत्रों का शिकार न हों, बल्कि अपने मिशन 2027 के लक्ष्य में पूरे जी-जान से लगे रहें। उन्होंने कहा कि बसपा की जबरदस्त तैयारियों को देखकर ही विरोधियों की नींद उड़ी हुई है। मायावती ने अपने बयान का अंत जय भीम, जय भारत के नारे के साथ किया।

क्या फिर टूटेगी एनसीपी? अब शरद पवार के नेता सुनेत्रा पवार की पार्टी के संपर्क में

-शरद पवार अपनी पार्टी के भीतर ऐसी किसी भी स्थिति को टालने की कोशिश में

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के कई नेता उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की पार्टी के संपर्क में हैं। हालांकि, अब तक किसी नेता ने सार्वजनिक तौर पर दावा नहीं किया है। खास बात है कि उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के 6 सांसद जल्द ही पार्टी छोड़कर एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं। वरिष्ठ नेता शरद पवार की पार्टी में दरार हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से ऐसा कहा जा रहा है। उन्होंने बताया है कि एनसीपी (एसपी) के कुछ सांसद एनसीपी के साथ संपर्क में हैं। कहा जा रहा है कि इसे लेकर गतिविधियां जारी हैं। खबर है कि चर्चा में सांसद पार्थ पवार भी मौजूद थे। फिलहाल, ये नेता कौन हैं, इसे लेकर स्थिति अब तक साफ नहीं हो सकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह भी कहा जा रहा है कि सीनियर पवार जल्द ही सांसदों के साथ बैठक कर सकते हैं। इन घटनाक्रमों से चिंतित होकर, शरद पवार अपनी पार्टी के भीतर ऐसी किसी भी स्थिति को टालने की कोशिश में हैं। प्रस्तावित बैठक में वह सांसदों के साथ बातचीत करेंगे, उनकी चिंताओं और शिकायतों को सुनेंगे और आंतरिक संवाद को मजबूत करेंगे। अब तक यह भी साफ नहीं हो सका है कि ये सांसद राज्यसभा से हैं या लोकसभा से। आंकड़ों के मुताबिक लोकसभा में एनसीपी एसपी के 8 सांसद हैं। जबकि, एनसीपी के पास सिर्फ 1 ही सांसद है। इधर, राज्यसभा में शरद पवार ही सांसद हैं। एनसीपी के मामले में यह आंकड़ा 4 पर है। रिपोर्ट के मुताबिक छह बागी सांसद शुक्रवार को पार्टी के 60वें स्थापना दिवस पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल नहीं होंगे। इनके शिवसेना में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। दोनों ही गुट स्थापना दिवस मनाने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि शिवसेना यूबीटी के छह सांसद इस अवसर पर शिंदे नीत शिवसेना में शामिल होंगे। व्हिप जारी होने के बावजूद इन सांसदों ने अपनी पार्टी की बैठक में हिस्सा नहीं लिया था।

एमडीडीए की सख्त कार्रवाई: विकासनगर में 10 बीघा जमीन पर बस रही अवैध कॉलोनी पर दोबारा चला बुलडोजर

आरव शर्मा

देहरादून (शिखर समाचार)। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने अवैध प्लाटिंग और बिना नक्शे के हो रहे निर्माण कार्यों के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। शुक्रवार को एमडीडीए की टीम ने विकासनगर तहसील के रेतीवाला क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 10 बीघा जमीन पर की जा रही अवैध प्लाटिंग को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। अतुल्यम रिजॉर्ट के पास बिना मानचित्र स्वीकृति के बनाई जा रही सीसी सड़क को भी बुलडोजर से उखाड़ दिया गया।

नोटिस के बावजूद दोबारा शुरू कर दिया था काम

प्राधिकरण के अनुसार, अभिनव बंसल और अन्य लोगों द्वारा बिना मानचित्र पास कराए इस भूमि पर अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी, जो नगर योजना एवं विकास अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है। एमडीडीए ने पूर्व में कारण बताओ नोटिस जारी कर काम रोकने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद नियमों को ताक पर रखकर काम जारी रखा गया। क्षेत्रीय अभियंताओं की रिपोर्ट के मुताबिक, इससे पहले 20 मई 2026 को भी एमडीडीए ने यहां ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की थी, लेकिन संबंधित पक्ष ने दोबारा यहां सड़क और प्लाटिंग का

काम शुरू कर दिया। इसके बाद एमडीडीए की प्रवर्तन टीम ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर जेसीबी मशीनों से सभी अवैध संरचनाओं को फिर से ढहा दिया।

अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं, अधिकारियों को सख्त निर्देश

एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने स्पष्ट किया है कि प्राधिकरण क्षेत्र में सुनियोजित विकास ही प्राथमिकता है और किसी भी कीमत पर अवैध निर्माण और प्लाटिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को ऐसे मामलों की नियमित निगरानी करते हुए त्वरित और सख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

जनता से अपील: जमीन खरीदने से पहले जांचें वैधता

एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया ने बताया कि अलग-अलग सेक्टरों में गठित टीमें लगातार निरीक्षण कर रही हैं। प्राधिकरण ने आम जनता से भी अपील की है कि किसी भी भूखंड या संपत्ति को खरीदने से पहले उसकी वैधानिक स्थिति की जांच जरूर कर लें, ताकि अवैध प्लाटिंग में निवेश करने से होने वाले आर्थिक नुकसान से बचा जा सके। एमडीडीए ने नागरिकों से आग्रह किया है कि यदि उनके संज्ञान में कोई अवैध निर्माण या प्लाटिंग आती है, तो इसकी सूचना तत्काल प्राधिकरण को दें ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

जनता दर्शन में जिलाधिकारी ने सुनीं जनसमस्याएं, एक सप्ताह में विधवा महिला को दिलाया योजनाओं का लाभ

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान राजस्व विभाग, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए), नगर निगम, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण विभाग समेत विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें और प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को शासन की मंशा के अनुरूप सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन के दौरान कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। वहीं अन्य मामलों में जिलाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायतों की जानकारी दी और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम के दौरान विधवा महिला सुशीला देवी पत्नी स्वर्गीय प्रेमचंद ने अपनी आर्थिक एवं सामाजिक परेशानियों से जिलाधिकारी को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि उनकी विधवा पेंशन बंद है तथा राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड भी नहीं बने हैं। इस संबंध में उन्होंने 13 जून को जनता दर्शन में जिलाधिकारी से सहायता की मांग की थी।

जिलाधिकारी के निर्देश पर मात्र एक सप्ताह के भीतर सुशीला देवी की विधवा पेंशन पुनः शुरू करा दी गई। साथ ही उनका राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड भी बनवा दिया गया। योजनाओं का लाभ मिलने पर सुशीला देवी ने जिलाधिकारी तथा मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। जनता दर्शन कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (भू-अर्जन) अवनीश सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रुपये दोगुने करने का झांसा देकर ठगी करने वाला शातिर गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। पुलिस ने रुपये दोगुने करने का लालच देकर 28 हजार रुपये की ठगी करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ठगी गई पूरी रकम भी बरामद कर ली है। जानकारी के अनुसार रामपुर जनपद के सैफनी थाना क्षेत्र स्थित ग्राम देवीपुर निवासी अनिल कुमार ने स्योहारा थाने में तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि मुरादाबाद जनपद के ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र के शरीफ नगर निवासी तफसीर ने उसे रुपये दोगुने करने का झांसा दिया था। शिकायत के मुताबिक आरोपी ने 19 जून को अनिल कुमार को बुलाया और उसे अधिक लाभ का लालच देकर 28 हजार रुपये अपने कब्जे में ले लिए। बाद में आरोपी ने रुपये वापस नहीं किए, जिससे पीड़ित को अपने साथ धोखाधड़ी होने का एहसास हुआ। इसके बाद उसने पुलिस से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर तत्काल मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की तलाश शुरू की और जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से ठगी गई 28 हजार रुपये की नकदी भी बरामद कर ली गई है। पूछताछ में आरोपी से अन्य संभावित मामलों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि रुपये दोगुने करने, कम समय में अधिक मुनाफा दिलाने अथवा किसी भी प्रकार के अवास्तविक लाभ का लालच देने वाले व्यक्तियों से सतर्क रहें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

31 बार अदालत से गैरहाजिर रहने वाला वारंटी गिरफ्तार, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया जेल

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। न्यायालय के आदेशों की लगातार अवहेलना करना एक आरोपी को भारी पड़ गया। वर्षों से अदालत की सुनवाई से बच रहे एक वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार मोहल्ला मानक चंद निवासी तंज़िलुर्रहमान उर्फ गुड्डे पुत्र रज़ियुर्रहमान उर्फ लड्डन के विरुद्ध वर्ष 2017 से चेक अनादरण का एक मामला न्यायालय में विचाराधीन है। मुकदमे की सुनवाई के दौरान आरोपी लगातार अदालत में निर्धारित तिथियों पर अनुपस्थित रहता था और न्यायिक प्रक्रिया से बचने का प्रयास कर रहा था। जानकारी के अनुसार आरोपी ने एक–दो नहीं, बल्कि 31 बार न्यायालय में निर्धारित पेशियों पर उपस्थित न होकर न्यायिक आदेशों की खुली अवहेलना की। बार–बार गैरहाजिर रहने के कारण न्यायालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उसके विरुद्ध गैर–जमानती वारंट जारी कर दिया। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में स्थानीय पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने तंज़िलुर्रहमान उर्फ गुड्डे को उसके निवास क्षेत्र के निकट से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने आरोपी के लगातार गैरहाजिर रहने के रिकॉर्ड को देखते हुए उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजने के आदेश जारी कर दिए। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को जेल पहुंचा दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय से जारी गैर–जमानती वारंटों के अनुपालन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। फरार एवं लगातार गैरहाजिर रहने वाले आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके और कानून का सम्मान बना रहे।

चेकिंग में धरे गए दो शातिर वाहन चोर, चोरी की दो बाइकें और चाकू बरामद

हापुड़ (शिखर समाचार)। वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना धौलाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिलें तथा दो अवैध चाकू बरामद किए हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी अनिता चौहान ने बताया कि पुलिस टीम इंडस्ट्रियल एरिया मसूरी की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवकों को रोककर पूछताछ की गई। तलाशी लेने पर दोनों के पास से अवैध चाकू बरामद हुए। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने वाहन चोरी की घटनाओं में शामिल होना स्वीकार कर लिया। पुलिस जांच में उनके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिलें भी बरामद हुईं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गाजियाबाद के कविनगर निवासी दीपांशु तथा मेरठ के किठौर निवासी वासिल के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

NH–9 पर भीषण हादसा: डिवाइडर तोड़ रॉन्ग साइड पहुंची टमाटरों से भरी पिकअप, बुलेट सवार गंभीर घायल

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के नेशनल हाईवे–9 पर शुक्रवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। टमाटरों से लदी तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी लेन में जा घुसी और सामने से आ रही बुलेट बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बुलेट सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि कुछ समय के लिए हाईवे पर जाम की स्थिति भी बन गई। जानकारी के अनुसार मुरादाबाद से दिल्ली की ओर जा रही पिकअप बछलौता फ्लाईओवर के निकट पहुंची ही थी कि चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया। पिकअप डिवाइडर पार कर रॉन्ग साइड में पहुंच गई। उसी दौरान दिल्ली से मुरादाबाद की ओर जा रहे बुलेट सवार दिल्ली निवासी विकास उसकी चपेट में आ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि विकास सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और यातायात प्रभावित हो गया। सूचना मिलते ही बाबूगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल उपचार के लिए देवनंदनी अस्पताल भिजवाया। साथ ही परिजनों को भी घटना की जानकारी दी गई। हादसे के कारण हाईवे पर कुछ समय के लिए वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस ने क्रेन बुलाकर क्षतिग्रस्त पिकअप और बुलेट को सड़क से हटवाया, जिसके बाद यातायात सामान्य कराया गया। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल एवं भव्य आयोजन हेतु तैयारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

बिजनौर (शिखर समाचार)। आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल, सुव्यवस्थित एवं भव्य आयोजन को लेकर जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नामित नोडल अधिकारियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान योग दिवस कार्यक्रम की तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की गई तथा आयोजन को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध रूप से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की प्राचीन एवं गौरवशाली योग परंपरा को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने निर्देश दिए कि योग दिवस के कार्यक्रम में विद्यालयों, महाविद्यालयों, स्वयंसेवी संगठनों,

सामाजिक संस्थाओं, विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ आमजन की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि जनपद के अधिक से अधिक नागरिक योग के महत्व को समझें और योग दिवस के आयोजन में सक्रिय भागीदारी करें। साथ ही आयोजन स्थलों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों की जानकारी प्रस्तुत की। जिलाधिकारी ने सभी व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा किसी भी प्रकार की कमी न रहने देने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. राकेश कुमार, जिला होम्योपैथिक अधिकारी डॉ. आरती गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जनपद के योग संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को जन-जन का उत्सव बनाने के लिए सभी विभाग समर्पित भाव से कार्य करें, जिससे जनपद में योग के प्रति जागरूकता बढ़े और कार्यक्रम ऐतिहासिक एवं सफल रूप से सम्पन्न हो।

जीडीए का बड़ा एक्शन: कनौजा और मुरादनगर में 32 हजार वर्गमीटर में बसाई जा रही अवैध कॉलोनियां जमींदोज

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और कॉलोनियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए शुक्रवार को व्यापक ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। प्रवर्तन जोन-02 की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ ग्राम कनौजा और मुरादनगर क्षेत्र में अवैध रूप से काटी जा रही कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान निर्माणकताओं ने भारी विरोध भी किया, लेकिन पुलिस के आगे उनकी एक न चली।

यहां चला प्राधिकरण का बुलडोजर:

ग्राम कनौजा (खसरा संख्या-146): यहां करीब 6000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अमित चौधरी, मामचन्द्र त्यागी, ब्रह्मचन्द त्यागी (तीनों के पिता कैलाश) और आदेश (पिता रामधन) द्वारा बिना अनुमति के प्लॉटिंग के लिए डिमार्केशन और मिट्टी भराव का कार्य किया जा रहा था।

चिपयाना क्षेत्र: दीपक चौधरी (पिता नरेन्द्र सिंह), सुचेत त्यागी (पिता स्व. हिरराज त्यागी) और वरुण शर्मा (पिता मोहनलाल शर्मा) द्वारा करीब 13,000 वर्गमीटर जमीन पर अवैध रूप से मिट्टी डालकर रास्तों का निर्माण किया जा रहा था।

मुरादनगर (खसरा संख्या-16): हिसाली निवासी डवन चौधरी और अतुल त्यागी द्वारा लगभग 13,000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में सड़क और नाली का निर्माण करने के साथ ही प्लॉटों की बाउंड्री बनाकर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी।

जीडीए अधिकारियों ने बताया कि स्थल निरीक्षण के दौरान इनमें से किसी भी व्यक्ति द्वारा कोई स्वीकृत नक्शा (मानचित्र) या वैध भू-अभिलेख प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इसके बाद प्राधिकरण ने कड़ा कदम उठाते हुए इन सभी स्थानों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की।

विरोध के बावजूद नहीं रुका अभियान

ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान कुछ स्थानीय निर्माणकताओं ने हंगामा कर कार्रवाई को रोकने का प्रयास किया, लेकिन मौके पर मौजूद प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति को तुरंत नियंत्रण में ले लिया। पुलिस की सख्ती के चलते अभियान बिना किसी रुकावट के पूरा हुआ। इस बड़ी कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन जोन-02 का समस्त स्टाफ और पुलिस बल मुस्तैद रहा।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में ग्राम कुलेसरा की जनसमस्याओं को लेकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। वीर विराट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अभिषेक के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में ग्राम कुलेसरा की जनसमस्याओं को लेकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में ग्राम कुलेसरा की टूटी–फूटी सड़कों, जर्जर नालियों, जलभराव तथा बढ़ती महामारी की समस्या को प्रमुखता से उठाया गया। संगठन ने मांग की कि ग्राम में नालियों एवं सड़कों का शीघ्र निर्माण एवं विकास कार्य कराया जाए, जिससे बरसात के दौरान होने वाले जलभराव से ग्रामीणों को राहत मिल सके।इस अवसर पर संगठन के सम्मानित पदाधिकारी सुमित , चमन सर्वेश कुमार, मोनू कुमार डायरेक्टर असिस्टेंट सहित अन्य साथी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों को बताया कि बरसात के समय ग्राम के अनेक क्षेत्रों में पानी भर जाने से आवागमन बाधित हो जाता है तथा संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अभिषेक ने कहा कि ग्राम कुलेसरा के विकास एवं जनहित के मुद्दों पर संगठन लगातार संघर्ष करता रहेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मांग की कि ग्रामीणों की समस्याओं का तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक विकास कार्य प्रारंभ किए जाएं।वीर विराट एसोसिएशन ने कहा कि यदि ग्राम कुलेसरा की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो संगठन ग्रामीणों के हित में लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

कूलर में करंट उतरने से युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भोजपुर थाना क्षेत्र के नगला बेर गांव में कूलर में करंट उतरने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार नगला बेर गांव निवासी 39 वर्षीय ललित कुमार अपने परिवार के साथ गांव में रहते थे। बताया जा रहा है कि बुधवार रात वह घर में लगे कूलर की सफाई कर रहे थे। इसी दौरान अचानक कूलर में करंट आ गया, जिसकी चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद परिजन आनन–फानन में उन्हें उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। ललित की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

करोड़ों की डकैती का इनामी गैंगस्टर एनकाउंटर में ढेर, कारोबारी को धमकी देने के चार घंटे बाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ के चर्चित कारोबारी नरेंद्र अग्रवाल के घर हुई करोड़ों रुपये की डकैती के मामले में वांछित 50 हजार रुपये के इनामी गैंगस्टर श्याम को हापुड़ पुलिस ने गुरुवार देर रात मुठभेड़ में मार गिराया। इस दौरान बदमाश की गोली लगने से हेड कांस्टेबल मनोज कुमार घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत खतरे से बाहर है।

जानकारी के अनुसार थाना हापुड़ नगर पुलिस बुलंदशहर रोड पर देर रात वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने उसका पीछा किया और कंट्रोल रूम को सूचना दी। इसके बाद थाना हापुड़ देहात पुलिस ने गोदी गांव के पास घेराबंदी कर दी। खुद को चारों ओर से घिरा देख बदमाश श्याम ट्यूबवेल की आड़ लेकर पुलिस टीम पर फायरिंग करने लगा। जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी। घायल अवस्था में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके से पुलिस ने एक अवैध पिस्टल, कारतूस और स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार मारा गया बदमाश रामपुर जिले के सूरजपुर गांव का रहने वाला श्याम (28) था, जिस पर डकैती, लूट और गैंगस्टर एक्ट समेत कई गंभीर मामलों में मुकदमे दर्ज थे। वह लंबे समय से फरार चल रहा था और उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। गौरतलब है कि एक जून की तड़के गिरधारी नगर निवासी प्रमुख कारोबारी नरेंद्र अग्रवाल के घर हथियारबंद बदमाशों ने सनसनीखेज डकैती की वारदात को अंजाम दिया था। कारोबारी के 17 वर्षीय पोते सिद्धांत के घर पहुंचते ही घात लगाए बैठे 4-5 बदमाश उसके साथ घर में घुस गए थे। बदमाशों ने परिवार के सदस्यों और चौकीदार को गन पॉइंट पर लेकर हाथ-पैर बांध दिए और करीब एक घंटे तक घर खंगालने के बाद सवा किलो सोने के आभूषण, चांदी तथा लाखों रुपये की नकदी लूटकर फरार हो गए थे। इस मामले में पुलिस ने 7 जून को सुल्तानपुर रोड पर हुई मुठभेड़ के बाद गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपियों में यूपी पुलिस का निलंबित सिपाही विक्की गौतम भी शामिल था, जिसे पूरी वारदात का मास्टरमाइंड बताया गया था।

धमकी देने के चार घंटे बाद मारा गया बदमाश

पीड़ित कारोबारी नरेंद्र अग्रवाल ने बताया कि गुरुवार शाम 7:58 बजे से लेकर करीब आधे घंटे तक उनके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात नंबर से 15 बार कॉल आई थी। व्यस्त होने के कारण वह कॉल रिसीव नहीं कर सके। बाद में जब उन्होंने वापस कॉल की तो कॉलर आईडी पर श्याम प्रताप का नाम प्रदर्शित हुआ। कारोबारी के अनुसार फोन पर आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। इसकी शिकायत उन्होंने तत्काल पुलिस अधीक्षक को दी थी। आश्चर्यजनक रूप से शिकायत के महज चार घंटे बाद ही पुलिस मुठभेड़ में वही बदमाश मारा गया।

राहुल गांधी का जन्मदिन कांग्रेस कार्यकताओं ने धूमधाम से मनाया, सामाजिक न्याय के संघर्ष को मजबूत करने का लिया संकल्प

बिजनौर (शिखर समाचार)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस कार्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी बिजनौर की अध्यक्ष हैनरीता राजीव सिंह ने की। इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक एकत्र होकर राहुल गांधी के स्वस्थ, दीघार्यु एवं सफल जीवन की कामना की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने उनके नेतृत्व में सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा तथा जनहित से जुड़े मुद्दों के लिए संघर्ष को और अधिक मजबूती प्रदान करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी लगातार देश में सामाजिक समानता, लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठा रहे हैं। उनके विचारों और

संघर्षों से प्रेरणा लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाते रहेंगे। कार्यक्रम में पूर्व आईएएस आर.के. सिंह, शहर अध्यक्ष हुमायूँ बेग, अधिवक्ता विक्रम सिंह, मोहम्मद अकबर, मोहम्मद सलीम, हुकुम सिंह, हाजी नसीम, शेख मोहम्मद अंजार, जफर हसनैन, साजिदा बेगम, अनिल त्यागी, हरिराज सिंह, मलखान सिंह, मोहम्मद हनीफ, शादीलाल मारवाड़ी, नदीम जमील, रकीब आलम, जमशेद आलम, खालिद, मोहम्मद यूसुफ अंसारी, मुर्शीद अली, शोएब आलम, मोहम्मद आमिर, एन.डी. मंसोरी, इकबाल ठेकेदार, इमरान, अब्दुल समद आजाद, अजीम, मुन्ने सिंह, मुंशी संसार, रईस अहमद, अस्मित भारद्वाज, वेद प्रकाश, गजेंद्र सिंह, राजबीर सैनी, फारूक पठान और आदेश कुमार सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राहुल गांधी के उज्ज्वल भविष्य एवं देश में लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती की कामना के साथ किया गया। कांग्रेस कार्यकताओं ने संगठन को मजबूत बनाने तथा जनता के मुद्दों पर निरंतर संघर्ष करने का संकल्प भी दोहराया।

पशुपालन विभाग के निर्माण कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे करने के जिलाधिकारी कविता मीना ने दिए निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पशुपालन विभाग के अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में निमार्णाधीन पशु चिकित्सालयों, वृहद गौ-संरक्षण केंद्रों, गौशालाओं, कृत्रिम गभार्धान केंद्रों तथा बहुउद्देशीय पशु चिकित्सा केंद्रों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी को गंभीरता से लिया जाएगा तथा इसके लिए जिम्मेदार संस्था के विरुद्ध शासन को रिपोर्ट भेजी जाएगी। साथ ही लंबित कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराकर उन्हें तेजी से पूरा करने के निर्देश भी दिए गए।

जिलाधिकारी ने निराश्रित गोवंश के संरक्षण को प्राथमिकता बताते हुए कहा कि निमार्णाधीन वृहद गौ-संरक्षण केंद्रों में चारा, पेयजल, शेड, भूसा गोदाम और चारदीवारी जैसी मूलभूत सुविधाओं का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। उन्होंने प्रत्येक केंद्र में बायोगैस संयंत्र स्थापित करने के भी निर्देश दिए, जिससे गोवंश संरक्षण के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा

उत्पादन को भी बढ़ावा मिल सके। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है और किसानों की आय बढ़ाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं से कहा कि किसानों को समय पर बेहतर पशु चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सभी निर्माण कार्य युद्धस्तर पर पूर्ण कराए जाएं, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों को आधुनिक और सुलभ चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सके। बैठक में पशुपालन विभाग के अधिकारी एवं संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उन्होंने निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति से जिलाधिकारी को अवगत कराया तथा निर्धारित समय में परियोजनाओं को पूरा करने का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त समाचार

मुहर्रम जुलूस वाले रास्ते पर कस दें लटके बिजली तार

गोरखपुर , एजेंसी। डीएम दीपक मीणा ने पुलिस लाइन में मुहर्रम की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। उन्होंने बिजली निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जुलूस वाले रास्तों का निरीक्षण कर बिजली के लटके तारों को कस दें और जहां जर्जर तार है उसे बदल दें। डीएम ने कहा कि मुहर्रम परंपरागत रूट से ही निकाले जाएं और किसी प्रकार शस्त्र प्रदर्शन न करें। शांति एवं सद्भावना समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने कहा कि असामाजिक तत्व किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न करें तो जिम्मेदार व्यक्ति पुलिस को तत्काल सूचना दें ताकि त्वरित कार्रवाई करके किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को तत्काल रोका जा सके। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जुलूस वाले रूटों पर चूना छिड़काव, नालों की साफ-सफाई, अपशिष्ट निस्तारण का प्रबंध कराएं। छुट्टा पशु सड़कों पर इधर-उधर न घूमते मिलें और लाइट आदि की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने सभी मुतवल्लियों से अपील करते हुए कहा कि ताजिया की ऊंचाई मानक के अनुसार और जुलूसों में प्रयोग किए जाने वाले डीजे में दो साउंड सिस्टम से अधिक प्रयोग न करें। उसकी आवाज मानक के नियमानुसार ही रखे। उन्होंने सभी थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बैठक में शांति एवं सद्भावना समिति के सदस्य डॉ. सुधाकर पांडेय, आदिल अमीन, मुर्तुजा हुसैन रहमानी आदि मौजूद रहे ।

अब नौवीं-दसवीं में तीन भाषाएं पढ़ना होगा अनिवार्य, तीसरी भाषा पर सस्पेंस; एक जुलाई से खुल रहे स्कूल

आगरा, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) और राष्ट्रीय विद्यालय शिक्षा ढांचा (एनसीएफ-एसई-2023) के तहत 9वीं में तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य कर दिया है, जिनमें से कम से कम दो भाषाएं भारतीय मूल की होनी चाहिए। 1 जुलाई से विद्यालय खुलने जा रहे हैं, लेकिन अभी तक यह तय नहीं हुआ कि कक्षा 9 में तीसरी भाषा के रूप में कौन सी भाषा और किताबों से पढ़ाई कराई जानी है। निजी सीबीएसई स्कूल की निदेशक दीपिका त्यागी बताती हैं कि तीन-भाषा फार्मूले को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। फिलहाल सीबीएसई के सुझाव पर कक्षा 9 के विद्यार्थियों को तीसरी भाषा के तौर पर कक्षा 6 की संस्कृत किताबों से पढ़ाया जाएगा। एसोसिएशन ऑफ प्रोग्रेसिव स्कूल्स ऑफ आगरा (अप्सा) सचिव गिरधर शर्मा बताते हैं अभी तक न तो पाठ्यक्रम को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश मिले हैं और न ही यह बताया गया है कि छात्रों का मूल्यांकन किस प्रकार किया जाएगा। अप्सा अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने बताया कि आगरा में सीबीएसई के कुछ ही स्कूलों में फ्रेंच या जर्मन पढ़ाई जाती है। हमारे स्कूल में भी जर्मन भाषा छात्रों को पढ़ाई जाती थी, लेकिन नए नियम के तहत दो भारतीय भाषा जरूरी है इसलिए हमने जर्मन भाषा के शिक्षक को हटा दिया है। सीबीएसई का सुझाव हैं कि कक्षा 6 की संस्कृत की किताब से पढ़ाया जाए हम भी उसी को ही फॉलो करेंगे।

कार्ड बांटकर बाइक से लौट रहे दो दोस्तों को डीसीएम ने रौंदा, दूल्हा गंभीर

कन्नौज , एजेंसी। शादी के निमंत्रण पत्र बांटकर लौट रहे युवक की बाइक में बुधवार को तेज रफ्तार डीसीएम ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक व उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को सौ शैया अस्पताल से प्राथमिक इलाज के बाद राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मैनपुरी जिले के बेवर क्षेत्र के ग्राम नगला बहोरी निवासी पुष्पराज (25) की 26 जून को शादी है। मंगलवार सुबह वह दोस्त बेवर क्षेत्र के ग्राम वीलपुर निवासी शिवम यादव (24) के साथ बाइक से कार्ड बांटने निकला था। दोनों निमंत्रण पत्र वितरित कर दोपहर में गांव लौट रहे थे। अलीगढ़-कानपुर हाईवे पर बरुआ सबलपुर के सामने एक ढाबे के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डीसीएम की रफ्तार काफी तेज थी। बाइक को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित होकर डीसीएम सड़क पर पलट गई। दुर्घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। परिजनों ने बताया कि गंभीर हालत में तिर्वा से रिजेंसी भेजा गया था पर चिकित्सकों ने इलाज से मना कर दिया। परिजनों ने बताया कि पुष्पराज के पिता सुखदेव पुलिस महकमे में एसआई के पद पर कार्यरत हैं। पुष्पराज का तिलक समारोह 21 और 26 जून को बरात औरैया जिले के ग्राम पूर्वा पुने जानी है। शादी की तैयारियां जोरों पर चल रही थीं, लेकिन हादसे की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई।

पीडीए पंचायत समाज के शोषित वर्गों के सम्मान की लड़ाई का आगाज : डॉ. सत्येंद्र पाल

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के एक बैंक्वेट हॉल में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं शिक्षक सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. सत्येंद्र पाल के नेतृत्व में पीडीए पंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और सामाजिक न्याय के संदेश को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा का कार्यकताओं ने फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया।

पीडीए पंचायत को संबोधित करते हुए राम आसरे विश्वकर्मा ने कहा कि पीडीए की एकजुटता ही लोकतांत्रिक बदलाव की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहकर संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाना होगा, ताकि सामाजिक न्याय की इस धारा को कोई भी ताकत रोक न सके। उन्होंने कहा कि समाज के वंचित, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों की भागीदारी से ही लोकतंत्र मजबूत होगा।

कार्यक्रम के आयोजक डॉ. सत्येंद्र पाल ने कहा कि यह पंचायत समाज के शोषित और वंचित वर्गों के सम्मान की लड़ाई का आगाज है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी द्वारा दिया गया पीडीए का नारा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने का संकल्प है। इस विचारधारा को गांव गांव और घर घर तक पहुंचाना आवश्यक है, ताकि एक मजबूत, समतामूलक और न्यायपूर्ण समाज की स्थापना हो सके।

डॉ. पाल ने कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियों से दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों के अधिकार प्रभावित हुए हैं, जिसका जवाब संगठन की एकजुटता और लोकतांत्रिक संघर्ष से दिया जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान करते हुए कहा कि संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाए तथा संगठन को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाए।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में पीडीए प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका निभाएगा। पंचायत के दौरान कार्यकताओं में उत्साह देखने को मिला और संगठन विस्तार को लेकर व्यापक चर्चा की गई।

इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद त्यागी, श्यामलाल बच्ची सैनी, अतहर हसन, जुल्फिकार कुरैशी, अकरम खान सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गौ संरक्षण के लिए समाज को एकजुट होने का आह्वान, शामली पहुंचे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

शामली (शिखर समाचार)। गौ संरक्षण एवं सनातन धर्म जागरण के उद्देश्य से निकाली जा रही गविष्टि यात्रा के तहत शुक्रवार को ज्योतिषपीठाधीश्वर एवं द्वारका-शारदा पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती शामली पहुंचे। मेरठ से आगमन पर श्रद्धालुओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद करनाल रोड स्थित एमएस फार्म में आयोजित धर्मसभा में उन्होंने हजारों श्रद्धालुओं को संबोधित किया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि गविष्टि यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में गौ संरक्षण के प्रति व्यापक जनजागरण करना है। उन्होंने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति, कृषि व्यवस्था और सनातन परंपरा की आधारशिला हैं, इसलिए प्रत्येक सनातनी का दायित्व है कि वह गौ सेवा और गौ संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिए जाने की मांग उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों के समक्ष रखी थी, लेकिन मांग पूरी नहीं होने पर गविष्टि यात्रा प्रारंभ की गई। उन्होंने गौ मांस निर्यात पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गौ रक्षा और धर्म रक्षा एक-दूसरे के पूरक हैं तथा दोनों के संरक्षण के लिए समाज को संगठित होकर कार्य करना होगा। शंकराचार्य ने कहा कि समाज को जाति, क्षेत्र और अन्य विभाजनों से ऊपर उठकर धर्म एवं संस्कृति की रक्षा के लिए एकजुट होना चाहिए। उन्होंने लोगों से ऐसे जनप्रतिनिधियों का समर्थन करने का आह्वान किया जो गौ संरक्षण और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए कार्य करते हों। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को गौ माता, सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति की रक्षा का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर ओमप्रकाश शर्मा, प्रेम किशोर कोठारी, देवानंद गौड़, दिनेश पाठक, जितेंद्र शर्मा, प्रवीन तरार, सुधीर पंवार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आगरा-दिल्ली हाईवे पर होदसों ने रोकी रफ्तार, जाम में फंसे वाहन

आगरा। आगरा- दिल्ली हाईवे पर बुधवार को दो हादसों ने हाईवे पर रफ्तार को ब्रेक लगा दिए। भावना स्टेट कट पर तेज रफ्तार ट्रोला के डिवाइडर के टकराने के बाद गुरुद्वारा गुरु का ताल की ओर का आवागमन रुक गया और लंबा जाम लग गया। सूचना मिलने पर डीसीपी ट्रैफिक सोनम कुमार खुद मौके पर पहुंचे और टीम की मदद से ट्रोला हटवाकर यातायात सुचारु करवाया। वहीं आईएसबीटी के पास नगर निगम की कूड़ा गाड़ी पलट गई और काफी देर जाम लगा रहा।

बुधवार दोपहर 11:45 बजे मथुरा से आ रहा ट्रोला तेज रफ्तार के चलते अनियंत्रित हो गया। भावना एस्टेट के पास आगे जा रहे वाहनों से टकराने से बचा और मेट्रो के डिवाइडर से टकरा गया। इसके बाद सड़क पर तिरछा होकर बंद हो गया। चालक को हल्की चोट आई। दोनों पहिए जाम हो गए। इस कारण सिकंदरा की ओर से आने वाले वाहनों की लाइन लग गई।

करीब एक किमी तक जाम लग गया। जाम का असर वैकल्पिक मार्गों पर भी दिखा। सिकंदरा-बोदला आरओबी से कारगिल और करकुंज से कैलाशपुरी रोड और मदिया कटरा व ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में भी वाहनों का दबाव बढ़ने पर लोग परेशान रहे। डीसीपी सोनम कुमार ने मौके पर पहुंच कर क्रेन की मदद से ट्रोला को हटवाया। करीब एक घंटे बाद जाम खुल सका।

कूड़ा गाड़ी पलटने से लगा जाम

आईएसबीटी फ्लाईओवर के पास नगर निगम की डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन करने वाली लोडिंग गाड़ी को कार ने ओवरटेक करने का प्रयास किया। इससे कूड़ा गाड़ी पलट गई। चालक गुजरात जोशिल गाड़ी के अंदर फंस गया। लोगों ने उसे बाहर निकाला। इससे करीब एक घंटे तक जाम लगा रहा।

जीतपुर पलड़ी में आतंक का पर्याय बना खूंखार गुलदार पिंजरे में कैद, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगीना-कोतवाली देहात मार्ग स्थित ग्राम हकीकतपुर सहसू उर्फ जीतपुर पलड़ी में पिछले कई दिनों से ग्रामीणों के लिए आतंक का कारण बना खूंखार गुलदार आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। गुलदार के पकड़े जाने के बाद क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है।

वन विभाग के अनुसार गुरुवार देर रात लगभग 11 बजे ग्रामीणों ने सूचना दी कि क्षेत्र में सक्रिय गुलदार वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में फंस गया है। सूचना मिलते ही वन क्षेत्राधिकारी प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम में वन दरोगा विशाल प्रताप सिंह, धर्मेंद्र कुमार तथा कर्मचारी लाल सिंह शामिल रहे।

मौके पर पहुंची टीम ने सबसे पहले बड़ी संख्या में एकत्र ग्रामीणों को सुरक्षित दूरी पर हटाया और आवश्यक सावधानियां बरतते हुए पिंजरे में कैद गुलदार का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। वन विभाग ने पूरे अभियान को सावधानीपूर्वक अंजाम दिया, जिससे किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो सके।

वन दरोगा धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि पकड़ा गया गुलदार नर है और उसकी उम्र लगभग साढ़े चार वर्ष आंकी गई है। रेस्क्यू के बाद गुलदार को सुरक्षित रूप से पिंजरे सहित कृषि विज्ञान केंद्र में शिफ्ट कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों के अनुसार यह गुलदार पिछले काफी समय से क्षेत्र में सक्रिय था और लगातार पालतू पशुओं पर हमला कर रहा था। कई बार उसने कुत्तों और बकरियों को अपना शिकार बनाया, जिससे ग्रामीणों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ था। शाम ढलते ही लोग घरों में रहने को मजबूर हो जाते थे और खेतों में जाने से भी कतराने लगे थे।

गुलदार के पकड़े जाने के बाद जीतपुर पलड़ी सहित आसपास के गांवों के लोगों ने वन विभाग की कार्रवाई की सराहना की है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से वे इस समस्या से परेशान थे और अब गुलदार के पकड़े जाने से क्षेत्र में सामान्य स्थिति बहाल होने की उम्मीद जगी है। वन विभाग ने भी लोगों से अपील की है कि वन्यजीवों की गतिविधियों की सूचना तुरंत विभाग को दें तथा किसी भी वन्यजीव के निकट जाने का प्रयास न करें।

नैनीताल में खाई में गिरा मेरठ के पर्यटकों का वाहन

दो महिलाओं की मौत, 18 लोग घायल; ब्रेकफेल होने से हादसा

मेरठ , एजेंसी। वाहन में सवार सभी लोग मेरठ स्थित इस्लामाबाद ताला फैक्टरी क्षेत्र के रहने वाले हैं जो नैनीताल से लौट रहे थे। कालाढूंगी पहुंचने से एक किलोमीटर पहले ब्रेक फेल होने पर चालक नईम ने नियंत्रण खो दिया और वाहन खाई में जा गिरा। मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और बचाव टीमों ने घायलों को खाई से निकालकर सरकारी अस्पताल पहुंचाया। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक हादसे में नाजमीन (32) पत्नी शाकिर और फरद बेगम (55) की मौत हो गई है। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप घायल पर्यटकों को हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल भेज दिया गया, जबकि मामूली घायलों को छुट्टी दे दी गई।

जैसे ही इसकी सूचना मेरठ में

इनके परिवारवालों को मिली, उनमें कोहराम मच गया। यहां से भी देर रात परिवार के लोग नैनीताल के लिए रवाना हो गए हैं। नैनीताल जा रहे अरशद ने बताया कि ये लोग किताबों का काम करने वाले उनके दोस्त नफीस के परिवारजन व रिश्तेदार हैं। घूमने के लिए गए हुए थे। शहर विधायक रफीक अंसारी, सपा महानगर अध्यक्ष आदिल चौधरी, हसीन सैफी और शाहजहां सैफी ने आदि ने पीड़ित परिवार का हाल जाना।

ये हुए घायल

सुहेमा (8) पुत्री नफीस, तस्वीबिया (11) पुत्री रईस, माहिरा (1) पुत्री नईमुद्दीन, आशिक (24) पुत्र नवाबुद्दीन, सना (22) पत्नी आशिक, साद (2) पुत्र आशिक, सोफिया (15) पुत्री नवाब, आयशा (23) पत्नी मोनिस, अनीसा (40) पत्नी निजामुद्दीन, शाकिर (35) पुत्र यामीन, फरहत (48) पत्नी इकबाल, नफीस अहमद, रशीद अहमद (45) लाइबा (30) पत्नी नईम, उल्बिया (25) पुत्री अनीस अहमद, मोनिस (30) पुत्र निजामुद्दीन, रेशमा (40) पत्नी नवाब, रुखसाना (50) पत्नी अनीस अहमद।

ये बोली पुलिस

प्रथम दृष्टया ब्रेक फेल के चलते दुर्घटना की आशंका है, मामले की जांच की जा रही है। -अरुण कुमार सैनी, कोतवाल कालाढूंगी

2200 घरों को एक महीने में एलपीजी सिलिंडर सरेंडर करने होंगे

अलीगढ़ , एजेंसी।

शहरी इलाकों में रसोई गैस को लेकर बड़ा बदलाव होने वाला है। जिन क्षेत्रों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की लाइन पहुंच चुकी हैं, वहां एलपीजी सिलिंडरों का उपयोग बंद करना होगा। अगले एक महीने के भीतर 2200 उपभोक्ताओं को अपने एलपीजी सिलिंडर सरेंडर करने पड़ सकते हैं।

इंडियन ऑयल अदाणी गैस कंपनी ने पहले चरण में शहर के 10 से अधिक प्रमुख इलाकों में पाइपलाइन नेटवर्क बिछाया है। इनमें तालानगरी, मंजूरगढ़ी, सीडीएफ छेरत, धौर्रा माफी, मैरिस रोड और क्वार्सी चौराहा शामिल हैं। ओजोन सिटी, सांगवान सिटी, इंजीनियर्स कॉलोनी, हरदुआगंज और महेशपुर भी इन इलाकों में हैं।

वर्तमान में शहर के 2200 घरों में पीएनजी पहुंच चुकी है, जिन्हें अब अपना पुराना एलपीजी कनेक्शन छोड़ना होगा। एक महीने

बाद इन इलाकों में सिलिंडरों की डिलीवरी पूरी तरह बंद हो सकती है। इंडियन ऑयल अदाणी गैस के क्षेत्र प्रमुख आलोक कुमार गिरि ने बताया कि इसके लिए सरकार की ओर से भी आदेश जारी किए गए हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक विशेष जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है जो इस पूरे बदलाव की निगरानी कर रही है। कंपनी ने चिह्नित इलाकों में 5,000 मुख्य पॉइंट स्थापित किए हैं। इन पॉइंट की मदद से सीधे 15 हजार से अधिक घरों को पीएनजी से जोड़ा जा सकता है।

एचपीडीए का बड़ा अभियान: 36,500 वर्गमीटर में फैली चार अवैध प्लॉटिंग पर चला बुलडोजर

हापुड़ (शिखर समाचार)।
हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण (एचपीडीए) ने अवैध निर्माण एवं अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को हापुड़ विकास क्षेत्र में चार स्थानों पर ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। पुलिस बल की मौजूदगी में की गई इस कार्रवाई के दौरान करीब 36,500 वर्गमीटर क्षेत्रफल में विकसित की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया गया। प्राधिकरण द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अवैध निर्माण एवं अवैध प्लॉटिंग के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देशों के अनुपालन में थाना हापुड़ कोतवाली क्षेत्र में प्रवर्तन दल ने अभियान चलाया। जांच में पाया गया कि संबंधित भूखंडों पर बिना स्वीकृत मानचित्र के अवैध रूप से प्लॉटिंग विकसित की जा रही थी। कार्रवाई के दौरान ग्राम गोयना एवं मोदीनगर रोड क्षेत्र में स्थित चार अवैध प्लॉटिंग स्थलों को चिन्हित कर ध्वस्त किया गया। इनमें लगभग 2,500 वर्गमीटर, 8,000 वर्गमीटर, 16,000 वर्गमीटर तथा 10,000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में विकसित की जा रही प्लॉटिंग शामिल रही।

प्राधिकरण अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिन भूखंडों पर कार्रवाई की गई, वहां किसी प्रकार का स्वीकृत मानचित्र उपलब्ध नहीं था। इसी कारण नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अमल में लाई गई। अभियान में प्राधिकरण का प्रवर्तन दल एवं सचल दस्ता शामिल रहा। अधिकारियों ने कहा कि अवैध निर्माण और अवैध विकास कार्यों के विरुद्ध आगे भी लगातार अभियान जारी रहेगा। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार का निर्माण या विकास कार्य केवल विधिवत स्वीकृत मानचित्र प्राप्त करने के बाद ही करें। अन्यथा अवैध निर्माण के विरुद्ध की जाने वाली कार्रवाई की जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की स्वयं होगी।

आईएमएस गाजियाबाद में स्मार्ट हेल्थकेयर मैनेजमेंट पर ऑनलाइन एमडीपी आयोजित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाजियाबाद द्वारा स्मार्ट हेल्थकेयर मैनेजमेंट : टेक्नोलॉजी, पॉलिसी और प्रैक्टिस का एकीकरण विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम (एमडीपी) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभर से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें चिकित्सक, शिक्षाविद्, शोधकर्ता, स्वास्थ्य विशेषज्ञ तथा उद्योग जगत से जुड़े विशेषज्ञ शामिल रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं के बदलते स्वरूप पर विचार विमर्श करना तथा यह समझना था कि तकनीक, नीतिगत ढांचे और व्यावहारिक रणनीतियों के समन्वय से किस प्रकार अधिक स्मार्ट, निवारक और रोगी केंद्रित स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित की जा सकती है।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने प्रयोगशाला चिकित्सा में डिजिटल परिवर्तन की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने डिजिटल हेल्थकेयर मैनेजमेंट के युग में लैबोरेटरी मेडिसिन : टेक्नोलॉजी और प्रैक्टिस का एकीकरण विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि उन्नत तकनीकों और क्लीनिकल प्रथाओं के समन्वय से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, सटीकता और दक्षता को बेहतर बनाया जा सकता है।

तकनीकी सत्रों का संचालन चिराग गोयल तथा भारत कुमार दीक्षित ने किया। सत्रों में भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियों, अवसरों और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि स्वास्थ्य सेवाओं को प्रतिक्रियात्मक मॉडल से आगे

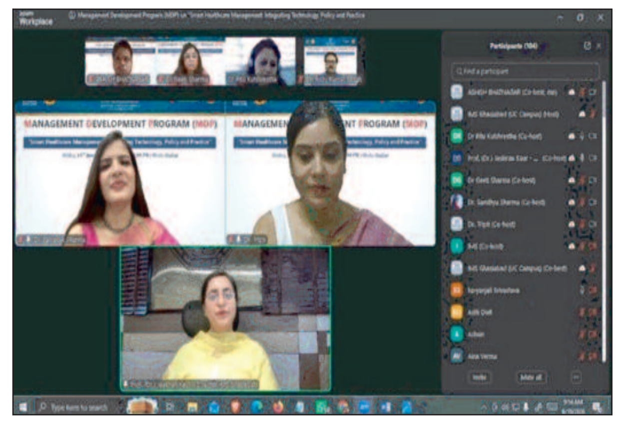

बढ़ाकर निवारक मॉडल की ओर ले जाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने देर से होने वाले निदान के प्रभाव और उससे जुड़ी आर्थिक लागत पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रभावी रोकथाम के लिए मजबूत नीतिगत समर्थन के साथ तकनीकी नवाचार भी आवश्यक हैं। साथ ही एबीडीएम, एनएचसीएक्स डेटा लेयर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका पर भी विचार-विमर्श किया गया, जो निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

संस्थान की निदेशक डॉ. जसकिरन कौर ने कहा कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, सुलभ और रोगी-केंद्रित बनाने के लिए तकनीक, नीतियों और व्यावहारिक दृष्टिकोण का समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम प्रतिभागियों को नवीनतम स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों और नीतिगत परिवर्तनों से अवगत कराने के साथ-साथ समाज के लिए बेहतर स्वास्थ्य समाधान विकसित करने हेतु प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम का समापन डॉ. सुरभि जोहरी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने विशिष्ट वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजन समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता में उनके योगदान की सराहना की।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. तृप्ति सिंह, डॉ. संध्या शर्मा तथा आशीष भटनागर ने किया।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : बृजेश सिंह

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश सरकार के लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में कानून व्यवस्था, राजस्व तथा मुख्यमंत्री के विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश दिए गए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए निवास, आय और जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य सेवाओं को

पारदर्शी, सरल और समयबद्ध बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व सेवाएं सीधे आमजन से जुड़ी हैं, इसलिए इनमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान आयुष्मान भारत योजना, गोल्डन कार्ड निर्माण, नियमित टीकाकरण, एम्बुलेंस सेवाओं और स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली गई। उन्होंने पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने और स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

कृषि एवं सहकारिता विभाग की समीक्षा में किसानों के लिए उर्वरकों और गुणवत्तापूर्ण बीजों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। सिंचाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए नहरों के माध्यम से अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने और किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराने पर बल दिया गया।

लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत सड़क निर्माण, मरम्मत और चौड़ीकरण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए मंत्री ने सभी परियोजनाओं को निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन की समीक्षा में प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को प्राथमिकता से पूरा करने पर जोर दिया गया। विद्युत विभाग को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्तावों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उद्योग विभाग की समीक्षा के दौरान निवेश समझौतों को धरातल पर उतारने, निवेश परियोजनाओं को गति देने तथा रोजगार सृजन को बढ़ावा देने पर बल दिया गया।

शिक्षा विभाग की समीक्षा में स्कूल चलो अभियान, शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत प्रवेश प्रक्रिया तथा विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विकास की प्रगति पर चर्चा हुई। प्रभारी मंत्री ने गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पशुपालन विभाग को गौशालाओं के बेहतर संचालन, निराश्रित गोवंश संरक्षण और डॉग शेल्टर की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने को कहा गया। वहीं वन विभाग को वृक्षारोपण और पौध संरक्षण कार्यक्रमों को जनआंदोलन का स्वरूप देने के निर्देश दिए गए।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, जिला पूर्ति विभाग, पर्यटन विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं की भी समीक्षा की गई। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करते हुए पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करें। बैठक के अंत में कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने पुलिस अधिकारियों को जनपद में शांति, सुरक्षा और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने, महिला सुरक्षा को और मजबूत करने तथा नागरिकों में सुरक्षा की भावना बढ़ाने के निर्देश दिए।

पीएम स्वनिधि योजना से छोटे कारोबारियों को मिला संबल, जेवर में स्वनिधि महोत्सव एवं ऋण वितरण शिविर आयोजित

जेवर (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के अंतर्गत नगर पंचायत जेवर में स्वनिधि महोत्सव एवं ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं, ठेला संचालकों तथा छोटे व्यापारियों को बिना गारंटी के आसान ऋण उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और उनके व्यवसाय को मजबूत करना था। शिविर के दौरान लाभार्थियों को पीएम स्वनिधि योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही प्राप्त आवेदनों एवं आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कर पात्र लाभार्थियों की ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी कराई गई। योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय चरण में 15 हजार रुपये से 50 हजार रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। समय पर ऋण चुकाने वाले लाभार्थियों को ब्याज सब्सिडी और कैशबैक जैसी अतिरिक्त सुविधाओं का लाभ भी दिया जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पंचायत जेवर के अध्यक्ष नारायण माहेश्वरी

ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना छोटे व्यापारियों और स्ट्रीट वेंडर्स के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह योजना न केवल उनके व्यवसाय को बढ़ावा दे रही है, बल्कि उनके जीवन स्तर में सुधार लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने पात्र लाभार्थियों से योजना का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) की ओर से सामुदायिक संगठक प्रबंधक शीला कुमारी, रवींद्र तथा आकाश ने लाभार्थियों को योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई और आवेदन प्रक्रिया में सहयोग प्रदान किया। स्वनिधि महोत्सव के माध्यम से बड़ी संख्या में रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं और छोटे व्यापारियों को योजना से जोड़ने का प्रयास किया गया, जिससे उन्हें वित्तीय सहायता प्राप्त हो सके और वे अपने कारोबार को और अधिक सुदृढ़ बना सकें। कार्यक्रम में नगर पंचायत जेवर के अधिशासी अधिकारी वीरज कुमार त्रिपाठी, पंजाब एंड सिंध बैंक तथा यूनियन बैंक जेवर के शाखा प्रबंधक सहित नगर पंचायत के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। स्वनिधि महोत्सव के माध्यम से सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना को जमीनी स्तर तक पहुंचाने और छोटे कारोबारियों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया, जिससे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और मजबूती मिलेगी।

हवाई चप्पल पहनकर हवाई यात्रा करने वाले किसान जफर खां का हुआ भव्य स्वागत

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पहली उड़ान के माध्यम से लखनऊ पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करने वाले किसान जफर खां का शुक्रवार को पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन कॉलोनी में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर कॉलोनी में शोभायात्रा निकाली गई तथा फूलों और नोटों की मालाएं पहनाकर उनका सम्मान किया गया। स्वागत समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों और किसानों ने भाग लिया। बताया जाता है कि गांव शरीख खां की भूमि जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण के लिए अधिग्रहित की गई थी। 15 जून को जेवर हवाई अड्डे से पहली उड़ान लखनऊ के लिए रवाना हुई थी, जिसमें विधायक धीरेन्द्र सिंह के साथ 172 किसान भी शामिल थे। किसानों ने लखनऊ पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और क्षेत्र के विकास को लेकर अपने विचार साझा किए। इस यात्रा के दौरान शरीख खां निवासी किसान जफर खां हवाई चप्पल पहनकर हवाई जहाज में सफर करने को लेकर विशेष चर्चा का विषय बन

गए थे। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त की थी, जिसका वीडियो सामाजिक माध्यमों पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ। एक साधारण किसान के हवाई यात्रा के अनुभव ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उन्हें बधाइयां मिलने लगीं।

शुक्रवार को आयोजित स्वागत समारोह में जफर खां का फूलों एवं नोटों की मालाओं से सम्मान किया गया। उनके सम्मान में कॉलोनी के विभिन्न मार्गों पर शोभायात्रा भी निकाली गई। इस दौरान लोगों ने उत्साह के साथ उनका स्वागत किया और उनके अनुभवों को सुना।

जफर खां ने कहा कि पहले उनके गांव की जमीन लगभग तीन लाख रुपये प्रति बीघा के हिसाब से बिकती थी, लेकिन हवाई अड्डा परियोजना के लिए उन्हें 21 लाख रुपये प्रति बीघा का मुआवजा प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि मुआवजे की राशि से उन्होंने अन्य स्थानों पर कई बीघा कृषि भूमि खरीदी है, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार और विधायक धीरेन्द्र सिंह की सराहना करते हुए कहा कि जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा क्षेत्र के विकास और किसानों की समृद्धि का आधार बन रहा है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों पर संतोष व्यक्त किया और जफर खां को शुभकामनाएं दीं।

सत्यनारायण इंटर कॉलेज में शिक्षक प्रत्याशी श्रीचंद शर्मा का अभिनंदन

शामली (शिखर समाचार)। सत्यनारायण इंटर कॉलेज में शुक्रवार को सहारनपुर-मेरठ मंडल के शिक्षक प्रत्याशी श्रीचंद शर्मा का स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में कॉलेज के संरक्षक ब्रजभूषण संगल, अध्यक्ष सुशील कुमार गर्ग, प्रबंधक राजीव संगल, प्रधानाचार्य अनिल कुमार शर्मा तथा अरविंद कुमार गर्ग ने माल्यार्पण कर श्रीचंद शर्मा का स्वागत किया। अपने संबोधन में श्रीचंद शर्मा ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के भविष्य का निमार्ता होता है। देश को श्रेष्ठ नागरिक देने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र के शिक्षक सदैव शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहे हैं और सत्यनारायण इंटर कॉलेज से उन्हें हमेशा सहयोग एवं स्नेह प्राप्त होता रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए वह निरंतर प्रयास कर रहे हैं। कई समस्याओं का समाधान शासन स्तर पर कराया जा चुका है और भविष्य में भी शिक्षक बिना किसी संकोच के अपनी समस्याएं उनके समक्ष रख सकते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि शिक्षकों के हितों की रक्षा तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए वह सदैव तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम में सतीश आत्रेय, घनश्याम सारस्वत, अनिल कुमार कश्यप, फूल कुमार, मोहित मित्तल, अरविंद कुमार, हरीश नामदेव और लोकेश वर्मा सहित अनेक शिक्षक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डिजिटल संचार को नई दिशा: सूचना विभाग ने शुरू किया आधिकारिक यूट्यूब चैनल सूचना प्रवाह

लखनऊ/गौतमबुद्धनगर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने डिजिटल संचार को और अधिक प्रभावी तथा सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल सूचना प्रवाह का शुभारंभ किया है। लोक भवन, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में चैनल का शुभारंभ सूचना निदेशक विशाल सिंह एवं अपर सूचना निदेशक अरविंद कुमार मिश्र ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर फिल्म निमार्ता अभय कुमार श्रीवास्तव, फिल्म निर्माण प्रबंधक संदीप पांडेय सहित सूचना विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विभाग की डिजिटल संचार रणनीति और आमजन तक सरकारी सूचनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की योजना पर भी चर्चा की गई।

सूचना प्रवाह उत्तर प्रदेश सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का आधिकारिक डिजिटल मंच है। इसके माध्यम से प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं, महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों, उपलब्धियों तथा जनहित से जुड़े कार्यक्रमों की प्रमाणिक और तथ्यपरक जानकारी आम जनता तक पहुंचाई जाएगी। इसके अलावा विभाग द्वारा निर्मित वत्तचित्र, विशेष रिपोर्ट, प्रेरणादायी वीडियो, सरकारी अभियान तथा महत्वपूर्ण आयोजनों का नियमित प्रसारण भी इस मंच पर किया जाएगा। सूचना निदेशक विशाल सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल मीडिया जनसंचार का सबसे प्रभावशाली माध्यम बन चुका है। ऐसे में सूचना प्रवाह सरकार और जनता के बीच संवाद का एक मजबूत सेतु साबित होगा। उन्होंने कहा कि चैनल के माध्यम से नागरिकों को सरकार की योजनाओं, नीतियों और विकास कार्यों की विश्वसनीय जानकारी सरल, सहज और आकर्षक रूप में उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे पारदर्शिता और जनभागीदारी को बढ़ावा मिलेगा। अपर सूचना निदेशक अरविंद कुमार मिश्र ने कहा कि विभाग आधुनिक तकनीकों को अपनाते हुए जनसंचार के नए आयाम स्थापित कर रहा है। 'सूचना प्रवाह' के माध्यम से प्रदेश की विकास यात्रा, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और शासन की उपलब्धियों को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाया जाएगा। इससे नागरिकों को सरकारी योजनाओं की सही, प्रमाणिक और समयबद्ध जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म आज सूचना प्रसार का सबसे तेज माध्यम बन चुके हैं और ऐसे में यह पहल शासन और आमजन के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विभाग का उद्देश्य है कि प्रत्येक नागरिक तक सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंचे, ताकि अधिक से अधिक लोग इनका लाभ उठा सकें।

सूचना प्रवाह यूट्यूब चैनल प्रदेश सरकार की उपलब्धियों, विकास कार्यों और जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं के प्रसार का एक प्रभावी मंच बनेगा। साथ ही यह आमजन और शासन के बीच संवाद को मजबूत करते हुए पारदर्शी एवं उत्तरदायी प्रशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

पीएम सूर्य घर योजना पर गोष्ठी आयोजित, सौर ऊर्जा अपनाने का किया आह्वान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भारत सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास भवन परिसर में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना विषय पर विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रदर्शनी और स्टॉल भी लगाए गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक अजीत पाल त्यागी तथा भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल उपस्थित रहे। इसके अलावा परियोजना निदेशक डीआरडीए, अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम), नेडा के अधिकारी, विभिन्न विभागों के कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ नेडा के परियोजना अधिकारी द्वारा अतिथियों के स्वागत के साथ किया गया। उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि योजना के तहत उपभोक्ताओं को सौर रूफटॉप संयंत्र स्थापित करने पर अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे बिजली बिल में कमी आने के साथ स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को भी बढ़ावा मिलेगा।

अग्रणी जिला प्रबंधक ने योजना के अंतर्गत उपलब्ध बैंक ऋण सुविधाओं की जानकारी देते हुए बताया कि पात्र लाभार्थी सरल प्रक्रिया के माध्यम से ऋण प्राप्त कर योजना का लाभ उठा सकते हैं।

गोष्ठी में सौर ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न एजेंसियों ने भी भाग लिया। दिव्या पावर, धरती सोलर, केएसएन सोलर, वीवोल्ट और ओन नेटवर्क सहित अन्य संस्थाओं ने अपने स्टॉल लगाकर नागरिकों को सौर संयंत्रों की तकनीक, स्थापना प्रक्रिया और योजना के लाभों की जानकारी दी। बड़ी संख्या में लोगों ने स्टॉलों का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की।

अपने संबोधन में विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और उत्तर प्रदेश विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने वाली योजनाएं देश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं तथा आम लोगों के बिजली खर्च को कम कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में विद्युत व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए नए उपकेंद्रों, ट्रांसफार्मरों और आधुनिक तकनीकों का विस्तार किया गया है। साथ ही कानून-व्यवस्था में सुधार और औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलने से रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देने के लिए भी सरकार प्रभावी नीतियों पर कार्य कर रही है, जिससे प्रदूषण में कमी आएगी और हरित परिवहन को बढ़ावा मिलेगा।

विधायक ने कहा कि सरकार का उद्देश्य विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने नागरिकों से पीएम सूर्य घर योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में परियोजना निदेशक डीआरडीए ने सभी अतिथियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, एजेंसियों और उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही गोष्ठी का समापन हुआ।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन के जिला अध्यक्ष बने गोपाल सिंह, कार्यकताओं ने किया जोरदार स्वागत

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर विधानसभा क्षेत्र के गांव दुबली निवासी गोपाल सिंह को भीम आर्मी भारत एकता मिशन का जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने उनका फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। उनके मनोनयन की सूचना मिलते ही संगठन के पदाधिकारियों और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई तथा स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भीम आर्मी भारत एकता मिशन के पूर्व जिला उपाध्यक्ष बबीत प्रधान ने बताया कि संगठन के विस्तार और उसे अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से गोपाल सिंह को जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि गोपाल सिंह लंबे समय से सामाजिक कार्यों और संगठन की गतिविधियों से जुड़े रहे हैं, जिसके चलते उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व दिया गया है। स्वागत कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर गोपाल सिंह का अभिनंदन किया और उनके नेतृत्व में संगठन को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई। इस अवसर पर क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं, सामाजिक मुद्दों तथा संगठन के विस्तार को लेकर करीब चार घंटे तक विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में गांव गांव तक संगठन को मजबूत करने, समाज के वंचित वर्गों की आवाज बुलंद करने तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने पर विचार विमर्श किया गया। गोपाल सिंह ने सभी कार्यकताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह संगठन की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्व का पूरी ईमानदारी से निर्वहन किया जाएगा तथा क्षेत्र की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा। कार्यक्रम में हरी किशन, संजीव शर्मा, सुनील, नरेंद्र, सूरज, आशु, मनिंद्र सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप, अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना पिलखुवा क्षेत्र में एक नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म कर उसका अश्लील वीडियो बनाने और सोशल मीडिया पर वायरल करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता की मां ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि गांव का ही एक युवक उनकी 14 वर्षीय बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। आरोप है कि युवक ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और घटना का अश्लील वीडियो भी बना लिया। परिजनों का कहना है कि विरोध करने पर आरोपी ने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिससे परिवार को भारी मानसिक आघात और सामाजिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी निरीक्षक अतुल चौहान ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सड़क हादसों पर सख्ती: ब्लैक स्पॉट सुधारने और क्षतिग्रस्त मार्गो की मरम्मत के निर्देश

शामली (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को निर्देश दिए कि जनपद में दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर वहां तत्काल सुधारात्मक कार्य कराए जाएं, ताकि सड़क हादसों में कमी लाई जा सके। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी संबंधित विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें। जिलाधिकारी ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध निर्धारित मानकों के अनुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कराने के लिए प्रवर्तन अभियान लगातार चलाए जाएं तथा लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया जाए। बैठक में शामली-अंबाला तथा दिल्ली-देहरादून मार्ग पर मिट्टी ढुलाई के कारण क्षतिग्रस्त हुए संपर्क मार्गों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। इस दौरान लोक निर्माण विभाग और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत आने वाली सड़कों को हुए नुकसान पर चिंता व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने एनएचएआई को तत्काल मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त मार्गों के कारण ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है, जिसे प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। इसके अलावा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि रात्रि के समय पर्याप्त रोशनी उपलब्ध होने से सड़क दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी और यातायात व्यवस्था भी सुचारु बनी रहेगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग राजकुमार, एआरटीओ (यातायात) तथा विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में हंगामे के मामले में पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित कोतवाली के सामने एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित भाजपा के विकसित भारत संकल्प सम्मेलन के दौरान हुए हंगामे के मामले में पुलिस ने पांच लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, 16 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा विकसित भारत संकल्प सम्मेलन का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया, जिला अध्यक्ष चैनपाल सिंह तथा विधायक डॉ. मंजू सिवाच मौजूद थीं। इसी दौरान कुछ महिलाओं ने क्षेत्रीय अध्यक्ष के समक्ष विरोध प्रदर्शन और हंगामा शुरू कर दिया। महिलाओं की मांग थी कि भाजपा के जिला उपाध्यक्ष नितिन मित्तल को पार्टी से निष्कासित किया जाए। उनका आरोप था कि नितिन मित्तल पर एक महिला के साथ अभद्रता करने का आरोप है और इस संबंध में उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज है। हंगामा बढ़ने पर क्षेत्रीय अध्यक्ष कार्यक्रम स्थल से चले गए थे। अब इस मामले में भाजपा के जिला मंत्री मनीष डागर की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सम्मेलन के दौरान मोदीनगर निवासी प्रशांत त्यागी ने पिस्टल के बल पर उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि शिकायत के आधार पर प्रशांत त्यागी सहित चार अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नेहरू कॉलोनी में मकान से लाखों के जेवरात चोरी, रिपोर्ट दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नेहरू कॉलोनी में एक मकान से लाखों रुपये के जेवरात चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नेहरू कॉलोनी निवासी निधि सिंघल ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह 1 जून को घर से बाहर गई थीं। 11 जून को वापस लौटने पर उन्होंने घर की अलमारी की जांच की तो उसका ताला टूटा हुआ मिला। अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात गायब थे। पीड़िता के अनुसार, 12 जून को चोरी हुए जेवरात के खाली डिब्बे कॉलोनी के निकट रेलवे लाइन के पास पड़े मिले, जिससे चोरी की घटना की पुष्टि हुई। इसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की।

संपादकीय

अयोध्या : विकास, आस्था और पारदर्शिता की कसौटी

अयोध्या एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है। एक ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रुदौली विधानसभा क्षेत्र में 378 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 126 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर विकास की नई रेखाएं खींची हैं, वहीं दूसरी ओर राम मंदिर से जुड़े चंदा और चढ़ावे के कथित विवाद ने देशभर का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। ऐसे समय में यह आवश्यक हो जाता है कि अयोध्या को केवल राजनीतिक बहसों का विषय न बनाया जाए, बल्कि उसे विकास, आस्था और सुशासन के संतुलित मॉडल के रूप में देखा जाए।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में स्पष्ट शब्दों में कहा कि राम मंदिर के लिए पांच सौ वर्षों तक संघर्ष हुआ है और किसी को भी अयोध्या की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी के पास चंदा या चढ़ावे में गड़बड़ी के संबंध में कोई प्रमाण है तो वह उसे विशेष जांच दल को सौंपे, सरकार निष्पक्ष जांच कराएगी और दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई होगी। यह वक्तव्य केवल राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं बल्कि उस संवेदनशीलता का प्रतीक है जो करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े विषयों के प्रति अपेक्षित है।

अयोध्या आज केवल एक धार्मिक नगरी नहीं रह गई है। पिछले कुछ वर्षों में यहां सड़क, पर्यटन, स्वास्थ्य, परिवहन, आवास, नदी तट विकास और नागरिक सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है। राज्य सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में भी अयोध्या के पर्यटन एवं आधारभूत ढांचे के विकास के लिए विशेष प्रावधान किए हैं। अयोध्या क्षेत्र के विकास के लिए अलग अलग योजनाओं के माध्यम से करोड़ों रुपये की धनराशि आवंटित की गई है, जिससे तीर्थ पर्यटन को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

रुदौली में आयोजित कार्यक्रम में राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय सहित अनेक परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास इस बात का संकेत है कि सरकार अयोध्या के विकास को केवल मंदिर तक सीमित नहीं रखना चाहती। स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किसी भी क्षेत्र के स्थायी विकास की पहचान होता है। यदि धार्मिक पर्यटन से उत्पन्न आर्थिक गतिविधियों को स्थानीय रोजगार, चिकित्सा सेवाओं और ग्रामीण विकास से जोड़ा जाए तो अयोध्या पूरे पूर्वांचल के लिए विकास का इंजन बन सकती है।

कार्यक्रम में वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा का अनावरण भी प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण है। भारतीय इतिहास के ऐसे वीर और वीरांगनाएं, जिन्हें लंबे समय तक अपेक्षित सम्मान नहीं मिला, उन्हें सार्वजनिक स्मृति में स्थान देना सामाजिक समरसता और ऐतिहासिक न्याय की दिशा में सकारात्मक कदम माना जा सकता है। विकास तभी सार्थक होता है जब उसमें सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना का समावेश भी हो। लेकिन विकास की इस कहानी के बीच उठे चंदा और चढ़ावे के विवाद को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लोकतंत्र में किसी भी संस्था, चाहे वह धार्मिक हो, सामाजिक हो या सरकारी, उससे पारदर्शिता की अपेक्षा स्वाभाविक है। आस्था जितनी बड़ी होती है, जवाबदेही की आवश्यकता भी उतनी ही बढ़ जाती है। इसलिए यदि किसी प्रकार के आरोप सामने आते हैं तो उनकी निष्पक्ष और समयबद्ध जांच होना आवश्यक है। इससे न केवल सच्चाई सामने आएगी बल्कि अफवाहों और अनावश्यक राजनीतिक विवादों पर भी विराम लगेगा। मुख्यमंत्री द्वारा विशेष जांच दल को प्रमाण उपलब्ध कराने की खुली अपील इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश है।

~ मौलिक चिंतन ~

परिस्थिति के अनुरूप मन:स्थिति बदलने का हुनर आ जाए, तो हर दु:ख सुख में बदल जाए।

© विनय संकोची

अमेरिका-ईरान युद्ध: 7500 मौत, 162 लाख करोड़ का नुकसान फिर शांति विराम

सनत जैन

मान्यता है इतिहास से सबक लिया जाता है। जो इतिहास से सबक लेते हैं, वे भविष्य में वह गलतियां नहीं करते हैं जो उनके पूर्वज कर चुके होते हैं। पर इतिहास से कोई सबक सीखता नहीं है, सभी को लगता है कि उनके पूर्वजों ने जो गलती की थी वह उनसे नहीं होगी। वह उनसे ज्यादा ताकतवर और समझदार हैं। इसलिए वह इतिहास की उन्हीं गलतियों को दोहराता है और एक बार फिर विनाश की ओर आगे बढ़ता है। विनाश के बाद विकास होने की गतिशीलता ही जन्म, मृत्यु और ब्रह्मांड को हमेशा क्रियाशील रखती है। यही कहा जा सकता है। हाल ही में अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया। अमेरिका और इजराइल यह मानकर चल रहे थे कि एक सप्ताह के अंदर इजराइल की सत्ता को पलट देंगे। वहां पर उनकी मर्जी से नया राज कायम हो जाएगा। ईरान, अमेरिका और इजराइल की मनमर्जी से चलेगा। उन्होंने ईरान के सुप्रीमो आयतुल्लाह खामेनेई और उनके बड़े-बड़े नेताओं की हमले में हत्या कर दी। एक स्कूल में हमला कर 165 से ज्यादा मासूम बच्चियों की हत्या कर दी। इसके कारण जो ईरान आंतरिक असंतोष झेल रहा था, सुप्रीमो खामेनेई और बच्चियों की हत्या के बाद ईरान एकजुट हो गया और उसने अमेरिका और इजराइल से पिछले 47 वर्षों में उसके साथ जो अत्याचार हुए थे इसका बदला लेने के लिए डू एंड डाई की स्थिति में आ गए।

अमेरिका और इजराइल की दादागिरी को उन्होंने अपनी इच्छाशक्ति और अपने जीवन को बचाने के लिए जिस तरह की लड़ाई लड़ी है उससे सारी दुनिया हैरान है। अमेरिका, ईरान युद्ध में अभी तक 7500 से ज्यादा मोतें हो चुकी हैं। 110 दिन चले इस युद्ध में जमीन पर फौज ने लड़ाई नहीं लड़ी है। सारी लड़ाई ड्रोन और मिसाइल के माध्यम से लड़ी गई। इसमें लगभग 162 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। पिछले कई दशकों में जो विकास हुआ था वह सब विनाश में तब्दील हो गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो अपने आपको सुपर हीरो मानकर चल रहे थे इस 110 दिन की लड़ाई में उनके हाथ कुछ नहीं लगा। इससे जो उनकी अजेय होने साख बनी हुई थी वह समाप्त हो गई। इजराइल को जो नुकसान हुआ है, उसकी कल्पना कभी उसने नहीं की थी। गाजा में जिस तरह से महिलाओं और बच्चों को बुरी तरह से मारा गया था, ऐसा नरसंहार दुनिया के लोगों ने पहले कभी नहीं देखा था। लगता है ईश्वर ने उनके अहंकार और स्वयं को ईश्वर मानने की जो गलती की थी उसका दंड दिया है।

इस युद्ध में वैसे तो भारत का कोई लेना-देना नहीं था लेकिन जिस तरह से भारत ने अमेरिका और इजराइल का समर्थन किया है। गाजा के मामले में चुप्पी साधे रखी। इजराइल को भारत के प्रधानमंत्री ने अपना फादर लैंड बता दिया। इसकी कीमत भारत को भी चुकानी पड़ रही है। भारत ने जहां ईरान जैसे पड़ोसी देश जो हर सुख-दुख में भारत के साथ होता था उसको खो दिया है। भारत की जनता को भी इस युद्ध का नुकसान उठाना पड़ रहा है। युद्ध कोई भी हो यह सिवाय विनाश के कुछ नहीं देता है। भारत में भी महाभारत युद्ध का एक इतिहास है। भगवान कृष्ण के होते हुए वह कौरवों से पांडवों को पांच गांव नहीं दिला पाए थे। युद्ध हुआ ना कौरव के हाथ कुछ लगा ना पांडवों के हाथ कुछ लगा। विनाश इतना बड़ा हुआ जिसका उल्लेख धर्म शास्त्रों में होने के बाद भी भारत पहली बार इस युद्ध में अमेरिका और इजराइल के साथ खड़ा रहकर एक तरह से पाप का भागी बन गया है। इसकी कीमत भारत की जनता को भी चुकानी पड़ रही है। बहरहाल जो भी घटनाएं होती हैं, उनसे सबक लिया जा सकता है। अभी भी यूक्रेन और रूस के बीच में रोजाना हमले हो रहे हैं। भारी तबाही हो रही है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के इस युद्ध से यदि रूस और यूक्रेन कोई सबक ले लें और शांति विराम की पहल करें तो यह बहुत अच्छा कदम होगा। दुनिया के सभी देशों को इस युद्ध से सबक लेने की जरूरत है। यही कहा जा सकता है।

निर्णय लेने में ज्यादातर फिसड्डी क्यो रहती है कांग्रेस!

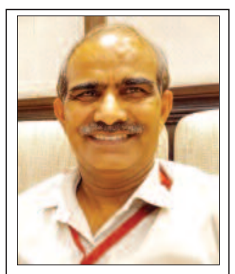

डॉ श्रीगोपाल नारसन

उत्तराखंड कांग्रेस में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर कार्यकताओं का इंतजार लगातार बढ़ता जा रहा है। कई बार जल्द घोषणा के संकेत मिलने के बावजूद अब तक हाईकमान की अंतिम मंजूरी नहीं मिल सकी है। वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल पुरानी टीम के साथ संगठन का काम चला कर रहे हैं।

प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने देहरादून पहुंचने पर स्पष्ट किया था कि राहुल गांधी के उत्तराखंड दौरे के बाद नई पीसीसी कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी।लेकिन राहुल गांधी का उत्तराखंड दौरा खराब मौसम के चलते रद्द हो गया ,हालांकि उन्होंने वर्चुअल सम्बोधन कर कार्यकर्ताओ का मनोबल बढ़ाने की कोशिश की।प्रदेश प्रभारी शैलजा ने कहा कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरी तरह जुटी हुई है और संगठन को मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

कांग्रेस हाईकमान प्रदेश संगठन की छोटी और प्रभावी टीम बनाकर नेताओं की जिम्मेदारियां तय करना चाहता है। हालांकि, वरिष्ठ नेताओं द्वारा अपने समर्थकों के नामों की लंबी सूची भेजे जाने के कारण कार्यकारिणी के गठन पर अंतिम फैसला अभी तक नहीं हो पाया है।कुमारी सैलजा ने कहा कि राहुल गांधी का वर्चुअल भाषण कांग्रेस कार्यकताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार कर गया है। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में लगातार हार के बाद कांग्रेस को उम्मीद है कि राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्रियता से संगठन को मजबूती मिलेगी।प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को आमंत्रित तो किया जा रहा है, लेकिन व्यवस्थाओं के मामले में सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने दावा किया कि जनता इस बार सरकार को जवाब देगी। प्रदेश नेतृत्व का मानना है कि राहुल के उदबोधन से संगठन को नई दिशा मिली है और 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी को मजबूती प्राप्त हुई।लेकिन सवाल यह उठता है कि कांग्रेस समय से क्यो नही अपने निर्णय ले पाती।चाहे चुनाव में टिकट देने का मामला हो या फिर कार्यकारिणी गठन का मुद्दा कांग्रेस निर्णय लेने में ज्यादातर देरी ही करती है।साथ ही जमीन से जुड़े निष्ठावान कार्यकर्ताओ के बजाए अवसरवादी आगे आकर कांग्रेस के चुनाव परिणामों को गुड़ गोबर कर देते है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के सामने कांग्रेस की मौजूद चुनोतियाँ साफ दिखती है, गुटों में बंटी कांग्रेस इकाई का नेतृत्व करना, वह भी 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले बेहद कठिन कहा जा सकता है।वह भी तब जब कांग्रेस पार्टी सन 2017 और सन 2022 के दो विधानसभा चुनाव हार चुकी हो, साथ ही राज्य की लगातार तीन लोकसभा चुनावों में भी एक भी सीट कांग्रेस नहीं जीत पाई है,जो पार्टी की कमजोर हालत को प्रमाणित करता है।दो बार के विधायक गणेश गोदियाल, जिन्हें कभी हरीश रावत का करीबी माना जाता था,का पुनः पदारूढ़ होने से उम्मीद है कि वे हरीश रावत को अपने से भी आगे करके चलेंगे। 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले वह राज्य में कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके है, लेकिन उनके चुनाव हारने के बाद उनकी जगह करन माहरा को दे दी गई,परन्तु कांग्रेस कोई चमत्कार नही कर पाई।

हरीश रावत ने स्वयं को पीछे करते हुए सार्वजनिक रूप से सुझाव दिया था कि अगला विधानसभा चुनाव कांग्रेस को प्रीतम सिंह (जो पांच बार के विधायक हैं) के नेतृत्व में लड़ना चाहिए। उनका यह बयान पार्टी में एकता का पहला कदम कहा जा सकता है।जब कांग्रेस उत्तराखंड में सत्ता में थी, तब भी हरीश रावत लगातार संघर्षों में फंसे रहे, पहले एन.डी. तिवारी को उनका हक दे दिया गया,जिससे टकराव की स्तिथि बनी रही और बाद में मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा को बनाकर फिर से हरीश रावत को किनारे करने की कोशिश की गई।लेकिन प्राकृतिक आपदा में विजय बहुगुणा के फेल हो जाने के कारण उनकी जगह सन 2014 में हरीश रावत को मुख्यमंत्री पद पर रिप्लेस किया गया।यह बदलाव उस समय आया जब विजय बहुगुणा पर जून 2013 की केदारनाथ आपदा से निपटने को लेकर भारी आलोचना हो रही थी क्योंकि आपदा के समय विजय उत्तराखंड के बजाए दिल्ली में डेरा डाले हुए थे।

पिछले दिनों करन माहरा को सीडब्ल्यूसी और प्रीतम सिंह को सीईसी में शामिल किया जाना, कांग्रेस हाईकमान द्वारा राज्य में प्रतिस्पर्धी गुटों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है, इसे हरीश रावत को उनकी नाखुशी के बावजूद केंद्रीय नेतृत्व से जोड़कर रखने की रणनीति भी माना जा रहा है।अपनी बढ़ती उम्र में भी बेहद सक्रिय कांग्रेस के शीर्ष नेता हरीश रावत के पास वर्तमान में कोई ठोस दायित्व नही है,फिर भी वे राज्य के सर्वाधिक सक्रिय नेता कहे जा सकते है।ऐसे में उनकी अनदेखी करके कांग्रेस कोई भी चुनाव फिलहाल नही लड़ सकती और यदि ऐसा हुआ तो फिर से कांग्रेस की लुटिया डूबने में देर नही लगेगी।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा भी है कि वे पार्टी के लिए बूथ अध्यक्ष तक बनने को तैयार है। कांग्रेस ही नही अन्य राजनीतिक दलों को भी उत्तराखंड के इस सर्वमान्य नेता का सम्मान करना चाहिए।

(लेखक राजनीतिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

दलीय टूट-फूट के सवालों से मुठभेड़ जरूरी

उमेश चतुर्वेदी

निश्चित तौर पर राजनीतिक दलों के गठन की बुनियाद उनका राजनैतिक और सामाजिक विचार और सिद्धांत होता है। इसके बावजूद लगातार महंगी होती चुनाव प्रक्रिया ने विचारधारा की राजनीति को पीछे खिसका दिया है। विचारधारा की दुहाई तभी तक दी जाती है, जब तक उसकी राह में धन बल या बाहुबल नहीं आता, जब तक कि सत्ता उससे दूर रहती है।

डॉक्टर लोहिया ने कहा तो था समाजवादियों से, लेकिन लगता है कि उनकी बात आज के विपक्षी दलों ने ज्यादा शिद्दत से मान ली है। लोहिया ने कहा था, सुधरो या टूट जाओ। लोहिया की इस अपील को उनके समाजवादी चेलों ने तो माना ही, अब गैर समाजवादी अनुयायी भी स्वीकार कर चुके हैं। चार मई को पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद सबसे बड़ी टूट उस ममता की पार्टी में हुई, जिन्हें राजनीतिक मैदान का योद्धा माना जाता था। जो झुकना नहीं जानतीं। पहले उनके 80 में से 53 विधायक टूट गए और विधानसभा में उन्होंने अपना अलग गुट बना लिया। इसके बाद लोकसभा के उनके 29 में से बीस सांसद भी टूट गए। दिलचस्प यह है कि उन्होंने एक अनाम-सी पार्टी नेशनल सिटिजन्स पार्टी में अपना विलय कर लिया। ममता की राह पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना के भी सांसद चल पड़े हैं और हो सकता है कि इन पंक्तियों के प्रकाशित होने तक उनके नौ में से छह लोकसभा सांसद पाला बदलकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के धनुष पर तीर चढ़ा रहे होंगे। सुगबुगाहट तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कषगम्‍ के संसदीय दल में भी टूट-फूट की दिख रही है। इस बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव की अगुआई वाली समाजवादी पार्टी में भी टूट की भविष्यवाणी जता दी है।

भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई बात नहीं है। अतीत में भी दल-बदल होते रहे हैं। हरियाणा में तो तकरीबन पूरा विधायक दल ही दूसरे दल में समा गया था। उसी के बाद से दलबदल के लिए भारतीय राजनीति में ह्यआयाराम गयारामह्ण का मुहावरा ही चल पड़ा था। लेकिन पश्चिम बंगाल के चुनावों के बाद जिस तरह दल-बदल या दलों में टूटफूट हो रहा है, वह अप्रत्याशित है। इतने बड़े पैमाने पर राजनीतिक दलों में भगदड़ पहले नहीं हुई थी। पहले किसी एक या दो दल में ऐसा होता था। ऐसा लग रहा है कि जैसे बीजेपी विरोधी दलों को दल-बदल या टूट-फूट वाली छूत की बीमारी लग गई है। इस प्रभावित दल इस टूट-फूट के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका आरोप है कि बीजेपी टूटने वाले नेताओं को मोटी रकम का लालच दे रही है। उनका यह भी आरोप है कि संवैधानिक सुधारों के लिए चूंकि बीजेपी को संसद के दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत की जरूरत है, इसलिए वह धन और बाहुबल का लालच देकर दलों को तोड़ रही है।

एक बारगी मान भी लें कि बीजेपी की शह पर ये टूट-फूट हो रही है तो एक प्रश्न जरूर उठता है कि आखिर राजनीतिक दलों ने कैसे नेताओं को अपना सांसद या विधायक बनाने के लिए चुना है? क्या उनके चयन में कोई गलती रही? सवाल यह भी उठता है कि जो टूट रहे हैं, क्या सांसद या विधायक बनाने को लेकर जब उनका चयन किया जा रहा था, तो उनकी कौन की खासियत देखी गई थी? क्या दल के प्रति न उनकी निष्ठा, उनके चरित्र आदि का ध्यान नहीं रखा गया। सवाल यह भी उठता है कि क्या बाहुबल या धन बल ही उनके चयन की बड़ी योग्यता मानी गई। इन सवालों का ईमानदारी से जवाब प्रभावित दल भले ही नहीं दे, लेकिन यह छुपी हुई बात नहीं है कि भारतीय राजनीति में संसद या विधानसभा में नुमाइंदगी के लिए दलीय निष्ठा की बजाय दूसरे कारकों का ज्यादा ध्यान रखा जा रहा है। इसमें चुनाव जीतने की क्षमता, चुनाव में खर्च करने की सामर्थ्य और जरूरत बड़ने पर पार्टी के लिए धन और बाहुबल के साथ खड़ा होने की शक्ति भी देखी जाती है। कई बार तो सिर्फ पैसे के दम पर ही टिकट हासिल कर लिए जाते हैं। यही वजह है कि मौका मिलते ही ये नेता अपनी निष्ठा बदलने में देर नहीं लगाते।

निश्चित तौर पर राजनीतिक दलों के गठन की बुनियाद उनका राजनैतिक और सामाजिक विचार और सिद्धांत होता है। इसके बावजूद लगातार महंगी होती चुनाव प्रक्रिया ने विचारधारा की राजनीति को पीछे खिसका दिया है। विचारधारा की दुहाई तभी तक दी जाती है, जब तक उसकी राह में धन बल या बाहुबल नहीं आता, जब तक कि सत्ता उससे दूर रहती है। अगर विचारधारा से विचलन के बाद सत्ता आती दिखती है तो राजनीतिक दल और नेता भी अपनी उस विचारधारा को कुछ वक्त के लिए ताक पर रख देते हैं। सिद्धांत और निष्ठाएं भी तब तक के लिए टाल दी जाती हैं। जब दलीय आधार पर ऐसा होता है तो निजी स्तर पर किसी सांसद और विधायक को आर्थिक या सत्ता में भागीदारी का मौका मिलेगा तो वह क्यों न टूटेगा। सवाल यह है कि जब दल और उसका अगुआ ही अपनी निष्ठा और विचारधारा को सत्ता के लिए किनारे रख देगा तो मौका मिलने पर उसका सांसद और विधायक ऐसा क्यों नहीं कर सकता। उद्धव ठाकरे के संसदीय दल में बिखराव की बड़ी वजह सत्ता के लिए पार्टी के सिद्धांतों से समझौता और कांग्रेस का साथ लेना रहा है।

टूट रहे सांसदों को लेकर आरोप लगाने वाले दलों को भी सोचना होगा कि आखिर उन्होंने किस तरह के लोगों को चुना? सवाल यह है कि जब पैसे लेकर टिकट दिए जाएंगे, जब दल और विचारधारा की निष्ठा के बजाय चुनावी टिकट हासिल करने के अन्य कारण होंगे तो फिर इस प्रक्रिया से चुनकरआए सांसदों और विधायकों की ख?ीद-बिक्री पर सवाल कैसे उठाए जा सकते हैं? कैसे उन्हें दलीय निष्ठा के प्रति बांधे रखा जा सकता है।

दलीय टूट-फूट का अभी कोई बड़ा नुकसान भले ही नहीं दिख रहा हो, लेकिन आने वाले दिनों में इसका एक बड़ा हश्र लोक विश्वास के दरकने के रूप में दिख सकता है। आज का मतदाता बहुविध सूचनाओं के तमाम स्त्रोतों से लैस है। उसकी राजनीतिक समझ पहले के मीडिया क्रांति केदौर के पहले के मतदाताओं की तुलना में कहीं ज्यादा विकसित है। उसका सामान्य ज्ञान कमजोर भले ही हो सकता है, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और उसमें आ रहे निष्ठागत बदलावों की पृष्ठभूमि को वह समझ रहा है। ऐसे में उसका भरोसा मौजूदा राजनीतिक तंत्र से चूक सकता है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया से उसका भरोसा टूटना लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकता है। दल बदलने वाले अपने प्रतिनिधि के बारे में वह सवाल उठा सकता है कि उसने जिस सोच के साथ उसे वोट दिया, उसका प्रतिनिधि उस सोच के साथ गद्दारी कर रहा है। कई बार स्थानीय कारणों के साथ ही अपनी वैचारिक निष्ठा के चलते भी अपना मत देता है। हो सकता है कि राष्ट्रीय स्तर पर किसी दल विशेष को बड़ा समर्थन मिला हो, लेकिन उसी दल विशेष के किसी स्थानीय प्रतिनिधि को स्थानीय निष्ठाओं, जरूरतों और कारकों के साथ ही वैचारिक कारणों से मतदाताओं का समर्थन नहीं मिलता। मान लेते हैं कि राष्ट्रीय या राज्य स्तर पर किसी दल विशेष को भारी समर्थन मिला है, लेकिन स्थानीय स्तर पर इसके ठीक उलट किसी अन्य दल या उसके प्रतिनिधि को समर्थन मिला है। इसका मतलब यह है कि राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन हासिल करने वाले दल के कार्यक्रमों और योजनाओं की बजाय स्थानीय योजनाओं को लेकर स्थानीय लोगों की अपनी अलग दृष्टि है, या अपनी अलग चाहत है। स्थानीय मतदाताओं का भरोसा उसे इसी वजह से मिला है। लेकिन उसका प्रतिनिधि अपनी निष्ठा बदल लेता है कि स्थानीय मतदाता खुद को आहत और ठगा हुआ महसूस कर सकता है। चूंकि इन दिनों दलीय टूट-फूट व्यापक स्तर पर हो रही है, इसलिए मतदाताओं में इसका व्यापक असर पड़ सकता है। इसके चलते मतदाता आहत महसूस कर स0कते हैं, विश्वासघात भी मान सकते हैं। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा कमजोर हो सकता है। मौजूदा राजनीतिक तंत्र को मतदाताओं के मनमिजाज को इस नजरिए से भी समझना होगा। भारतीय लोकतंत्र को भरोसेमंद बनाने की राह राजनीतिक दलों को ही खोजना होगा। क्योंकि लोहिया की टूटने की अपील के पीछे भी सुधार को खोजना था। लेकिन सवाल यह है कि क्या राजनीतिक दल संपूर्णता में इस सवाल से मुठभेड़ करने को तैयार हैं?

तब बाढ़ में भी नहीं डूबेंगे धान के पौधे!

तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। अब जापानी वैज्ञानिकों ने ऐसे जीनों का पता लगाया है जिनके जरिए चावल के पौधे का विकास इस तेजी से बढ़ाया जा सकता है कि वह पानी में डूबे ही नहीं।

भारत में चावल उगाने वाले किसान जहां बरसात के लिए तरसते हैं, वहीं उससे बहुत डरते भी हैं। उनके मन में कई सवाल होते हैं, क्या बरसात ठीक वक्त पर आएगी, ज़्यादा तेज और लंबी तो नहीं होगी, कितनी बार फसल बरसात की वजह से खराब हो जाती है और हज़ारों किसानों के लिए भारत में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और दूसरे एशियाई देशों में भी गुजारा करना मुश्किल हो जाता है।

अक्सर यह देखा गया है कि तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। खेतों मे बढ़ता हुआ जलस्तर चावल के पौधों के लिए सामान्?यत~ अच्छा ही रहता है, लेकिन यह ज़रूरी है कि पौधे के उपरी हिस्से हवा के संपर्क में बने रहें। हालांकि मानसूनी इलाकों में बरसात और बाढ की वजह से चावल के खेतों में पानी इतना ज्?यादा भर जाता है कि धान के पौधे बिल्कुल डूब जाते हैं तथा इससे वे सड़ने लगते हैं और मर भी जाते हैं।

गौरतलब है कि गहरे पानी में उगनेवाले चावल की प्रजाति को जलजमाव से कोई समस्या नहीं होती। पानी के साथ-साथ उसके तने वाले डंठल भी बढ़ते जाते हैं।

जापान के नागोया विश्वविद्यालय के मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं~

गहरे पानी में उगने वाले चावल के पौधे, पानी की गहराई से ऊपर बने रहने के लिए, एक मीटर तक बढ़ सकते हैं। वे हवा के संपर्क में बने रहने के लिए ऐसा करते है। वे अंदर से खोखले होते हैं, लेकिन उसके जरिए पौधा पानी की सतह से उपर पहुंच सकता है और ऑक्सीजन पा सकता है। यह कुछ ऐसा ही है कि जब आप गोताखोरी कर रहे होते हैं, तो पानी से ऊपर निकली एक नली से सांस लेते हैं।

बरसात के समय ऐसे चावल के तने 25 सेंटीमीटर प्रतिदिन की एक अनोखी गति से बढ़ सकते हैं। अशिकारी और उनकी टीम ने इस प्रक्रिया को समझने के लिए इस चावल के जीनों से यह समझने की कोशिश की कि चावल बरसात के वक्त अपने विकास को किस तरह नियंत्रित करता है। अध्ययनों से अब तक जितना पता चला है वह यह है कि एक गैसीय विकास-हॉर्मोन एथीलिन इसके लिए जिम्मेदार है, जैसाकि नीदरलैंड के उएतरेश्त विश्वविद्यालय के रेंस वोएसेनेक बताते हैं~

जब पौधा पूरी तरह पानी में डूब जाता है तब यह गैस ठीक तरह से मुक्त नहीं हो पाती। यू कहें कि वह पौधे में ही कैद हो जाती है। यानी पौधे में एथिलिन की मत्रा बढ़ने लगती है। यह पौधे के लिए संकेत है कि वह पानी में डूब रहा है और उसे कुछ करना है।

जापानी विशेषज्ञों ने पता लगाने की कोशिश की कि कौन से जीन इस स्थिति में सक्रिय होते हैं। उन्होने ऐसे जीन पाए जिनको वे गोताखोरी में इस्तेमाल होनेवाली नली के अनुरूप स्नोर्कल जीन कहते हैं। ये जीन तभी सक्रिय होते हैं जब पौधे के तने में एथिलिन की मात्रा बढ़ने लगती है। वे पौधे के विकास को तेज करने वाले दूसरे तत्वों का उत्पादन शुरू कर देते हैं। मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं~

हमने क्रॉमोसोम 1,3 और 12 पर यह तथाकथित नलिका जीन पाए। उन्हें यदि सामान्य चावल के पौधों में भी मिलाया जा सके, तो बरसात के वक्त सामान्य चावल के पौधे भी वही करेंगे जो गहरे पानी में उगने वाला चावल करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम चावल की हर प्रजाति को गहरे पानी में उगने वाले चावल की प्रजाति बना सकते हैं।

यानी इन जीनों की मदद से चावल की उस फसल को बचाया जा सकता है जो पानी की अधिकता के प्रति बहुत संवेदनशील है। जहां अक्सर बाढ आती है वहां के किसानों की इस बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है। एक और समस्या भी दूर हो सकती है - गहरे पानी में उगने वाला चावल बहुत ही कम फसल देता है, प्रति हेक्टेयर सिर्फ एक टन जो उपजाऊ क़िस्मों की तुलना में सिर्फ 20 फीसदी के बराबर है। नीदरलैंड के विशेषज्ञ रेंस वोएसेनेक बहुत ही आशावादी हैं~

विकास के लिए जिम्मेदार इन जीनों के बारे में पता चल जाने के बाद अब हम चावल की अलग-अलग प्रजातियों के बीच प्रकृतिक संवर्धन के जरिए, यानी वर्णसंकर के जरिए भी इन जीनों को उनके पौधे में डाल सकते हैं। इसके लिए किसी जीन तकनीक जरूरत ही नहीं हैं।

जापान के विशेषज्ञों ने यह काम शुरू कर भी दिया है। उनके अध्ययनों से एक बार फिर पता चलता है कि पौधों के संवर्धन के लिए उनके जीनों में असामान्य गुणों की तालाश कितनी जरूरी है।

कुदरती खेती का एक अनूठा प्रयोग

भारत एक कृषि प्रधान देश है। प्रकृति की कृपा तथा हमारे किसानों कि आर्थिक मेहनत से हमारी भूमि सदा उपजाऊ रही है। प्राचीन समय में हमारी खेती प्राकृतिक संपदा व संसाधनों पर ही निर्भर थी और देश की खाद्यान्नों सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा कर पाती थी। जैसे–जैसे देश में शहरीकरण व औद्योगिकरण बढते गये , गांवों से लोग खेती को छोड़ शहरों की ओर आते गये। प्राकृतिक खेती पध्दति कम होती गई और रासायनिक खाद आदि का प्रयोग बढता गया। ज़मीन की उत्पादकता घटती गई और साथ ही किसान की आय भी। सन 1965 में भारत में हरित क्रांति आयी जिससे उपज तो बढी मगर रासायनिक उरवरक तथा अन्य उत्पादों के अन्धाधुन्ध प्रयोग से मिटटी की उत्पादकता भी कम होती गयी।

यूरोप, अमरीका व एशिया में सन् 1940-50 के दकों में जैविक खेती और प्राकृतिक खेती की प्रक्रियाओं पर बहुत प्रयोग किये गये। खेती कि ये विधायें भारत में सन 1980 के दशक से आगे बढी हैं। जैविक खेती की पद्धति में रासायनिक पध्दाथों का प्रयोग वर्जित है। प्राकृतिक खेती में केवल प्राकृतिक प्रक्रियाओं व संसाधनों का ही प्रयोग होता है। आधुनिक खेती या रासायनिक खेती प्रकृति के खिलाफ है। रासायनिक खादों व कीटनाशकों से हमारे खेतों की मिट्टी की उर्वरता खत्म हो रही है। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीवाणु और जैव तत्त्व मर रहे हैं और वह बंजर हो जाती है। कुदरती खेती प्रकृति के साथ होती है। यद्यपि प्राकृतिक खेती की शुरूआत जापान के कृषि वैज्ञानिक फुकुओवा ने की है लेकिन हमारे यहां भी ऐसी खेती होती रही है। मंडला के बैगा आदिवासी बिना जुताई की खेती करते हैं जिसे झूम खेती कहते हैं।

भारत के मध्य प्रदेश राज्य के होशंगाबाद ज़िले के एक फार्म मे लगभग पिछ्ले 25 वर्षों से प्राक्रतिक खेती, जिसे कुदरती खेती भी कहते है, हो रही है। करीब 12 एकड़ के इस फार्म में सिर्फ 1 एकड़ में खेती की जा रही है। यहां बिना जुताई (नो टिलिग) और रासायनिक खाद के खेती की जा रही है। बीजों को मिट्टी की गोली बनाकर बिखेर दिया जाता है और वे उग आते हैं। यह सिर्फ खेती की एक पद्धति भर नहीं है बल्कि जीवनशैली है। यहां का अनाज, फल पानी और हवा शुध्द है। यहा कुआं है, जिसमें पर्याप्त पानी है। बिना जुताई के खेती मुश्किल है, ऐसा लगना स्वाभाविक है। पहली बार सुनने पर विश?वास नहीं होता लेकिन देखने के बाद सभी शंकाएं निर्मूल हो जाती हैं। दरअसल, इस पर्यावरणीय पद्धति में मिट्टी की उर्वरता उत्तारोतर बढ़ती जाती है।

बाकी के 11 एकड़ में सुबबूल (आस्टेलियन अगेसिया) का जंगल है। सुबबूल एक चारे की प्रजाति है। इस जंगल से मवेशियों का चारा और लकड़ियां मिल जाती हैं। लकड़ियों की टाल है, जहां से जलाऊ लकड़ी बिकती हैं, जो फार्म की आय का मुख्य स्रोत है। एक एकड़ जंगल से हर वर्ष करीब ढाई लाख रूपये की लकड़ी बेच लेते हैं।

गेहूं के खेतों में हवा के साथ गेहूं के हरे पौधे लहलहाते हैं। खेत में फलदार और अन्य जंगली पेड़ हैं जिनके नीचे गेहूं की फसल होती है। आम तौर पर खेतों में पेड़ नहीं होते हैं लेकिन यहां अमरूद, नीबू और बबूल के पेड़ हैं जिन के कारण खेतों में गहराई तक जड़ों का जाल बुना रहता है। इससे भी जमीन ताकतवर बनती जाती है। अनाज और फसलों के पौधे पेड़ों की छाया तले अच्छे होते हैं। छाया का असर जमीन के उपजाऊ होने पर निर्भर करता है। चूंकि यहां जमीन की उर्वरता अधिक है, इसलिए पेड़ों की छाया का फसल पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता।

इन खेतों में पुआल, नरवाई, चारा, तिनका व छोटी-छोटी टहनियों को पड़ा रहने देते हैं, जो सड़कर जैव खाद बनाती हैं। खेत में तमाम छोटी-बड़ी वनस्पतियों के साथ जैव विविधताएं आती -जाती रहती हैं। और हर मौसम में जमीन ताकतवर होती जाती है। इस जमीन में पौधे भी स्वस्थ और ताकतवर होते हैं जिन्हें जल्द बीमारी नहीं घेरती।

यहां जमीन को हमेशा ढककर रखा जाता है। यह ढकाव हरा या सूखा किसी भी तरह से हो, इससे फर्क नहीं पड़ता। इस ढकाव के नीचे अनगिनत जीवाणु, केंचुए और कीड़े-मकोड़े रहते हैं और उनके ऊपर-नीचे आते-जाते रहने से जमीन पोली और हवादार व उपजाऊ बनती है।

आमतौर पर किसान अपने खेतों से अतिरिक्त पानी को नालियों से बाहर निकाल देते हैं लेकिन यहां ऐसा नहीं किया जाता। बारिश में कितना ही पानी गिरे, वह खेत के बाहर नहीं जाता। खेतों में जो खरपतवार, ग्रीन कवर या पेड़ होते हैं, वे पानी को सोखते हैं। इससे एक ओर खेतों में नमी बनी रहती है, दूसरी ओर वह पानी वाश?पीकृत होकर बादल बनता है और बारिश में पुन् बरसता है। इसके विपरीत, जब जमीन की जुताई की जाती है और उसमें पानी दिया जाता है तो खेत में कीचड़ हो जाती है। बारिश होती है तो पानी नीचे नहीं जा पाता और तेजी से बहता है। पानी के साथ खेत की उपजाऊ मिट्टी बह जाती है। इस तरह हम मिट्टी की उपजाऊ परत को बर्बाद कर रहे हैं और भूजल का पुनर्भरण भी नहीं कर पा रहे हैं। साल दर साल भूजल नीचे चला जा रहा है।

यहां खेती भोजन की जरूरत के हिसाब से होती हैं, बाजार के हिसाब से नहीं। जरूरत एक एकड़ से ही पूरी हो जाती है। यहां से अनाज, फल और सब्जियां मिलती हैं, जो परिवार की जरूरत पूरी कर देती हैं। जाड़े मे गेहूं, गर्मी में मक्का व मूंग और बारिश में धान की फसल ली जाती है। कुदरती खेती में भूख मिटाने के साथ समस्त जीव-जगत के पालन का विचार है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण होता हैं। इसे ऋषि खेती भी कहते हैं क्योंकि ऋषि मुनि कंद-मूल, फल और दूध को भोजन के रूप में ग्रहण करते थे, बहुत कम जमीन पर मोटे अनाजों को उपजाते थे। वे धरती को अपनी मां के समान मानते थे, उससे उतना ही लेते थे जितनी जरूरत थी। अत~ कुदरती खेती का यह प्रयोग सराहनीय होने के साथ-साथ अनुकरणीय भी है।

जेनरेटिव एआई से रियल एस्टेट में उछाल, 17 अरब डॉलर तक की अतिरिक्त वैल्यू

बिक्री में 50 फीसदी सुधार, अगले 7 साल में बढ़ेगा 14-17 अरब डॉलर का जीवीए

नई दिल्ली।

जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (जेनएआई) अगले सात साल में रियल एस्टेट क्षेत्र में 14 से 17 अरब डॉलर तक का अतिरिक्त सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) कर सकता है। इससे रियल एस्टेट के कुल मूल्य में 3 से 4 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। ईवाई-पार्थेनॉन और क्रेडाई की संयुक्त रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार जेनएआई की मदद से डेवलपरों को बिक्री की रफ्तार में 30 से 50 प्रतिशत तक का सुधार देखने को मिल सकता है। इसके साथ ही परियोजनाओं को लॉन्च करने में भी लगभग 30 प्रतिशत की तेजी आएगी। जेनएआई सौदों के मूल्यांकन में लगने वाले समय को लगभग 50 प्रतिशत तक घटा सकता है, जबकि भूमि अधिग्रहण का समय 30 से 35 प्रतिशत तक कम हो सकता है। यह स्वचालित व्यावहारिक मॉडलिंग और विक्रेता मूल्यांकन के जरिए 2.5 गुना अधिक सौदों के मूल्यांकन को सक्षम करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि जेनएआई को जल्दी अपनाने वाले व्यवसायों को जबरदस्त परिचालन लाभ मिल सकता है, जिसमें कार्यबल उत्पादकता में 20-50 फीसदी सुधार और ग्राहक अधिग्रहण लागत में उतनी ही कमी होगी। इससे निर्णय लेने की अवधि भी महीनों से हफ्तों या दिनों में सिमट जाएगी, जिससे डेवलपरों को व्यावहारिकता का आकलन करने और परियोजनाओं की योजना बनाने के तरीकों को नया आकार देने में मदद मिलेगी।

एक्सेंचर का राजस्व बढ़ा पर निवेशकों को नहीं भाया, शेयर गिरे

- तिमाही में कंसल्टिंग कारोबार की धीमी वृद्धि और आउटसोर्सिंग बुकिंग्स में गिरावट चिंता का विषय बनी

नई दिल्ली।

ग्लोबल आईटी कंसल्टिंग और आउटसोर्सिंग दिग्गज एक्सेंचर ने हाल ही में अपने तिमाही नतीजे जारी किए हैं, जिसमें राजस्व में 5.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और यह 18.7 अरब डॉलर रहा। हालांकि, इन आंकड़ों के बावजूद निवेशकों में खास उत्साह नहीं दिखा और कंपनी के शेयर में जोरदार गिरावट देखने को मिली। नए ऑर्डर मिलने की धीमी रफ्तार और पूरे साल के लिए ग्रोथ अनुमान में कटौती ने बाजार की चिंताएं बढ़ा दी हैं। एक्सेंचर के नतीजों से भले ही कंपनी का राजस्व 5.6 फीसदी बढ़कर 18.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो बाजार के अनुमानों के करीब था, फिर भी निवेशकों ने इसे सकारात्मक रूप से नहीं लिया। तिमाही के दौरान, कंपनी के कंसल्टिंग कारोबार की वृद्धि सिर्फ 1 फीसदी रही, जबकि आउटसोर्सिंग या मैनेज्ड सर्विसेज कारोबार में 5 फीसदी की वृद्धि देखी गई। यह दर्शाता है कि कंपनी का मौजूदा बड़ा कारोबार तो चल रहा है, लेकिन नए प्रोजेक्ट हासिल करने की रफ्तार उम्मीद के मुताबिक नहीं है। निवेशकों की सबसे बड़ी चिंता नए ऑर्डर यानी बुकिंग्स को लेकर थी। इस तिमाही में एक्सेंचर को 19.3 अरब डॉलर के नए ऑर्डर मिले, जो पिछले साल के मुकाबले 2 फीसदी कम हैं।

खास बात यह रही कि जहां कंसल्टिंग बुकिंग्स में 13 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, वहीं आउटसोर्सिंग बुकिंग्स में करीब 15 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने इसकी वजह पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और कुछ बड़े आउटसोर्सिंग सौदों का अगले वित्त वर्ष के लिए टल जाना बताया है, जिससे उसे करीब 10 करोड़ डॉलर के राजस्व का नुकसान हुआ। इन चुनौतियों के चलते, एक्सेंचर ने वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने ग्रोथ गाइडेंस को भी कम कर दिया है। पहले 3 से 5 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद थी, जिसे अब घटाकर 3 से 4 फीसदी कर दिया गया है। यह संकेत देता है कि कंपनी आने वाले समय में धीमी कारोबार रफ्तार की आशंका कर रही है। हालांकि, कंपनी भविष्य को लेकर आशावादी है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को एक बड़ा ग्रोथ इंजन मान रही है।

एक्सेंचर का कहना है कि ग्राहक अब एआई के बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, कंपनी ने मिड-साइज कंपनियों के लिए एक्सेंचर एज प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है और अधिग्रहण (एक्विजिशन) के लिए अपना बजट 5 अरब डॉलर से बढ़ाकर 9 अरब डॉलर कर दिया है, जो भविष्य की तैयारी में उसके मजबूत इरादों को दर्शाता है।

वैश्विक चिप उद्योग में 10 लाख पेशेवरों की कमी, भारत के लिए बड़ा अवसर अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग लगभग 10 लाख पेशेवरों की कमी का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए एक बड़ा अवसर है और देश इस क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाला प्रमुख केंद्र बन सकता है। पटना स्थित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) केंद्र में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का वर्तमान आकार लगभग 800 अरब डॉलर है और अगले एक वर्ष के भीतर इसके 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने की संभावना है। अश्विनी वैष्णव ने कहा, ÷वर्ष 2032 तक वैश्विक सेमीकंडक्टर क्षेत्र में लगभग 10 लाख नई नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। वहीं उद्योग को करीब 10 लाख कुशल पेशेवरों की कमी का भी सामना करना पड़ रहा है।÷ उन्होंने कहा कि भारत को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए दो प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देना होगा - सेमीकंडक्टर डिजाइन और सेमीकंडक्टर निर्माण। मंत्री के अनुसार, सरकार देश में विश्वस्तरीय सेमीकंडक्टर डिजाइन क्षमता विकसित करने की दिशा में काम कर रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि भारतीय छात्र दुनिया के सबसे बेहतर प्रशिक्षित पेशेवरों में शामिल हों। उन्होंने कहा, ÷जब छात्र सेमीकंडक्टर डिजाइन कौशल के साथ स्नातक होकर निकलें, तो उन्हें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं में गिना जाए और उन्हें तुरंत उद्योग में अवसर मिलें।÷ अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से अब तक लगभग 75 हजार छात्रों को आकर्षक अवसर मिल चुके हैं। उन्होंने कहा, ÷हमारा लक्ष्य इस संख्या को 75 हजार से बढ़ाकर 5 लाख छात्रों तक पहुंचाना है।÷ मंत्री ने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण गतिविधियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं।

एशियाई बाजारों में मजबूती के साथ कारोबार

मुंबई।

एशियाई बाजारों से हालांकि सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक करीब 2.7 प्रतिशत की तेजी के साथ नए उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि जापान का निक्केई 225 भी 0.58 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार करता दिखा। गुरुवार को वॉल स्ट्रीट में निवेशकों का रुख सकारात्मक रहा। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.14 प्रतिशत मजबूत होकर बंद हुआ। वहीं एसएंडपी 500 में 1.08 प्रतिशत और नैस्डैक कंपोजिट में 1.91 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

कच्चे तेल में नरमी, पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में शुक्रवार को कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे उपभोक्ताओं को तात्कालिक राहत मिली। हालांकि, ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर संभावित टोल टैक्स के संकेत ने भविष्य में तेल आपूर्ति और परिवहन लागत को लेकर नई चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस सबके बीच, भारत में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ईरान ने दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने का संकेत दिया है। यदि यह लागू होता है, तो तेल परिवहन की लागत में भारी वृद्धि होगी, जिसका सीधा असर वैश्विक बाजार पर पड़ेगा। अमेरिका के साथ तनाव कम होने की उम्मीद के बावजूद यह कदम तेल बाजार में अनिश्चितता बढ़ा रहा है। इन भू-राजनीतिक चिंताओं के बावजूद, शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.08 फीसदी घटकर 75.03 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। भारतीय बाजार के लिए अच्छी खबर यह रही कि शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। सरकारी तेल कंपनियों ने पुराने दाम ही बरकरार रखे, जिससे आम जनता को फिलहाल महंगाई का नया झटका नहीं लगा। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर रहे। मुंबई में भी कीमतें यथावत बनी हुई हैं।

स्विस बैंकों में भारतीयों का पैसा 8 फीसदी से अधिक घटा रिपोर्ट

कुल राशि 3.25 अरब स्विस फ्रैंक हुई, स्थानीय शाखाओं के जरिए जमा राशि में आई कमी

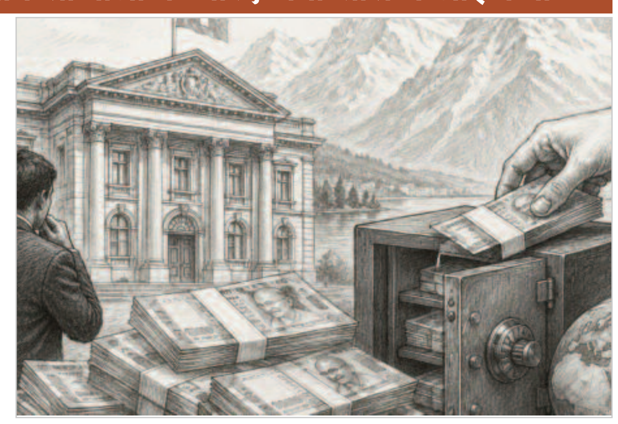

नई दिल्ली।

स्विस बैंकों में भारतीयों द्वारा जमा किया गया धन वर्ष 2025 में 8 प्रतिशत से अधिक घटकर 3.25 अरब स्विस फ्रैंक (लगभग 36,793 करोड़ रुपये) रह गया है। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक, स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) द्वारा जारी वार्षिक आंकड़ों के अनुसार, यह कमी मुख्य रूप से स्थानीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से रखे गए धन में गिरावट के कारण दर्ज की गई है। एसएनबी के आंकड़ों के मुताबिक, कुल जमा राशि में गिरावट के बावजूद, व्यक्तिगत और संस्थागत ग्राहकों के खातों में जमा धन 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक (लगभग 6,000 करोड़ रुपये) हो गया है। हालांकि, कुल राशि में इन जमाओं की हिस्सेदारी लगभग 16 प्रतिशत ही रही। कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा बैंकों को देय राशि के रूप में था, जो अन्य बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के जरिये रखी गई थी। यह राशि पिछले साल करीब 15 प्रतिशत घटकर 2.6 अरब स्विस फ्रैंक रही। इससे पहले, वर्ष 2024 में स्विस बैंकों में जमा कुल भारतीय धन तिगुना होकर 3.5 अरब स्विस फ्रैंक हो गया था, जो 2021 के बाद का उच्चतम स्तर था। वर्ष 2021 में यह आंकड़ा 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर था। एनएनबी स्पष्ट करता है कि ये आंकड़े स्विट्जरलैंड में भारतीयों के कथित काले धन की मात्रा को नहीं दर्शाते हैं, न ही इनमें वह धन शामिल है जो तीसरे देशों की इकाइयों के नाम पर रखा गया हो। एसएनबी के आंकड़ों के अनुसार, स्विस बैंकों में भारतीयों की कुल जमा राशि वर्ष 2006 में करीब 6.5 अरब स्विस फ्रैंक के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद इसमें अधिकांश समय गिरावट का रुख रहा है, हालांकि कुछ वर्षों में इसमें वृद्धि भी देखी गई। वर्ष 2025 के अंत में मौजूद कुल 325.05 करोड़ स्विस फ्रैंक की देनदारियों में से प्रमुख रूप से ग्राहक जमा, अन्य बैंकों के जरिये रखी गई राशि और बॉन्ड एवं प्रतिभूतियों जैसे वित्तीय साधन शामिल थे।

एनआरआई ग्राहकों को लेकर चिंता में बैंक ग्राहकों को लुभाने की दौड़ तेज

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा फॉरेन करेंसी नॉन-रेजिडेंट (एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट पर ब्याज दर की ऊपरी सीमा हटाने के बाद बैंकों में कड़ी प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। इस बदलाव से कुछ बैंक अपने विदेशी ग्राहकों को खोने की आशंका से चिंतित हैं, क्योंकि अन्य बैंक अधिक आकर्षक रिटर्न दे रहे हैं। आरबीआई के फैसले के बाद कई बैंकों ने (एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट पर अपनी ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। इससे उन बैंकों की चिंता बढ़ गई है जिनके एनआरआई ग्राहक बेहतर रिटर्न की तलाश में दूसरे बैंकों की ओर रुख कर सकते हैं। कुछ बैंक, जिन्होंने पहले ही नई दरों की घोषणा कर दी थी, अब केंद्रीय बैंक के नए नियमों के मद्देनजर अपनी योजनाओं की समीक्षा कर रहे हैं। एक वरिष्ठ बैंकर ने पुष्टि की कि वे अपनी घोषित दरों पर फिर से विचार करेंगे। बैंकरों और विश्लेषकों का मानना है कि छोटे बैंक अब दरें आक्रामक रूप से बढ़ा सकते हैं, जबकि बड़े बैंक संभवतः 6 फीसदी के स्तर के आसपास ही बने रहेंगे।

वैश्विक संकेतों से भारतीय आईटी सेक्टर में भूचाल

निफ्टी आईटी 6 फीसदी टूटा, इंफोसिस 8 फीसदी तक लुढ़का

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को आईटी सेक्टर पर जोरदार मार पड़ी। अमेरिकी आईटी दिग्गज एक्सेंचर के कमजोर व्यावसायिक संकेतों के बाद निवेशकों में भारतीय आईटी कंपनियों की भविष्य की ग्रोथ को लेकर चिंता बढ़ गई, जिसके चलते निफ्टी आईटी इंडेक्स में लगभग 6 फीसदी की तेज गिरावट आई। इस बिकवाली के कारण प्रमुख आईटी शेयरों में भारी नुकसान देखा गया। इंफोसिस, टीसीएस0, टेक महिंद्रा, एमफैसिस और पर्सिस्टेंट सिस्टम्स जैसे दिग्गज शेयरों में 5 से 8 फीसदी तक की बड़ी गिरावट देखी गई। निफ्टी आईटी इंडेक्स 1,700 अंक से अधिक गिरकर 26,763 पर बंद हुआ, जिसमें इंफोसिस 8 फीसदी से ज्यादा और अन्य दिग्गज 5-6.5 फीसदी तक लुढ़के। इंडेक्स में शामिल सभी 10 शेयर लाल निशान में बंद हुए।दरअसल, एक्सेंचर ने पूरे साल के लिए अपने ग्रोथ अनुमान को घटा दिया है और नए ऑर्डर भी उम्मीद से कमजोर रहे हैं। कंपनी ने मिडिल ईस्ट में तनाव और कुछ बड़े प्रोजेक्ट टलने को इसकी वजह बताया, पर वैश्विक आय पर निर्भर भारतीय आईटी कंपनियों पर असर की आशंका से बाजार में घबराहट फैली। हालांकि नुवामा के विश्लेषकों ने इसे बड़ा संकट नहीं, बल्कि हल्का नकारात्मक संकेत बताया है।

दुबई में पेट्रोल पंप पर भारतीय युवाओं के लिए कितना है वेतन पैकेज

खाड़ी देशों में रोजगार की तलाश में लाखों युवा; जानें योग्यता

नई दिल्ली।

भारत समेत दक्षिण एशियाई देशों के लाखों युवा हर साल बेहतर रोजगार तलाशने खाड़ी देशों का रुख करते हैं, जिनमें दुबई एक प्रमुख केंद्र है। अक्सर मन में सवाल उठता है कि दुबई के पेट्रोल पंपों पर काम करने वाले प्रवासियों की कमाई कितनी है और वहां काम का माहौल कैसा? आइए जानते हैं इन फ्यूल स्टेशनों पर नौकरी से जुड़ी सभी अहम बातें। दुबई व यूएई में एडीएनओसी, अमीरात और ईपीपीसीओ/ईएनओसी जैसी प्रमुख कंपनियां फ्यूल स्टेशन संचालित करती हैं। यहां पेट्रोल भरने (फ्यूल अटेंडेंट) के अलावा, कैशियर, स्टोर एसोसिएट व कार वॉश अटेंडेंट जैसे कई अन्य पदों पर भी भर्तियां होती हैं। इन नौकरियों के लिए कम से कम 10वीं/12वीं पास, बुनियादी अंग्रेजी की समझ और शारीरिक फिटनेस अनिवार्य है। आमतौर पर 35 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को प्राथमिकता मिलती है। भर्ती सीधे कंपनियों या थर्ड-पार्टी एजेंसियों से होती है। सैलरी दो

मुख्य मॉडलों पर आधारित है। पहले मॉडल में, कंपनी रहने व खाने की सुविधा मुफ्त देती है, जिससे मासिक आय 1,000 से 2,000 एईडी (लगभग 25,000-45,000 रुपए) होती है।

दूसरे मॉडल में, ये खर्च कर्मचारी को खुद उठाने होते हैं, पर सैलरी 2,400 एईडी (लगभग 55,000-60,000 रुपए) तक पहुंच सकती है।

बैंकों को अल्पकालिक धन की सीमित जरुरत, आरबीआई की वीआरअर नीलामी सुस्त

केंद्रीय बैंक को अधिसूचित राशि के मुकाबले केवल 16,750 करोड़ की बोलियां मिलीं

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को आयोजित एक लाख करोड़ रुपए की तीन दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी को बैंकों से बेहद सुस्त प्रतिक्रिया मिली। यह बैंकिंग प्रणाली में अल्पकालिक धन की सीमित आवश्यकता को दर्शाता है। केंद्रीय बैंक को अधिसूचित राशि के मुकाबले केवल 16,750 करोड़ रुपए की बोलियां प्राप्त हुईं, जिन्हें 5.26 फीसदी की कट-ऑफ और भारित औसत दर पर स्वीकार कर लिया गया। आरबीआई की वीआरआर नीलामी में यह कम भागीदारी दर्शाती है कि अल्पकालिक धन के लिए बैंकों की मांग सीमित रही, भले ही केंद्रीय बैंक ने नकदी समर्थन देने की कोशिश की हो। 18 जून तक उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, बैंकिंग प्रणाली में लगभग 19,163.11 करोड़ रुपए का नकदी अधिशेष बना हुआ है। हालांकि, यह स्तर अपेक्षाकृत कम है, जो प्रणाली में थोड़ी तंगी भरी परिस्थितियों का संकेत देता है। आरबीआई अल्पकालिक नकदी प्रबंधन और रातोंरात दरों को नीतिगत दर गलियारे के अनुरूप बनाए रखने के लिए वीआरआर नीलामियां आयोजित करता है। इसके तहत, बैंक अलग-अलग ब्याज दरों पर बोली के जरिए पैसा उधार लेते हैं। नकदी दबाव को कम करने के लिए, केंद्रीय बैंक ने हाल के दिनों में विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामी के माध्यम से लगभग 1.89 लाख करोड़ रुपए की अस्थायी नकदी डाली है।

इसमें 18 जून को 72,300 करोड़, 16 जून को 89,440 करोड़ और 15 जून को 28,220 करोड़ की नकदी शामिल है। बावजूद इसके शुक्रवार की नीलामी में कम भागीदारी बैंकों की सीमित उधारी आवश्यकताओं को उजागर करती है।

पेरिस में बोले पीएम मोदी- पिछले 12 सालों में 140 करोड़ भारतीयों ने बदली देश की तस्वीर

जीडीपी दोगुना, मेट्रो नेटवर्क 4 गुना बढ़ा, 25 करोड़ लोगों को गरीबी की बेड़ियों से मुक्ति दिलाई

फ्रांस।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पिछले 12 वर्षों में भारत द्वारा हासिल की गई अभूतपूर्व प्रगति और वैश्विक पटल पर उसकी बढ़ती साख का गुणगान किया। उन्होंने देश को भविष्य को आकार देने वाला बताते हुए कहा कि भारत अब दुनिया के लिए एक स्थिर और भरोसेमंद भागीदार बन चुका है। पीएम मोदी ने पेरिस को रोशनी और रंगों का शहर बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि यहां बसे भारतीयों ने अपनी मेहनत और लगन से इस शहर को और भी रंगीन बना दिया है। उन्होंने पिछले 12 वर्षों को 140 करोड़ भारतीयों के अद्भुत सामर्थ्य का काल बताया, जिसमें देश ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव देखे हैं। प्रधानमंत्री ने गर्व से कहा कि यह भारत के लोकतंत्र की ही शक्ति है कि एक चाय बेचने वाला आज दुनिया के सामने देश का नेतृत्व कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की बदलती तस्वीर को आंकड़ों के साथ प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इन 12 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) दोगुना हुआ है, एयरपोर्ट्स और विश्वविद्यालयों की संख्या दोगुनी हुई है, जबकि मेट्रो नेटवर्क में चार गुना वृद्धि दर्ज की गई है। सबसे बड़ी उपलब्धि का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि इन सालों में 25 करोड़ भारतीय गरीबी की बेड़ियों को तोड़कर बाहर आए हैं। उन्होंने फ्रांस के कुल घरों की संख्या से भी अधिक पक्के घर भारत में जरूरतमंदों के लिए बनाए जाने और हर परिवार के पास बैंक अकाउंट होने का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि आज भारत सिर्फ भविष्य की तैयारी नहीं कर रहा, बल्कि उसे आकार दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि भरोसा जरूरी है और भारत एक भरोसेमंद वैश्विक साझेदार के रूप में उभर रहा है। उन्होंने भारत इनोवेट्स और भारत कनेक्ट जैसे कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए फ्रांस में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया, और उन्हें भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की असली ताकत बताया।

गुवाहाटी में होगी भारत-जापान निवेश शिखर वार्ता 50 जापानी कंपनियां करेंगी फोकस

– सेमीकंडक्टर, ऊर्जा, वाहन क्षेत्र में बड़े समझौते संभव; सुजुकी मोटर के अध्यक्ष भी प्रतिनिधिमंडल में

नई दिल्ली।

जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची का आगामी गुवाहाटी दौरा भारत में बड़े जापानी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला समझौतों पर मुहर लगा सकता है। उनके साथ 50 जापानी कंपनियों के अधिकारियों का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा, जो प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी के अवसर तलाशेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची के बीच गुवाहाटी में होने वाली प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में निवेश, आपूर्ति श्रृंखला सुदृढीकरण और रणनीतिक तेल भंडार के लिए वित्तीय सहायता पर महत्वपूर्ण समझौते होने की संभावना है। जापान भारत की ऊर्जा सुरक्षा में सहयोग को उत्सुक है, जिसमें 2 अरब डॉलर की 'साउथ-ईस्ट एशिया इन्वेस्टमेंट फाइनैंसिंग फैसिलिटी' के तहत रणनीतिक भंडार बढ़ाना शामिल हो सकता है।

सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और वाहन जैसे क्षेत्र जापानी व भारतीय कंपनियों के लिए प्रमुख फोकस रहेंगे। प्रतिनिधिमंडल में सुजुकी मोटर के अध्यक्ष तोशिहिरो सुजूकी जैसे बड़े उद्योगपतियों की उपस्थिति इन क्षेत्रों में बढ़ती जापानी दिलचस्पी को दर्शाती है। असम का मोरीगांव, जो भारत के पहले स्वदेशी सेमीकंडक्टर सुविधा केंद्र (टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट द्वारा संचालित) का घर है, जापानी निवेश के लिए एक आकर्षक स्थल के रूप में उभरा है। नई दिल्ली के बाहर पूर्वोत्तर में यह शिखर वार्ता क्षेत्र के बढ़ते रणनीतिक और व्यावसायिक महत्व को रेखांकित करती है, जिससे भारत के पूर्वी द्वार पर नए आर्थिक अवसर खुलने की उम्मीद है।

भारत/अफगानिस्तान : अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे में राहुल, जायसवाल और राणा पर रहेगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। पहले दो मैच में धमाकेदार जीत से उत्साहित भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में क्लीन स्वीप करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी जिसमें केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन पर नजर रहेगी। राहुल की वनडे टीम में जगह को लेकर कभी कोई संदेह नहीं रहा है, लेकिन जायसवाल शीर्ष क्रम में कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए अपनी जगह पक्की करने के लिए बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

जायसवाल ने 2025 के बाद वनडे टीम में वापसी की है लेकिन वह लखनऊ में अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे मैच में केवल चार रन ही बना पाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने इससे पहले जो आखिरी वनडे खेला था उसने उन्होंने विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 116 रन बनाए थे, लेकिन उसके बाद स्थिति काफी बदल गई है और अब ईशान किशन की वापसी ने शीर्ष क्रम में एक और दावेदार को जोड़ दिया है। किशन ने लखनऊ में शतक लगाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

कप्तान शुभमन गिल ने जायसवाल को जगह देने के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की और शतक जड़ा। लेकिन जब विराट कोहली मांसपेशियों में खिंचाव से उबरने के बाद वापसी करेंगे तो उनका तीसरे नंबर पर खेलना पक्का है। इससे गिल के पास रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। किशन और श्रेयस अय्यर क्रमशः चौथे और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में जायसवाल को सीमित अवसरों का पूरा फायदा उठाना होगा।

जायसवाल के लिए इस मैच में बड़ा स्कोर बनाना बेहद जरूरी है क्योंकि इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की वनडे टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति एक और असफलता को शायद ही बर्दाश्त करेगी। अगर चयनकर्ता सूर्यकुमार यादव को टी20 विश्व कप में टीम को जीत दिलाने के बावजूद टीम से बाहर कर सकते हैं तो अन्य खिलाड़ियों को भी नहीं बख्शा जा सकता है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि जायसवाल की वनडे में किस्मत उनके हाथ में ही है।

राहुल का मामला बिल्कुल अलग है। लंबे अंतराल के बाद भारतीय टीम में अय्यर की वापसी का मतलब है कि 34 वर्षीय राहुल को अब अधिकतर मौकों पर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करनी होगी। राहुल लंबे समय तक पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने इस पोजीशन पर अच्छा प्रदर्शन भी किया है। उन्होंने पांचवें नंबर पर खेलते हुए 38 मैचों में 63.2 के औसत से 1517 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। इसके विपरीत छठे नंबर पर उन्होंने 15 मैचों में 41.5 की औसत से 332 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है।

BCCI ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) में रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद इस मैच के लिए हर्षित राणा को टीम में शामिल किया है। यह तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जगह ले सकता है, जिन्होंने इस श्रृंखला में अभी तक दोनों मैच खेले हैं। इससे भारत को चोटिल नीतीश कुमार रेड्डी की अनुपस्थिति में निचले क्रम में एक उपयोगी बल्लेबाज का विकल्प भी मिलेगा।

इससे टीम प्रबंधन को ब्रिटेन के दौरे से पहले उनकी फॉर्म और फिटनेस का आकलन करने का मौका मिलेगा। जहां तक अफगानिस्तान का सवाल है तो उसने इस

श्रृंखला में एकमात्र टेस्ट मैच और पहले दो वनडे में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। उसकी टीम हालांकि जीत के साथ श्रृंखला का समापन करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। इसके लिए उसे खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़, हर्ष दुबे, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा।

अफगानिस्तान : हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, रहमत शाह, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), मोहम्मद नबी, अजमतुल्लाह उमरजई, राशिद खान, नांग्याल खारोताई, एएम गजनफर, जिया उर रहमान शरीफी, फरीद मलिक, बिलाल सामी।

ब्रॉड ने अपनी सर्वकालिक टेस्ट एकादश में भारत से केवल विराट को शामिल किया

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने अपने समय के खिलाड़ियों की सर्वकालिक टेस्ट एकादश का चयन किया है। इस टीम में उन्होंने कई बड़े दिग्गजों को शामिल किया है पर इसमें भारत से केवल विराट कोहली को ही शामिल किया गया है। ब्रॉड की इस टीम में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के चार-चार खिलाड़ी शामिल हैं, वहीं दो श्रीलंकाई खिलाड़ी भी इस सूची का हिस्सा हैं।

ब्रॉड ने अपनी टीम में श्रीलंका के कुमार संगकारा और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ को भी शामिल किया है। संगकारा को ब्रॉड ने उन्हें अपनी टीम में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके अलाव ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को नंबर तीन पर और विराट कोहली को नंबर चार पर रखा गया है। कोहली का चयन इस एकादश में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय के रूप में अहम है, जो उनकी विश्वस्तरीय बल्लेबाजी दिखाता है।

इस एकादश में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को जगह नहीं मिली है जबकि ब्राड ने अपने खेल के अंतिम दिनों में उनके खिलाफ गेंदबाजी भी की थी। वहीं मध्य क्रम में ऑस्ट्रेलिया के स्टीवन स्मिथ को नंबर पांच पर चुना गया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज जैक्स कैलिस को नंबर छह पर शामिल किया गया है। कैलिस इस टीम के एकमात्र ऑलराउंडर हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स को नंबर सात पर रखा गया है। डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से टीम को मजबूती देते हैं और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त विकेटकीपिंग कवर भी प्रदान करते हैं।

दूसरी ओर गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन को इसकी कमान सौंपी गयी है। उनका साथ दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन देंगे। स्टेन जो अपनी पीढ़ी के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में से एक रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई बाएं हाथ के गेंदबाज मिचेल स्टार्क को भी टीम में जगह मिली है। श्रीलंका के स्पिन जादूगर मुथैया मुरलीधरन को टीम का अकेला विशेषज्ञ स्पिनर रखा गया है। मुरलीधरन टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हुए हैं।

ब्रॉड की सर्वकालिक टेस्ट एकादश इस प्रकार है:

ग्रीम स्मिथ, कुमार संगकारा (विकेट कीपर), रिकी पोंटिंग, विराट कोहली, स्टीवन स्मिथ, जैक्स कैलिस, एबी डिविलियर्स, मिशेल जॉनसन, डेल स्टेन, मुथैया मुरलीधरन, मिशेल स्टार्क।

महिला टी20 विश्व कप 2026 : वेस्टइंडीज ने रोमांचक मुकाबले में स्कॉटलैंड को सात रनों से हराया

लंदन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के 12वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को सात रनों से हरा दिया। इस रोमांचक मुकाबले में विजेता का फैसला 19वें ओवर में हुआ। स्कॉटलैंड टीम इस मैच में एक समय जीत के करीब थी पर अंत में इंडीज टीम ने बाजी पलट दी। वेस्टइंडीज की टीम इस जीत के साथ ही आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं स्कॉटलैंड तीसरे स्थान पर फिसल गयी है।

इस मैच में स्कॉटलैंड ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज की टीम ने 20 ओवरों में 6 विकेट पर 153 रन बनाये। उसकी पारी की शुरुआत बेहद खराब रही। एक समय आधी टीम 85 रनों पर ही सिमट गयी थी पर इसके बाद नंबर-7 पर उतरीं स्टेफनी टेलर ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए केवल 19 गेंदों में ही 4 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 47 रन बना दिये। इससे टीम 153 रनों तक पहुंच पाई। इसके बाद जीत के लिए मिले 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की शुरुआत काफी अच्छी रही। पहले विकेट के लिए उन्होंने 51 रन बनाये पर इसके बाद जब विकेट गिरने शुरु हुए तो टीम ने 58 रनों पर ही 4 विकेट खो दिये। 74 के स्कोर पर आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। सलामी बल्लेबाज डार्सी कार्टर एक छोर पर डटी रहीं और उन्होंने 8 चौकों की सहायता से 59 रनों की अहम पारी खेली, जिससे स्कॉटलैंड की उम्मीदें बंधी रहीं और वह मैच में बनी हुई थी। अब आखिरी ओवर में स्कॉटलैंड को जीत के लिए 17 रन चाहिए थे और उनके पास 2 विकेट बचे थे। वेस्टइंडीज की कियाना जोसेफ ने 20वें ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए केवल 9 रन दिये और 2 विकेट लिए। इस प्रकार वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड की पारी को अंतिम गेंद पर 146 रन पर समेट दिया और यह रोमांचक मुकाबला 7 रनों से जीत लिया।

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारत की नजरें चिली को हराकर फाइनल में जगह बनाने पर

आकलैंड (एजेंसी)। टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन कर रही आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला हॉकी टीम निचली रैंकिंग वाली चिली के खिलाफ स्नद्ध॥ नेशंस कप सेमीफाइनल में उसी लय को कायम रखना चाहेगी ताकि स्नद्ध॥ प्रो लीग में वापसी की ओर अगला कदम रख सके। भारत ने पूल ए में तीनों मैच जीतकर शीर्ष पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

मेजबान न्यूजीलैंड पूल बी में सारे मैच जीतकर शीर्ष पर रहा और दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका से खेलेगा। भारतीय टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में वापसी के लिये नेशंस कप जीतना ही होगा जिससे वह पिछले साल बाहर हो गई थी। पिछले सत्र में 16 मैचों में सिर्फ दस अंक लेने के बाद भारत प्रो लीग में सबसे नीचे रहा और नेशंस कप में खिसक गया था। आठ देशों के एफआईएच नेशंस कप के विजेता को अगले सत्र में प्रो लीग में जगह मिलेगी।

मौजूदा रैंकिंग और फॉर्म को देखते हुए भारत का पलड़ा चिली पर भारी है। विश्व रैंकिंग में भारत नौवे और चिली 13वें स्थान पर है लेकिन आधुनिक हॉकी में रैंकिंग उतना मायने नहीं रखती। सेमीफाइनल से पहले मुख्य कोच शोर्ड मारिन को कुछ पहलुओं पर काम करना होगा। 17वीं रैंकिंग वाली उरूग्वे को हराने के लिये भारत को काफी मशक्कत करनी पड़ी। उरूग्वे ने बढत बना ली थी लेकिन दीपिका ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए और दीपिका सोरेंग ने फील्ड गोल करके भारत को जीत दिलाई।

ड्रैग फ्लिकर दीपिका शानदार फॉर्म में है और चार गोल कर चुकी है। नवनीत कौर, कप्तान सलीमा टेटे और लालरेम्सियामी भी एक एक गोल कर चुके हैं । भारत के लिये एकमात्र फील्ड गोल दीपिका सोरेंग ने किया है। भारत को अगले मैचों में और फील्ड गोल करने होंगे । इसके लिये फॉरवर्ड पंक्ति को मौके बनाकर फिनिशिंग तक ले जाना होगा।

टी20 में शतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने डु प्लेसी

टेक्सास । टेक्सास सुपर किंग्स टीम के कप्तान फाफ डु प्लेसी ने शुरु हुई में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) 2026 के पहले ही मैच में शानदार शतक लगाकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। 41 साल के डु प्लेसी अब टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। डु प्लेसी ने ये शतक सिएटल ऑर्कास के खिलाफ लगाया था। इस मैच में डु प्लेसी की टीम 221 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा कर रही थी। डु प्लेसी ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 113 रन बनाये। इससे उनकी टीम नौ गेंदें शेष रहते हुए जीत दर्ज करने में सफल रही। इस शानदार पारी के साथ ही वह टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। डु प्लेसी की उम्र अभी 41 साल और 340 दिन है।

वेस्टइंडीज से हार के बाद रोने लगी स्कॉटलैंड की डिरसी कार्टर

लंदन । स्कॉटलैंड को यहां हुए आईसीसी महिला टी20 विश्वकप के एक रोमांचक मुकाबले में वेस्टइंडीज के खिलाफ 7 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इसमें 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की टीम अंतिम दो ओवरों में खराब प्रदर्शन के कारण हार गयी। जीत के करीब पहुंचकर मिली हार से स्कॉटलैंड की टीम की एक खिलाड़ी डिरसी कार्टर डगआउट में ही रोने लगी। कार्टर रोने वाला वीडियो ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। कार्टर ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए 59 रनों की पारी खेली थी पर वह 19वें ओवर की पहली गेंद पर आउट हुईं थी। अगर वह खेलती तो टीम शायद जीत जाती। 19वें ओवर की पहली गेंद पर डार्सी कार्टर आउट हुईं तो स्कॉटलैंड की उम्मीदें टूट गयीं।

कनाडा और मेक्सिको फीफा विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचे

वैंकूवर/ एस्टाडियो ग्वाडालाजारा (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 के आज खेले गये मुकाबलों में सह-मेजबान मैक्सिको और कनाडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी जीत हासिल कर टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जगह बना ली है। जोनाथन डेविड की हैट्रिक की बदौलत कनाडा ने फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप चरण में कतर पर 6-0 से ऐतिहासिक जीत दर्ज करते टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया।

मैच का शुरुआती गोल 16वें मिनट में रिबाउंड पर साइल लारिन ने किया और अपनी टीम को बढ़त दिलाई। यह टूर्नामेंट में उनका दूसरा गोल था। कतर के गोलकीपर महमूद अबुनादा ने डेविड के वॉली शॉट को पंच करके रोक दिया, लेकिन गेंद लारिन के पास गिरी, जिसे उन्होंने गोल में डाल दिया। इसके बाद डेविड ने 29वें मिनट में दाएं पैर से शानदार वॉली मारकर

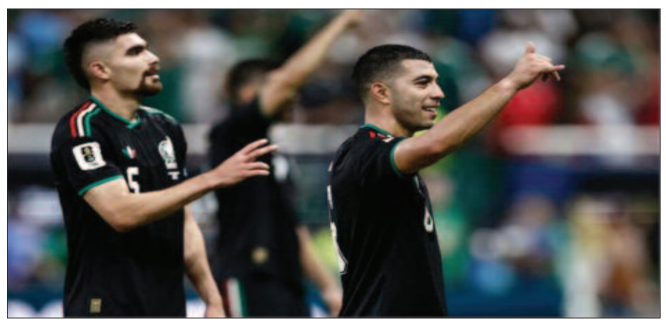

बढ़त को दोगुना कर दिया।

पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में कनाडा ने 3-0 की बढ़त बना ली, जब डेविड ने 48वें मिनट में क्रॉसबार से टकराकर आई गेंद पर गोल दाग दिया। चोटिल कोने के स्थान पर आए नाथन सलीबा ने 64वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया। 75वें मिनट में मोहम्मद मनाई ने अपने गोलकीपर को चकमा देते हुए शॉट को आत्मघाती गोल में बदल दिया। डेविड ने स्टॉपेज टाइम में हैट्रिक पूरी की और इस विश्व कप में एक मैच में तीन गोल करने वाले अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के साथ शामिल हो गए।

इस जीत के साथ कनाडा के अंक बढ़कर चार हो गए हैं और वह गोल अंतर के आधार पर स्विट्जरलैंड से आगे है । इस जीत के साथ ही कनाडा का नॉकआउट चरण में स्थान सुनिश्चित कर लिया है। बुधवार को वैंकूवर में स्विट्जरलैंड के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम ग्रुप मैच में कनाडा की टीम का दबदबा रहेगा। एक अन्य मैच में मेक्सिको ने दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के राउंड-ऑफ-32 में अपनी जगह पक्की कर ली है। आज यहां खेले गये ग्रुए ए के मुकाबले के शुरुआती चरणों में मेक्सिको का दबदबा रहा, लेकिन बाद में दक्षिण कोरिया ने गेंद को नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया और हाफ टाइम की सीटी बजने तक उसका दबदबा रहा। लेकिन कोरियाई गोलकीपर किम सेउंग-गिम की एक बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए मेक्सिको के लुइस रोमो ने मैच के दोबारा शुरू होने के तुरंत बाद एकमात्र गोल दाग दिया। इसी जीत के साथ मेक्सिको अपने में दो मैचों में छह अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गया है।

एफआईएच प्रो लीग में जर्मनी के हाथों अंतिम क्षणों में 2-1 से हारी भारतीय हॉकी टीम

रॉटरडैम । भारतीय पुरुष हॉकी टीम को यहां हुए एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के एक रोमांचक मुकाबले में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम मैच में अधिकांश समय हावी रही पर अंतिम क्षणों में जर्मनी को एक गोल दागने के करण जीत मिल गयी। भारतीय टीम को मैच के 38वें मिनट में जुगराज सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग-फ्लिक के जरिए गोल कर 1-0 की बढ़त दिलाई। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत से ही हमले शुरु कर दिये थे। जिससे जर्मनी दबाव में आ गयी। वहीं भारतीय रक्षापंक्त ने जर्मन के जवाबी हमलों को नाकाम कर दिया। दूसरे क्वार्टर में, भारतीय टीम ने अपनी तेजी और बढ़ा दी हालांकि वह अवसरों को गोल में नहीं बदल पायी। तीसरे क्वार्टर के अंत तक, भारतीय टीम ने अपनी बढ़त बनाए रखी। जर्मनी को इस दौरान कुछ पेनल्टी कॉर्नर भी मिले, लेकिन भारतीय गोलकीपर ने उन्हें विफल कर दिया। इससे मैच में भारतीय टीम की 1-0 की बढ़त बरकरार रही। वहीं चौथे और अंतिम क्वार्टर में भारतीय टीम ने कई हमले किये जिससे उसे बढ़त को दोगुना करने के अवसर मिले। पर टीम इसका लाभ नहीं उठा पायी। वहीं जस्टस वीगेंड ने जर्मनी की ओर से पहला गोल कर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। खेल के अंतिम पलों में मैच ड्रॉ होता दिख रहा था तभी जर्मनी को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। इसका जिसे गोल में बदलन में जैकब ब्रिला ने कोई गलती नहीं की। इस प्रकार 60वें मिनट में किये इस निर्णायक गोल से जर्मनी की 2-1 से जीत तय हो गयी। अब भारतीय टीम अपने अगले मुकाबले में रविवार को मेजबान नीदरलैंड्स का सामना करेगी।

फीफा विश्वकप: रोनाल्डो का साथ नहीं दे रहा फुटबॉल

स्पोर्ट्स डेस्क। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए सबसे बुरा एहसास यह नहीं था कि उन्होंने उस टीम के खिलाफ गोल नहीं किया जिसने उनके जन्म से पहले आखिरी बार वर्ल्ड कप खेला था; या यह कि उनके दो प्रयास कमजोर और दिशाहीन थे; या यह कि वे टीम पर बोझ लग रहे थे। असल में फुटबॉल का उनसे प्यार खत्म होता नजर आ रहा है, गेंद उनसे दूर भाग रही है, नजरों से बच रही है और बिना कोई प्रतिक्रिया दिए वापस लौट जाती थी।

बुधवार को ह्यूस्टन में पुर्तगाल का मैच छ्रक्र कांगो के साथ 1-1 से ड्रॉ रहा जिसका नतीजा रोनाल्डो के खराब प्रदर्शन जैसा ही फीका था। 41 साल की उम्र में जब टीम में कई बेहतरीन अटैकिंग खिलाड़ी हों, तो हर खराब प्रदर्शन पर सवाल उठते हैं। हर खराब दिन के साथ, ऐसा लगता है कि वे अपने करियर के अंत के करीब पहुंच रहे हैं। उम्र और कम होती फुर्ती के बावजूद रोनाल्डो में अभी भी गेंद को सही जगह हिट करने और उसे अपनी मर्जी से कहीं भी ले जाने की काबिलियत है। लेकिन कांगो के खिलाफ, वे ऐसा नहीं कर पाए।

68वें मिनट में फ्रांसिस्को कॉन्सेकाओ ने रोनाल्डो की तरफ एक 'कट-बैक' पास दिया, जो उनसे थोड़ा पीछे था। हो सकता है कि यह उनकी पसंद की जगह से एक गज दूर रहा हो, लेकिन अपने बेहतरीन दिनों में वे अपने शरीर को सही ढंग से मोड़कर सबसे अच्छी पोजीशन बना लेते थे। अगर ऐसा नहीं भी होता, तो भी वे हमेशा अपने शानदार बूट से गेंद को सही जगह मार देते थे। यहां, उन्होंने शॉट मारा जो 'नियर पोस्ट' से काफी दूर चला गया। उन्होंने गुस्से में मुंह बनाया, यह सोचते हुए कि उनका 'टच' (गेंद पर नियंत्रण) कैसे उनका साथ छोड़ गया।

सबसे बुरी बात यह नहीं थी कि उनका प्रयास खराब था, बल्कि यह थी कि उन्होंने ब्रूनो फर्नांडीस के पैरों के पास से गेंद छीन ली थी। मैनचेस्टर यूनाइटेड का मिडफील्डर उनके बगल में था, जिसके पास ज्यादा जगह और बेहतर एंगल था। लेकिन रोनाल्डो की फितरत गोल करने में मदद करने की नहीं, बल्कि खुद गोल करने की है। जब 'टच' साथ छोड़ देता है, तो सहज समझ (instincts) भी धोखा दे जाती है। यह पहली बार नहीं था जब उन्होंने फर्नांडीस की जगह में दखल दिया हो।

कोचिंग स्टाफ को इस लगातार हो रही गड़बड़ी का समाधान ढूंढना होगा। छह मिनट बाद उनके खेल में आती गिरावट का एक और पक्का सबूत मिला। कॉन्सेकाओ ने एक और बेहतर कट-बैक दिया, लेकिन रोनाल्डो ने उसे गलत तरीके से मारा और गेंद दूर चली गई। शॉट जल्दबाजी में और बिना ताकत के था, शायद एक्सल तुआनज़ेबे के चैलेंज की वजह से ऐसा हुआ। लेकिन ये ऐसे पल थे जिन्होंने उन्हें शायद ही कभी परेशान किया हो। वे पैरों के बीच से भी गोल कर सकते थे, शर्ट खींचने वालों और चालाकी से गेंद छीनने वालों से बेपरवाह होकर, उन्हें ताकत और चतुराई से पछाड़ देते थे। यहां, वे परेशान थे, शक से घिरे हुए थे।

विरोधाभास

एक अजीब विरोधाभास है। एक ऐसा व्यक्ति जिसका करियर अटूट आत्मविश्वास पर बना था, अब खुद पर ही शक करने लगा है। शायद यही उनकी परेशानी की जड़ है - खुद पर इतना पक्का भरोसा कि वे अपनी कमजोर होती काबिलियत की सच्चाई को देख ही नहीं पा रहे हैं। रोनाल्डो अब वो नहीं रहे जो वे खुद को समझते हैं।

वे अभी भी अद्भुत रूप से फिट हैं, और उनमें वर्ल्ड चैंपियन बनने का जबरदस्त जुनून है - एक ऐसा खिताब जो उन्होंने कभी नहीं जीता। लेकिन वे उस महान खिलाड़ी का मजाक बना रहे हैं जो वे कभी हुआ करते थे। वे एक हेवी मेटल बैंड के बूढ़े लीड सिंगर की तरह हैं जो अपने अतीत की भारी-भरकम शान में जी रहे हैं और उन्हें पता ही नहीं कि उनकी आवाज अब लड़खड़ा रही है।

जब वे गोल नहीं कर पाते, तो वे टीम के लिए बोझ बन जाते हैं - वे न तो क्रिएटिव काम में शामिल होते हैं और न ही डिफेंस में, उनका प्रभाव का दायरा सीमित हो जाता है। कुछ आंकड़े उनके खराब खेल को दिखाते हैं। उन्होंने 90 मिनट में सिर्फ 20 पास दिए, जो खेल में तेरहवें नंबर पर थे। डिफेंस में उनका योगदान सिर्फ एक था। आगे बढ़ने वाले एक्शन सिर्फ दो थे। वे कभी-कभी लिंक-अप प्ले के लिए पीछे आते थे लेकिन अपने साथियों की रफ़्तार का मुकाबला नहीं कर पाते थे। उनकी सुस्ती पूरी टीम की रफ़्तार धीमी कर रही है, जिसमें बेहतरीन अटैकर और मिडफील्ड कंडक्टर शामिल हैं।

इसके अलावा, वे कांगो की हाई लाइन के आगे घात लगाकर बैठे रहते थे, फिर अंदर आकर गेंद लेने के लिए पीछे हटते थे, और लाइन के पीछे खेले जाने वाले क्रॉस का इंतजार करते थे। उनके

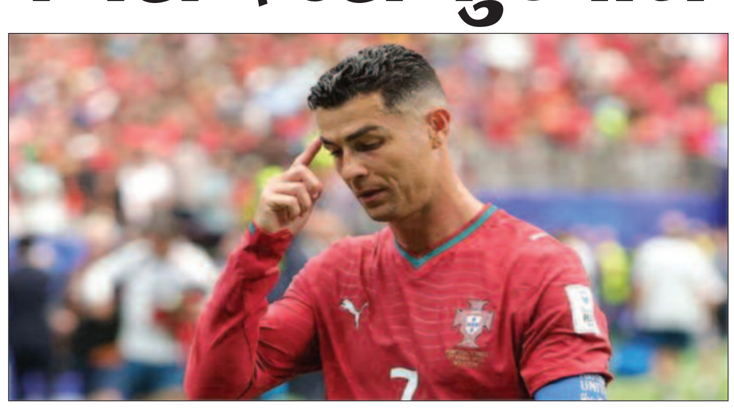

साथियों ने बहुत कोशिश की, लेकिन कोई भी उनके साथ तालमेल नहीं बिठा पाया। वे फेरारी के बीच फंसी एक पुरानी मॉरिस माइनर कार की तरह थे।

मेसी से तुलना

लियोनेल मेसी से तुलना तो होगी ही। मेसी रोनाल्डो से धीमे हैं, लेकिन वे ज़्यादा मौके बनाते हैं; उनकी जगह की समझ (स्पेशल अवेयरनेस) बेहतर है, उनके पास (गेंद दूसरे को देना) डिफेंस को भेदने वाले होते हैं, और जब उनके पैरों में ज़्यादा जान नहीं बचती, तब भी उनकी चाल-ढाल डिफेंडरों को अपनी जगह से हटने पर मजबूर कर देती है। मेसी के आस-पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो उम्र के साथ आई कमियों की भरपाई कर देते हैं। रोनाल्डो के आस-पास बेहतरीन टेक्नीशियन हैं, लेकिन वे उन चीजों की भरपाई नहीं कर सकते जो रोनाल्डो अब नहीं दे पाते। यही पुर्तगाल की बड़ी उलझन है। बेशक, रोनाल्डो अकेले ऐसे पुर्तगाली फुटबॉलर नहीं थे जिनका दिन बहुत खराब रहा, लेकिन टीम की मुश्किलों में उनकी भूमिका अहम थी।

पुर्तगाल के लिए खिताब की मजबूत दावेदारी पेश करने के लिए रोनाल्डो वाली पहेली को सुलझाना होगा। कड़े फैसले लेने होंगे कि उन्हें सब्स्टीट्यूट के तौर पर इस्तेमाल किया जाए या बुधवार को रॉबर्टो मार्टिनेज ने जितनी देर से उन्हें बदला था, उससे पहले ही बदल दिया जाए। मैनेजर ने उनका बचाव किया, जैसा कि वे अपने कार्यकाल के दौरान हमेशा करते आए हैं। उन्होंने कहा, 'हम क्रिस्टियानो के साथ उनकी उम्र के हिसाब से नहीं, बल्कि उनके लक्षणों और उन्हें कैसा महसूस हो रहा है, उसके हिसाब से व्यवहार करते हैं।' हालाँकि, असल स्थिति कुछ और ही कहती है। ऐसा लगता है जैसे फुटबॉल का उनसे मोहभंग हो गया है। फुटबॉल के ऐसा करने से पहले ही पुर्तगाल को इसका कोई समाधान ढूंढ लेना चाहिए।

डब्ल्यूटीसी में 6,500 रन पूरे करने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बने रुट

लंदन । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां दूसरे किकेट टेस्ट क्रिकेट में अपनी 46 रनों की पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया। रुट अपनी इस पारी के साथ ही आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) इतिहास में 6,500 रन पूरे करने वाले विश्व के पहले और एकमात्र बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पता चलता है कि टेस्ट में रुट के प्रदर्शन में कितनी निरंतरता है। उनकी करीब कोई भी अन्य बल्लेबाज नहीं है। दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के नाम 4,564 रन हैं। रूट ने अपने 76वें डब्ल्यूटीसी मैच की 139वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की है। गौरतलब है कि डब्ल्यूटीसी इतिहास में उनके नाम सबसे अधिक 23 शतक दर्ज हैं, जबकि दूसरे नंबर पर मौजूद स्टीव स्मिथ के नाम 14 शतक हैं। रूट ने इस दौरान 51 से अधिक की शानदार औसत से रन बनाए हैं, जिसमें 22 अर्धशतक और 262 रन का अधिकत स्कोर भी शामिल है। रूट मौजूदा डब्ल्यूटीसी साइकल (चैंपियनशिप चक्र) में भी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनकर उभरे हैं। उन्होंने इस मामले में भारतीय कप्तान शुभमन गिल को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने महज 8 मैचों में 79.16 की बेमिसाल औसत से 950 रन बनाए हैं। इस चक्र में रूट और गिल दोनों के नाम संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा 5-5 शतक दर्ज हैं। रुट की निरंतरता जबरदसत है। वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के पहले सीजन से ही जमकर रन बना रहे हैं। 2023-25 चक्र में 22 टेस्ट मैचों में 54.66 की औसत से 1,968 रन बनाकर वह शीर्ष स्कोरर रहे थे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली -3923

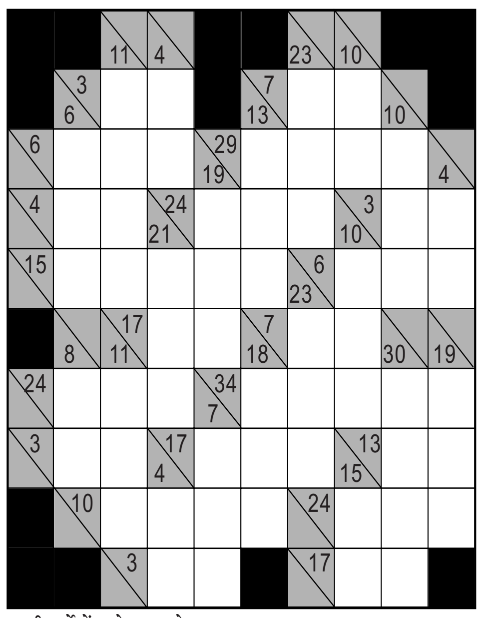

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

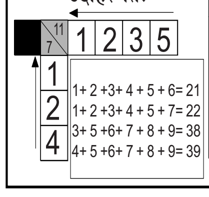

काकुरो - 3922 का हल

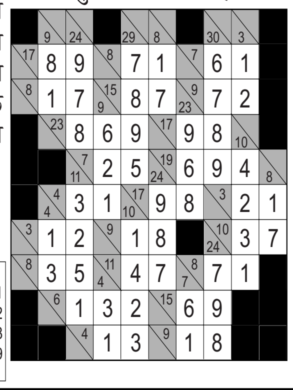

हंसी के फूव्वारें

एक कंजूस अपने खेत में जा रहा था. अचानक उसे कांटा चुभ गया. वह बड़ी बहादुरी से कांटा निकालते हुए बोला, 'ईश्वर तेरा लाख-लाख धन्यवाद है कि मैं जूते पहनकर नहीं आया वरना मेरे अच्छे जूते में सूराख हो जाता.'

□ □ □

एक किरायेदार ने मकान मालिक से शिकायत की कि 'जनाब ये आपका मकान कैसा है ? दिन-रात चूहों की भागदौड़ देखने को मिलती है.'

मकान मालिक ने कहा- 'तो क्या आप दस रुपये में घुड़दौड़ देखना चाहते हैं ?'

□ □ □

मालकिन: कितनी बार कहा है कि सुबह छह बजे दूध दिया करो.

दूधवाला: हम छह बजे दूध नहीं ला सकते. छह बजे नल में पानी भी नहीं आता.

□ □ □

एक साहब को खाने के बाद उंगलियां चाटने की आदत थी. एक बार एक दावत में उन्होंने उंगलियां चाटनी शुरू कर दीं, बाजू वाले साहब ने भी अपना हाथ आगे करके कहा-जरा इसे भी साफ कर दो.

□ □ □

जज जेबकतरे से-अच्छा बताओ तुमने भलाई का कोई काम किया ?

जेबकतरे ने जवाब दिया-सर, हमीं लोगों के कारण पुलिस विभाग और अदालत में हजारों लोगों को राजी-रोटी का सहारा मिला है.

फिल्म वर्ग पहेली- 3923

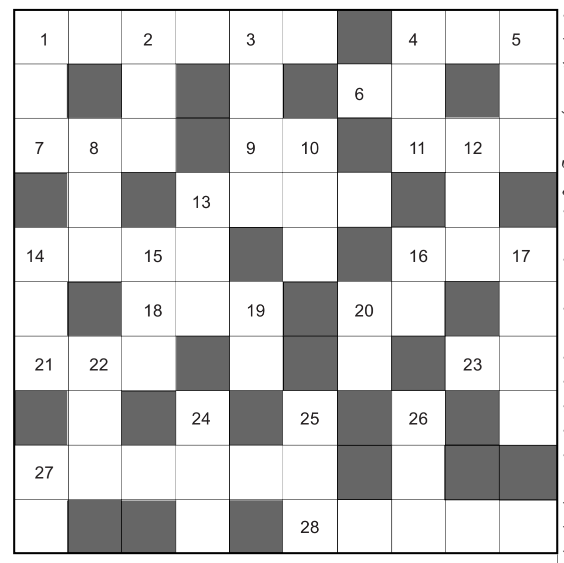

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3922

सूडोकु -3923

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3922 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली -3923

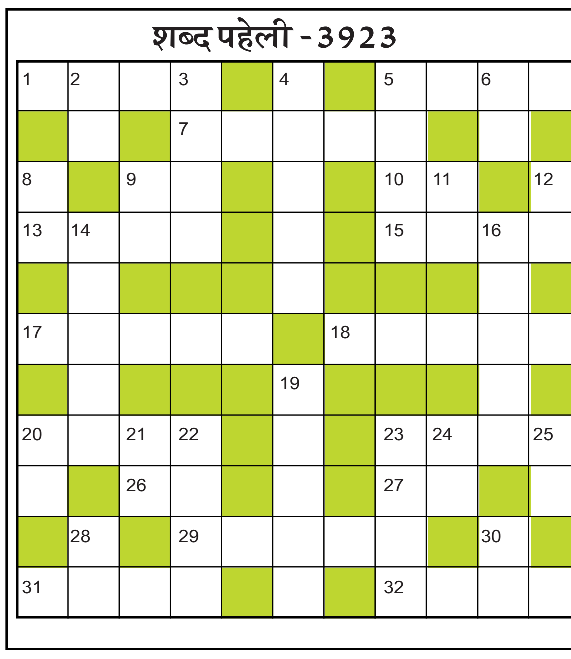

बाएँ से दाएँ

1.सफल,उत्तीर्ण-4
5.ओस,रजनीजल-4
7.फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9.महीना,मास-2
10.साल का बारहवां भाग-2
13.पुचकारना-4
15.विष्णु,चक्रधारी-4
17.निरुत्तर होना-5
18.अपनत्व-5
20.असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23.निकृष्ट,अल्पतर-4
26.अंधकार-2
27.बुरा आदत-2
29.रसायन संबंधी-5
31.ब्राम्हण,सम्राट-4
32.गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2.मां,आई,मदर-2
3.बारिश का गिरना-4
4.निर्माता,रचयिता-5
5.लज्जाना -4
6.मुलायम-2
8.उम्मीद-2
9.हार,जयमाल-2
11.हरे रंग का-2
12.वचन,प्रतिज्ञा-2
14.हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16.जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19.विलेन,नायक का विलोम-5
20.बादल-2
21.बुरी आदत-2
22.यम,मृत्यु का देवता-4
23.पानी के बहने की आवाज-2,2
24.वोट,अभिमत-2
28.इस जगह-2
30.कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 3922 का हल

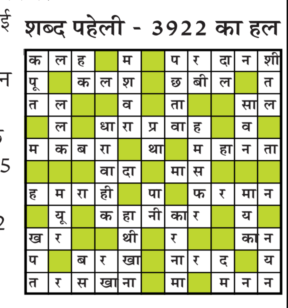

काबुली चना अचार

सामग्री : 150 ग्राम काबुली चना, 1 टेबलस्पून नमक, 1 टीस्पून सरसों का पाउडर, 1 टेबलस्पून सौंफ, 1 टीस्पून कलौंजी, 1/4 टीस्पून हींग, आधा टीस्पून हल्दी, 1 टेबलस्पून लाल मिर्च पाउडर, 200 मिली। सरसों या तिल का तेल।

विधि : कच्चे आम के पानी में काबुली चना, हल्दी और नमक मिलाकर रातभर के लिए भिगोकर रख दें। सुबह उसमें सरसों पाउडर और हल्दी मिलाएं। सौंफ, कलौंजी और हींग मिलाकर एक साथ भून लें। इसे काबुली चना के मिश्रण में डालकर अच्छी तरह से मिला लें। कड़ाही में तेल को गरम करें। फिर ठंडा होने के बाद उसमें काबुली चना का मिश्रण मिलाकर 8 घंटे के लिए रख दें।

खरीदारी करते समय...

- खरीदारी करने के लिए बार-बार न जाएं। बेहतर यही है कि शॉपिंग के लिए जने से पहले आवश्यक वस्तुओं की सूची बना ली जाए और कोशिश करें कि माह में एक-दो बार में ही सारी वस्तुएं खरीद ली जाएं। इस तरह समय की बचत के साथ अनावश्यक खर्च भी कम होगा।
- बाजार में वस्तुओं के प्रचलित दामों के उतार-चढ़ाव पर नजर रखें। महंगी वस्तुओं की खरीदारी से पूर्व उनकी गुणवत्ता व मूल्य की जांच-पड़ताल कर लें।
- घर में आय-व्यय का संकलन रजिस्टर बनाएं, जिसमें खरीदी गई मुख्य वस्तुओं का विवरण दिनांक व मूल्य सहित अंकित करें। महंगी वस्तुओं की रसीद विक्रेता से अवश्य लें तथा उसे भी संकलन रजिस्टर में नत्थी करें।
- पारिवारिक आय को ध्यान में रखते हुए ही खरीदारी करें।
- खरीदारी करते समय यह ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि कहीं आपकी खरीदारी से घर-परिवार के जरूरी एवं आकस्मिक खर्चे जैसे बिजली, पानी, टेलीफोन के बिल, दूध, धोबी, अखबार वाले का भुगतान, बच्चों की फीस अथवा ट्यूशन आदि का भुगतान तो प्रभावित नहीं हो रहा ?
- 'कम खर्च बालानंसी' को ध्यान में रखते हुए अनावश्यक खरीदारी से बचें।
- बच्चों में बचत करने की आदत विकसित करें। आवश्यक जरूरतों को छोड़कर घर में ज्यादा नकदी न रखें। नजदीक के डाकघर या बैंक में ही बचत पास बुक खुलवाएं ताकि जरूरत पड़ने पर रूपये आसानी से निकलवाये जा सकें।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

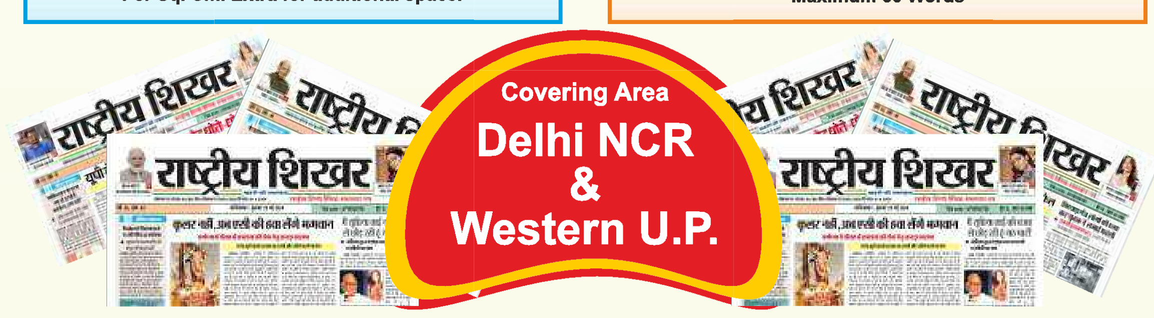

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%		Island Position - 50%		Strip Advt. - 15%			
Front Page (Solus) - 75%		Right Hand Page - 10%		Political Advt. - 50%			
Back Page - 25%		Top of AD Column - 15%		Pull Outs - 50%			
Page Three - 20%		Any Other Spl. Position - 10%		Discount as per deal			

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

टीवी इंडस्ट्री में सफलता रातोंरात नहीं मिलती

टीवी इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे की सच्चाई को लेकर अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने अपने विचार रखे। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस इंडस्ट्री में टिके रहना आसान नहीं है, इसके लिए धैर्य, मेहनत और लगातार सुधार की जरूरत होती है। अद्रिजा रॉय ने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में काम की गति बहुत तेज होती है। कई बार ऐसा होता है कि आज किसी एपिसोड की शूटिंग होती है और वह अगले ही दिन या बहुत कम समय में टीवी पर प्रसारित हो जाता है। इस तेज रफ्तार में कलाकारों को हर समय तैयार रहना पड़ता है और अपने किरदार को पूरी एनर्जी के साथ निभाना होता है। हर कॉल टाइम पर, हर शूटिंग शेड्यूल में बहुत बड़ी प्रोडक्शन टीम काम करती है, और कलाकार को इन सबके बीच संतुलन बनाए रखना होता है। ऐसे माहौल में शांत और फोकस्ड रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में किया गया काम कई बार असर को कम कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में सफलता तुरंत नहीं मिलती। कई लोग सोचते हैं कि एक अच्छा सीन या एक अच्छा प्रदर्शन उन्हें रातोंरात पहचान दिला देगा, लेकिन वास्तविकता अलग है। टीवी में नाम कमाने के लिए लगातार समय देना पड़ता है। एक-दो अच्छे सीन से लोकप्रियता मिल सकती है, लेकिन स्थायी सफलता की चाबी को लगातार मेहनत और धैर्य ही है। सोशल मीडिया पर भले ही कोई कलाकार जल्दी वायरल हो जाए, लेकिन टीवी इंडस्ट्री में पहचान धीरे-धीरे बनती है और समय के साथ मजबूत होती है।''
अद्रिजा रॉय ने लोकप्रियता और सफलता के बीच फर्क को समझाते हुए कहा, ''लोकप्रियता अक्सर अस्थायी होती है, जो किसी वायरल सीन, चर्चा या सोशल मीडिया ट्रेंड से जल्दी मिल सकती है।

यहां तक पहुंचने के लिए मैंने जिंदगी भर मेहनत की

अभिनेत्री और बेहतरीन डांसर नोरा फतेही ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। उनका परफॉर्मेंस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है। हाल ही में उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस के बारे में बात की और शकीरा, बर्ना बॉय, केटी पेरी जैसे बड़े स्टार्स के साथ लाइन-अप का हिस्सा बनने पर भी चर्चा की।

सीर-सीर सुनकर हैरान हुई नोरा

ओपनिंग सेरेमनी में अपने गाने 'सीर सीर' पर परफॉर्म करने के बारे में बात करते हुए नोरा ने बताया, 'इस अनुभव ने निश्चित रूप से एक आर्टिस्ट के तौर पर मुझे बेहतर बनाया है। यह एक सफर बेहतरीन रहा। जब मैं जनवरी में मोरक्को में स्र्ष्टह्ह मैच देख रही थी, तो मैंने हर गेम के दौरान स्टेडियम में लगभग 70,000 फैंस को 'सीर सीर' के नारे लगाते सुना और मैं हैरान रह गई। उस एनर्जी ने मुझे प्रोड्यूसर संजॉय से संपर्क करने और उनसे इस नारे का इस्तेमाल करके वर्ल्ड कप एंथम बनाने के लिए कहने के लिए प्रेरित किया।'

नोरा ने की पूरी जिंदगी मेहनत

इसके अलावा, दूसरे इंटरनेशनल स्टार्स के साथ लाइन-अप में शामिल होने के बारे में बात करते हुए बॉलीवुड एक्ट्रेस ने कहा, 'इतने बड़े मेनस्ट्रीम लाइन-अप का हिस्सा बनना बहुत रोमांचक रहा है! मैं टोरंटो में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया, जबकि शकीरा और बर्ना बॉय ने मैक्सिको में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। मैंने इस लेवल तक पहुंचने और ऐसे स्टार्स के साथ मौके शेयर करने के लिए पूरी जिंदगी मेहनत की है।'

संगीत कितना ताकतवर है?

उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे प्लेटफॉर्म का हिस्सा बनना जो अलग-अलग कल्चर और स्टाइल को एक साथ लाता है, मुझे याद दिलाता है कि ग्लोबल कनेक्शन बनाने में संगीत कितना ताकतवर हो सकता है। चाहे शकीरा हों, बर्ना बॉय हों या कोई भी आर्टिस्ट जिसका विजन क्रिएटिव रूप से मेल खाता हो वह अच्छा कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जादू तब होता है जब अलग-अलग दुनियाएं एक साथ आती हैं और कुछ ऐसा बनाती हैं जिसकी उम्मीद न हो।

'सीर सीर' को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

आपको बता दें कि नोरा का गाना 'सीर सीर' कुछ दिन पहले रिलीज हुआ था और इसे बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अब तक इस ट्रैक को यूट्यूब पर 43 मिलियन से ड्यादा बार देखा जा चुका है।

फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी के लिए राजकुमार राव ने फिल्म के लिए बढ़ाया वजन

मैडॉक फिल्म्स की एक और फिल्म का एलान हो गया है। राजकुमार राव इसमें लीड रोल में हैं। हम फिल्म 'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की बात कर रहे हैं। दिनेश विजन ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी' इस साल अगस्त में रिलीज होगी। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने आज एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, 'दिनेश विजन और राजकुमार राव एक बार फिर साथ आ रहे हैं। फिल्म 'प्रहार - द उज्वल निकम स्टोरी' की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। मैडॉक फिल्म की 'प्रहार' में राजकुमार राव के अलावा वामिका गब्बी, सिकंदर खेर और जयदीप अहलावत जैसे सितारे भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

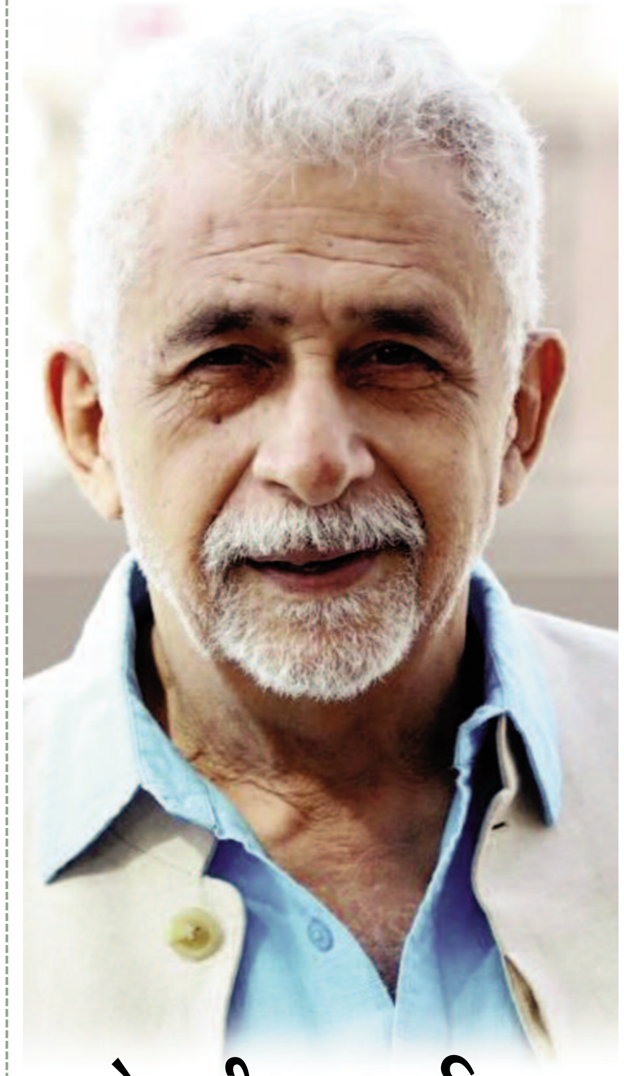

जेआरडी टाटा का किरदार निभाना सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि बड़ी जिम्मेदारी

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बायोपिक का चलन तेजी से बढ़ा है। ऐसी ही एक सीरीज 'मेड इन इंडिया: ए टाइटन स्टोरी' में भारत के जाने-माने उद्योगपति जेआरडी टाटा के जीवन को दिखाया गया है। इस सीरीज में अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने जेआरडी टाटा का किरदार निभाया है, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिल रही है। इस अनुभव को लेकर नसीरुद्दीन शाह ने बताया कि यह किरदार उनके लिए सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी थी। नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''जेआरडी टाटा एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनकी सबसे बड़ी खासियत उनका संयम और सादगी थी। वह हमेशा बहुत शांत और संतुलित तरीके से रहते थे। यही बात मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है कि इतने बड़े उद्योगपति होने के बावजूद उन्होंने कभी अपने व्यक्तित्व को प्रचार का हिस्सा नहीं बनने दिया।'' अभिनेता ने आगे कहा, ''जेआरडी टाटा को समझना और उन्हें पर्दे पर निभाना मेरे लिए आसान काम नहीं था। अपने लंबे करियर में मैंने कई तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन यह भूमिका बेहद खास और जिम्मेदारी भरी थी, क्योंकि वह भारत के इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए इस भूमिका को निभाते समय मैंने काफी ध्यान और गंभीरता से काम किया।'' नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन पाया हूं। इसके लिए मुझे एक ऐसे इंसान को समझने का अवसर मिला, जिनकी सोच और व्यक्तित्व आज भी लोगों के लिए प्रेरणा हैं। ऐसे किरदार कलाकार को भीतर से बदल देते हैं, क्योंकि इसमें सिर्फ अभिनय नहीं बल्कि गहराई से समझने की जरूरत होती है।'' उन्होंने को-स्टार जिम सर्भ की तारीफ करते हुए कहा, ''उनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे सामने वाले कलाकार को ध्यान से सुनते हैं। यह गुण बहुत कम कलाकारों में देखने को मिलता है, लेकिन अभिनय में यह बेहद जरूरी होता है। जब कोई अभिनेता अपने साथी कलाकार की बात और भाव को समझता है, तभी सीन अधिक प्रभावशाली बनता है।'' नसीरुद्दीन शाह ने आगे कहा, ''जिम सर्भ थिएटर से आते हैं और इसी वजह से उनकी अभिनय शैली में गहराई और गंभीरता दिखाई देती है। थिएटर का अनुभव कलाकार को अनुशासन और समझ देता है, जो कैमरे के सामने बहुत काम आता है। खासकर जब कहानी जटिल और भावनात्मक हो तो ऐसे कलाकार पूरी कहानी को जीवंत बना देते हैं।'' 'मेड इन इंडिया: ए टाइटन स्टोरी' सीरीज अमेजन एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है।

स्मिता बंसल ने 'द पिरामिड स्कीम' को बताया अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू

'बालिका वधू' फेम अभिनेत्री स्मिता बंसल करियर में एक नया मुकाम हासिल कर बेहद उत्साहित हैं। टीवी इंडस्ट्री में सफल रहीं स्मिता टीवीएफ की हालिया रिलीज वेब सीरीज 'द पिरामिड स्कीम' से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर चुकी हैं। स्मिता ने इस प्रोजेक्ट को अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू बताया है। सीरीज में स्मिता बंसल प्रमिला सिंह के किरदार में नजर आईं।

यह सीरीज आम लोगों के मल्टी-लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम की दुनिया में फंसने की कहानी है। यह महत्वाकांक्षा, तेजी से सफलता पाने की चाहत और इसके लिए लोग जो फैसले लेते हैं, उन विषयों पर आधारित है। स्मिता बंसल ने बताया, ''द पिरामिड स्कीम' ने मुझे इसलिए आकर्षित किया क्योंकि इसमें टीवीएफ के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका मिला। मैं सालों से टीवीएफ से जुड़ी हूं और इसके काम देख रही हूं और उन्हें बहुत पसंद करती हूं। वे ऐसी कहानियां बनाते हैं जो लोगों से जुड़ती हैं और हर उम्र के दर्शकों को पसंद आती हैं।' स्मिता ने बताया कि सीरीज की कहानी ने भी तुरंत प्रभावित किया। इसकी सोच बिल्कुल नई और रोमांचक लगी। यह आज के समय के बहुत जरूरी मुद्दों पर बात करती है, जैसे महत्वाकांक्षा, जल्दी सफल होने की चाह और उसके लिए किए जाने वाले फैसले। शो का किरदार, लेखन और पूरा विजन एकदम नया लगा।' अभिनेत्री ने कहा कि एक एक्टर के रूप में वे हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हैं जो उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद करे। 'द पिरामिड स्कीम' में प्रमिला सिंह का रोल उन्हें ठीक वैसा ही मौका देता है। सीरीज श्रेयांश पांडे द्वारा बनाई गई है और 'द वायरल फीवर' (टीवीएफ) द्वारा प्रस्तुत की गई है। इसका निर्देशन आशीष आर. शुक्ला और श्रेयांश पांडे ने किया है। 'द पिरामिड स्कीम' 5 जून को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है और काफी पसंद की जा रही है।

सच्चा प्यार कभी प्रैक्टिकल नहीं हो सकता

जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से ओटीटी और आलिया भट्ट संग फिल्म 'जिगरा' से बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाले युवा कलाकार वेदांग रैना अब इम्तियाज अली की पीरियड लव स्टोरी 'मैं वापस आऊंगा' में अहम भूमिका में नजर आएंगे। खास बात यह है कि वेदांग अपनी हर फिल्म में अदाकारी के साथ-साथ गायिकी का हुनर भी दिखा रहे हैं। इस फिल्म में तो एआर रहमान जैसे दिग्गज कंपोजर के लिए मसकारा जैसे रूहानी गीत को आवाज देना वेदांग सपना सच होने जैसा मानते हैं।

रहमान सर के लिए गाने पर यकीन नहीं हुआ अपनी गायिकी के इस सफर और एआर रहमान के लिए गाने को लेकर वह कहते हैं, 'मुझे पता नहीं ये कैसे हो रहा है, क्योंकि मैंने कभी किसी डायरेक्टर को खुद ये बात नहीं बताई है कि मैं गाना गाता हूं। यह सब बस हो गया। जोया (अख्तर) के साथ भी ये अचानक हुआ था कि मैंने आर्चीज में एक छोटे सा हिस्सा गाया था। फिर वासन बाला सर की भी एक सोच थी तो जिगरा में भी गाने का मौका मिला और अब रहमान सर के लिए गाना तो किसी भी कलाकार के लिए सपना सच होने जैसा है। मुझे ये मौका मिलना बहुत बड़ी बात है, जबकि मैं हिंदुस्तानी क्लासिकल में ट्रेंड सिंगर भी नहीं हूं। हालांकि, मैंने अपनी जिंदगी में स्टेज पर बहुत गाया, बहुत परफॉर्म किया है तो यह अनुभव वहीं से आता है। फिर भी ऐसा मौका मिलने की तो मैं सोच भी नहीं सकता था। मुझे कभी-कभी इम्पोस्टर सिंड्रोम (खुद की प्रतिभा पर शक) होता था और लगता था कि मैं ये मौका डिजर्व नहीं करता।' फिल्म में 1947 से पहले का दौर और मोहब्बत है, ऐसे में उस दौर को जीते हुए क्या वेदांग को कोई ऐसी चीज लगी कि काश वो आज के तेज रफ्तार दौर में भी होती? इस पर उनका कहना है, 'उस वक्त का प्यार करने का तरीका। मतलब अहसास तो अब भी वही है लेकिन अब रिश्ते या प्यार के दायरे थोड़े बदल गए हैं। जैसे अभी हम मेसेज करते हैं, तब चिट्ठियां लिखते थे। तब लोग अनकही बातों में, इशारों में मन के भाव समझते थे, वैसा वाला प्यार अब थोड़ा मिसिंग है तो अगर हम उसे वापस ला सकें तो अच्छा होगा।' क्या द्द्ध् पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले वेदांग मानते हैं कि अब प्यार प्रैक्टिकल हो चुका है? इस पर वह दो टूक कहते हैं, 'सच्चा प्यार प्रैक्टिकल हो ही नहीं सकता। प्यार एक अहसास है, जो हर दौर में एक सा ही होता है, बस अब उस अहसास के इर्द गिर्द चीजें बदल गई हैं।'

कश्मीर लौटने का मन करता है

मैं वापस आऊंगा की तर्ज पर क्या कोई ऐसी जगह या वक्त हैं जहां वेदांग लौटना चाहेंगे? इस बारे में उन्होंने बताया, 'मेरे लिए कश्मीर वह जगह है। मैं कश्मीरी हूं, मेरे माता-पिता कश्मीरी हैं और मैं अपनी जिंदगी में कश्मीर काफी देर से गया। मैं 22 या 23 साल का था और वहां जाकर मुझे एक अलग सा नॉस्टैल्जिया महसूस हुआ। जब मैं श्रीनगर गया तो वहां मेरे साथ पापा- मम्मी और मौसी थी। वे ऐसे बता रहे थे कि यहां पर डल झील था। हम जब यहां अपने नाना-नानी के घर आते थे तो यहां खेलते थे। यहां पर चाय की दुकान होती थी और मैं यकीन ही नहीं कर पाया था कि किसी का बचपन डल झील के किनारे बीता होगा। मुझे वो सब परियों की कहानी जैसा लग रहा था। मुझे उस जगह से,एक नॉस्टैल्जिया महसूस हो रहा था, जहां मैं पहले कभी नहीं गया, शायद कोई पहले का कनेक्शन होगा तो वहां जाने का मेरा बहुत मन करता है।'

नर्वस था, पर आलिया ने खुले दिल से अपनाया

वेदांग ने हमसे जिगरा में आलिया भट्ट संग काम करने का अनुभव भी साझा किया। बकौल वेदांग, 'वह मेरी दूसरी फिल्म थी और मैं बहुत नर्वस था कि मैं आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन शेयर कर रहा हूं। पहली ही फिल्म के बाद मैं एक बिल्कुल अलग माहौल में था, लेकिन आलिया ने मेरी ओर जितनी गर्मजोशी दिखाई, जितनी खुले दिल से मुझे अपनाया और सहज कराया, वह अहसास मुझे हमेशा रहेगा। उसके लिए मैं उनको हमेशा याद रखूंगा। वह हमारी बहुत ही प्यारी दोस्त बनी। वह हमेशा मेरी शुभचिंतक हैं, जिसके लिए मैं हमेशा उनको याद रखूंगा।'

ईरान-अमेरिका डील पर संकट: ईरान-अमेरिका पीस डील के बावजूद इजराइल का लेबनान पर हमला...18 की मौत

–इजराइली मंत्री बोले– पूरे लेबनान को जला देना चाहिए, इजरायल के हमले से स्विट्जरलैंड वार्ता टली, जेडी वेंस का दौरा रद्द

डील गई तेल लेने... शुरू हो गया जंग!

–इजराइल के बाद ईरान डील पर फ्रांस ने फंसाया पेच, समझौते के लिए रखीं दो बड़ी शर्तें

वॉशिंगटन /तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान-अमेरिका के बीच पीस डील पर दस्तखत के एक दिन बाद शुक्रवार को इजराइल ने लेबनान पर हमला किया जिसमें कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई है। पीस डील की शर्तों के मुताबिक इजराइल को लेबनान पर हमले रोकने थे लेकिन पीएम नेतन्याहू ने इससे इनकार कर दिया था। इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसने गुरुवार रात से अब तक दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में 80 से ज्यादा ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं, जिनमें हिजबुल्लाह के दर्जनों लड़ाके मारे गए हैं। दूसरी ओर हिजबुल्लाह के हमले में दक्षिणी लेबनान में 4 इजराइली सैनिकों की मौत हो गई है। इससे नाराज होकर इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन गवीर ने तीखा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पूरा लेबनान जलना चाहिए। उधर, अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में बातचीत होनी थी जो रद्द हो गई है। इसकी वजह इजराइल के लेबनान पर लगातार हमला हो सकता है। ईरान ने कहा है कि अमेरिका पहले लेबनान पर हमले रुकने की गारंटी दे, तभी आगे की बातचीत होगी। वहीं ईरान डील पर अब फ्रांस ने पेच फंसा दिया है। फ्रांस के विदेश मंत्री ने कहा कि जब तक प्रॉक्सी और मिसाइल निर्माण के मुद्दों को बातचीत में शामिल नहीं किया जाएगा, तब तक हम इसका विरोध करेंगे। फ्रांस के विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान को राहत राहत देने के लिए यूएन से अगर प्रतिबंध हटाने को लेकर कोई प्रस्ताव लाया जाता है, तो हम इसका विरोध करेंगे।

अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में होने वाली महत्वपूर्ण समझौता प्रक्रिया अंतिम समय में संकट में फंस गई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस समझौते के औपचारिक हस्ताक्षर समारोह में शामिल होने के लिए रवाना होने वाले थे, लेकिन दक्षिणी लेबनान पर इजरायल के ताजा हमले के बाद पूरा कार्यक्रम स्थगित हो गया। इस हमले में 16 लोगों की मौत हुई, जबकि इजरायल ने जवाबी कार्रवाई में अपने चार सैनिकों के मारे जाने की पुष्टि की है। समझौते से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर सभी पक्षों से संयम बरतने और शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपील की थी। उन्होंने लेबनान, हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच पूर्ण युद्धविराम की उम्मीद जताई थी। इसके बावजूद इजरायल ने गुरुवार-शुक्रवार की रात दक्षिणी लेबनान पर बड़ा सैन्य अभियान शुरू कर दिया। ईरान और अमेरिका के बीच अस्थाई समझौते पर इजराइल के बाद फ्रांस ने पेच फंसा दिया है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट का कहना है कि डील तभी मान्य होगा, जब फ्रांस इससे संतुष्ट होगा। बैरोट ने कहा कि हमारे बिना यूएन में पत्ता नहीं हिल सकता है। इस डील में फ्रांस को भी शामिल करने की जरूरत है। डील के जरिए हमारे मुद्दों की अनदेखी नहीं की जा सकती है। बैरोट का यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है, जब ईरान डील पर इजराइल ने रोड़ा अटका रखा है। लेबनान पर इजराइली हमले के कारण ही स्विटजरलैंड में शांति वार्ता को लेकर होनी वाली अमेरिका और ईरान की बैठक को रद्द कर दिया गया है।

हिजबुल्लाह का पलटवार, सीमा पर बढ़ा तनाव

इजरायली कार्रवाई के बाद हिजबुल्लाह ने भी जवाबी हमला किया। संगठन ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने गाइडेड मिसाइलों से इजरायल के तीन आधुनिक मर्कवा टैंकों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया। हिजबुल्लाह के अनुसार, संघर्ष तब शुरू हुआ जब इजरायली सेना नबातीह क्षेत्र के रणनीतिक अली अल-ताहेर पहाड़ी इलाके की ओर बढने लगी। क्षेत्रीय तनाव बढने के बाद ईरान ने स्विट्जरलैंड में प्रस्तावित बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया। फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, लेबनान में युद्धविराम लागू होने तक अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली वार्ता स्थगित कर दी गई है। इसके चलते जेडी वेंस का स्विट्जरलैंड दौरा भी रद्द करना पड़ा।

इजरायल पर अमेरिकी प्रशासन की नाराजगी

घटनाक्रम से अमेरिकी प्रशासन की नाराजगी खुलकर सामने आई है। जेडी वेंस ने इजरायली नेतृत्व को चेतावनी देते हुए कहा कि डोनाल्ड ट्रंप इजरायल के सबसे बड़े और प्रभावशाली समर्थक हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि इजरायल की सुरक्षा में इस्तेमाल होने वाले अधिकांश रक्षा संसाधन अमेरिकी करदाताओं के धन से उपलब्ध कराए जाते हैं। वेंस के इस बयान को वॉशिंगटन और तेल अवीव के बीच बढ़ते तनाव का स्पष्ट संकेत माना जा रहा है।

115 करोड़ बैरल तेल गायब

ईरान-अमेरिका समझौते के बाद इस हफ्ते होर्मुज स्ट्रेट फिर से खुल गया है। हालांकि दुनिया अभी भी तेल संकट से पूरी तरह बाहर नहीं निकली है। एनालिटिक्स फर्म केपलर की रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के करीब चार महीनों में वैश्विक बाजार से 115 करोड़ बैरल तेल की सप्लाई गायब हो चुकी है। इसका असर आने वाले महीनों तक बना रह सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के दौरान मिडिल ईस्ट से तेल की सप्लाई लगभग बंद रही। इस वजह से दुनिया के स्ट्रेटजिक और कॉमर्शियल ऑयल रिजर्व तेजी से घटे हैं। पिछले कुछ महीनों में 19 करोड़ बैरल तेल स्टॉक से निकल चुका है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के स्ट्रेटजिक रिजर्व 1990 के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं, जबकि अमेरिका का इमरजेंसी रिजर्व 43 साल के निचले स्तर पर है।

सच हो गया नेतन्याहू का बुरा सपना, अमेरिका-ईरान की डील से कैसे चौतरफा घिर गए इजरायली प्रधानमंत्री

तेलअवीव, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बीते 4 महीनों से जारी जंग खत्म हो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने गुरुवार को समझौते पर दस्तखत कर दिए हैं। 100 दिनों से भी अधिक समय से भीषण तबाही झेलने के बाद पूरी दुनिया इस युद्ध के खत्म होने का बेसब्री से इंतजार कर रही थी। ऐसे में यह समझौता बेहद जरूरी था। हालांकि एक शख्स है जिसके लिए यह समझौता किसी बुरे सपने से कम नहीं। ये शख्स हैं इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू।

नेतन्याहू इस डील से खुश नहीं, ये बात जगजाहिर है। लेकिन आखिर क्यों? इजरायली प्रधानमंत्री अगर चाहें भी तो भी वे इस समझौता का समर्थन नहीं कर सकते। इसके पीछे कई वजहें हैं। नेतन्याहू इस समय ऐसी स्थिति में फंस गए हैं जहां से उनका लौटना मुश्किल मालूम पड़ता है। हालात यह हैं कि देश में विपक्षी पार्टियां तो उन पर हमलावर हैं ही, उनके अपने भी उनसे खुश नहीं हैं। आइए समझते हैं कैसे नेतन्याहू के लिए मामला फंसता चला जा रहा है।

चुनाव से पहले बड़ा झटका : दरअसल इस साल अक्टूबर के अंत से पहले इजरायल में आम चुनाव होने हैं। चुनाव नजदीक आने के साथ ही नेतन्याहू पर घरेलू स्तर पर राजनीतिक दबाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है। इजरायल के विपक्षी नेता यायर लैपिड ने हाल ही में संसद में इजरायली क्क्रू की तीखी आलोचना की। लैपिड ने कहा कि नेतन्याहू दो बेहद मुश्किल रास्तों के बीच फंस गए हैं। उन्होंने कहा, 'या तो वो हमारे सबसे बड़े सहयोगी (अमेरिका) के साथ सीधा टकराव मोल लें। या फिर इजरायली हितों का पूरी तरह से आत्मसमर्पण कर दें। '

ट्रंप के समझौते को ना मानने की मांग : नेतन्याहू को सिर्फ विपक्ष से ही नहीं, बल्कि अपनी सरकार के भीतर शामिल कट्टर दक्षिणपंथी मंत्रियों से भी आलोचना झेलनी पड़ रही है। ये सहयोगी दल किसी भी ऐसे समझौते का विरोध कर रहे हैं जो इजरायल की सैन्य आजादी को सीमित करता हो। बता दें कि अमेरिका ईरान डील के तहत ईरान ने शर्त रखी है कि लेबनान सहित दूसरे सभी मोर्चों पर सैन्य अभियान बंद होने चाहिए। अमेरिका ने इस शर्त को मंजूरी भी दे दी है। इससे इजरायली कट्टरपंथी नेता भड़क उठे हैं और आजादी पर हमला बता रहे हैं। इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्विर ने सोशल मीडिया पर इस डील का खुलकर विरोध किया। उन्होंने लिखा, 'ट्रंप का समझौता हमारे लिए बाध्यकारी नहीं है। हम इस समझौते का हिस्सा नहीं हैं, क्योंकि यह हमारी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं करता है।' इस बीच नेतन्याहू पर भ्रष्टाचार का मुकदमा भी चल रहा है जिसने उनकी राजनीतिक स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है।

ट्रंप नहीं दे रहे भाव : इजरायली प्रधानमंत्री को सबसे तगड़ा झटका ट्रंप से मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान युद्ध को लेकर दोनों के बीच कई दिनों से मतभेद चल रहे थे। नेतन्याहू इस जंग को जारी रखकर देश में 'टोटल विक्ट्री' वाला नॉरेटिव चला सकते थे, जिससे उन्हें चुनाव में भी मदद मिलती। हालांकि ट्रंप ने समझौता कर उनके इस प्लान पर पानी फेर दिया है।

दूसरी तरफ ट्रंप बीते कुछ दिनों में नेतन्याहू को कई बार खुलेआम भला-बुरा कह चुके हैं। हाल ही में उन्होंने एक फोन कॉल के दौरान नेतन्याहू को 'पागल' तक कह दिया। इसके अलावा उन्होंने अपशब्दों का प्रयोग भी किया। जाहिर है इससे नेतन्याहू की देश में छवि कमजोर हो रही है। नेतन्याहू को डर था कि ट्रंप उनकी मांगों को नजरअंदाज कर ईरान संग समझौता न कर लें, लेकिन हुआ ठीक ऐसा ही।

संक्षिप्त समाचार

अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन आईएसएस पर रहेंगे 240 दिन, नासा बोला– मिशन के लिए 14 जुलाई को भरेंगे उड़ान

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के फिजिशियन और नासा के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन अपने जीवन के पहले अंतरिक्ष मिशन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर लगभग 8 महीने यानी 240 दिन का लंबा समय बिताएंगे। यह मिशन मंगलवार, 14 जुलाई, 2026 को कजाखस्तान के बैकोनूर कोस्मोड्रोम से लॉन्च किया जाएगा। अनिल मेनन और उनका दल वसंत 2027 तक अंतरिक्ष स्टेशन पर रहेगा। इस दौरान वे कई ऐसे वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे जो भविष्य में चंद्रमा और मंगल पर भेजे जाने वाले मानव मिशनों के लिए बेहद मददगार साबित होंगे। इतना ही नहीं, अंतरिक्ष का यह सफर अनिल मेनन अकेले तय नहीं कर रहे हैं, क्योंकि आईएसएस के मिशन हमेशा एक टीम के रूप में होते हैं। वह एक अंतरराष्ट्रीय क्रू के सदस्य के रूप में रूसी अंतरिक्ष यात्रियों प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना के साथ अंतरिक्ष के लिए रवाना होंगे। शून्य गुरुत्वाकर्षण में इन्सानी शरीर को ढालने पर होगी खोज मिशन पर 240 दिन बिताने के दौरान दोनों अंतरिक्ष यात्री वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रयोगों का हिस्सा बनेंगे। नासा के अनुसार, मेनन का मुख्य काम यह रिसर्च करना होगा कि अंतरिक्ष के वातावरण और शून्य गुरुत्वाकर्षण में इंसानी शरीर खुद को कैसे ढालता है। बता दें कि मिनेसोटा के मिनियापोलिस में जन्मे अनिल मेनन के माता–पिता भारतीय और यूक्रेनी मूल के अप्रवासी हैं।

स्पेन के पूर्व प्रधानमंत्री जपाटेरो की अदालत में पेशी

मैड्रिड , एजेंसी। स्पेन के पूर्व प्रधानमंत्री जोस लुइस रोड्रिगेज जपाटेरो बुधवार को एक न्यायाधीश के सामने पेश हुए। यह मामला सरकारी एयरलाइन बेलआउट और उनके कार्यालय से बरामद गहनों से जुड़ा है। पिछले महीने उन पर प्रभाव का दुरुपयोग, मनी लॉन्ड्रिंग और अन्य वित्तीय गड़बड़ी के आरोप लगे थे। यह उनकी राष्ट्रीय अदालत में पहली पेशी है। मामला स्पेन सरकार द्वारा प्लस अल्ट्रा एयरलाइन को दिए गए बचाव पैकेज से संबंधित है। जपाटेरो, 65 वर्ष, 2004 से 2011 तक प्रधानमंत्री रहे थे। 2021 में प्लस अल्ट्रा को कोविड–19 रिकवरी फंड से 53 करोड़ यूरो (61.5 मिलियन डॉलर) मिले थे। न्यायाधीश जोस लुइस कलामा कर धोखाधड़ी और मई में जपाटेरो के कार्यालय से बरामद 1.3 करोड़ यूरो के गहनों की जांच भी कर रहे हैं। जपाटेरो ने एयरलाइन मामले में किसी भी गलत काम से इन्कार किया है। उन्होंने कहा कि गहने विरासत में मिले थे या उपहार के रूप में प्राप्त हुए थे।

बम धमाके में गंवाए दोनों पैर, फिर भी नहीं टूटा हौसला: हरी बुद्धा ने सेवन समिट्स फतह कर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

काठमांडू, एजेंसी। कई लोगों के लिए दोनों पैर खो देना जिंदगी की सबसे बड़ी चुनौती हो सकती है, लेकिन नेपाल के हरी बुद्धा मगर ने इसे अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत बना लिया। अफगानिस्तान में हुए एक बम विस्फोट में दोनों पैर गंवाने के बाद भी उन्होंने दुनिया की सबसे कठिन पर्वत चोटियों को फतह कर इतिहास रच दिया।

आज हरी बुद्धा मगर दुनिया के पहले ऐसे डबल एम्प्यूटी (घुटनों के ऊपर से दोनों पैर गंवा चुके) पर्वतारोही हैं जिन्होंने सेवन समिट्स यानी सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की है।

अफगानिस्तान में बम धमाके ने बदल दी जिंदगी : नेपाल के एक साधारण परिवार में जन्मे हरी बुद्धा मगर बचपन से ही पहाड़ों के बीच पले-बढ़े। बाद में उन्होंने ब्रिटिश सेना की प्रतिष्ठित गोरखा रेजिमेंट में जगह बनाई। साल 2010 में अफगानिस्तान में तैनाती के दौरान उनका पैर सड़क किनारे लगाए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस पर पड़ गया। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि उनके दोनों पैर घुटनों के ऊपर से काटने पड़े। यह हादसा उनकी जिंदगी का सबसे कठिन दौर था, लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय नए सिरे से जीवन शुरू करने का फैसला किया।

व्हीलचेयर से शुरू हुआ संघर्ष : हादसे के बाद शुरुआती दिनों में उनका लक्ष्य केवल इतना था कि वह खुद को जमीन से उठाकर व्हीलचेयर तक पहुंचा सकें। धीरे-धीरे उन्होंने शारीरिक और मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाया। बचपन से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का सपना देखने वाले हरी ने कृत्रिम पैरों की मदद से पर्वतारोहण का प्रशिक्षण शुरू किया और असंभव दिखने वाले लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाए।

माउंट एवरेस्ट फतह कर रचा इतिहास : मई 2023 में हरी बुद्धा मगर ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर इतिहास रच दिया। वह घुटनों के ऊपर से दोनों पैर गंवा चुके पहले व्यक्ति बने जिन्होंने एवरेस्ट की चोटी तक पहुंचने का कारनामा किया। इस उपलब्धि ने उन्हें दुनिया भर में प्रेरणा का प्रतीक बना दिया। एवरेस्ट के बाद हरी ने दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित पर्वतारोहण अभियानों में शामिल सेवन समिट्स मिशन को पूरा करने का लक्ष्य तय किया। जनवरी 2026 में अंटार्कटिका के माउंट विंसन पर सफल चढ़ाई के साथ उन्होंने सेवन समिट्स मिशन पूरा कर लिया और नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया।

पांच गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम : हरी बुद्धा मगर के नाम अब पांच गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हैं। इनमें डबल एम्प्यूटी पर्वतारोही के रूप में एवरेस्ट, डेनाली और अन्य कठिन चोटियों पर चढ़ाई के रिकॉर्ड शामिल हैं। उनकी असाधारण उपलब्धियों को देखते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने उन्हें प्रतिष्ठित 'आइकन ' सम्मान से भी सम्मानित किया है।

'दिव्यांगता पहचान नहीं, हौसला पहचान है' : हरी का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि लोगों को प्रेरित करना है। उनके मुताबिक दिव्यांगता किसी व्यक्ति की क्षमता को परिभाषित नहीं करती। उन्होंने कहा कि लोगों ने कई बार उन्हें बताया कि वह यह नहीं कर सकते, लेकिन उन्होंने हर चुनौती को अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से पार किया।

अब अंतरिक्ष और ध्रुवीय अभियानों पर नजर : सेवन समिट्स मिशन पूरा करने के बाद भी हरी रुकना नहीं चाहते। उनका सपना अब उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचने, समुद्र की गहराइयों की खोज करने और भविष्य में संभव हो तो अंतरिक्ष यात्रा करने का है। हरी बुद्धा मगर की कहानी इस बात का जीवंत उदाहरण है कि इंसान की सबसे बड़ी ताकत उसका शरीर नहीं, बल्कि उसका आत्मविश्वास, साहस और कभी हार न मानने वाला जज्बा होता है।

ट्रंप ने जिनपिंग–पुतिन की तटस्थता पर आभार जताया; कहा– मिनाब में स्कूल पर हमला जानबूझकर नहीं हुआ

पेरिस , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तारीफ की है। उन्होंने ईरान युद्ध के दौरान इन दोनों नेताओं के तटस्थ रहने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। फ्रांस के एवियन-ले-बैंस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि इन दोनों नेताओं ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर रोक लगाने के अमेरिकी प्रयासों में कोई बाधा नहीं डाली। इससे स्थिति को संभालने में अमेरिका को काफी मदद मिली।

जिनपिंग और पुतिन का जताया आभार : ट्रंप ने खास तौर पर शी जिनपिंग का जिक्र करते हुए कहा कि वे बीजिंग दौरे के समय उनके साथ थे। उन्होंने कहा कि शी जिनपिंग पूरी तरह तटस्थ रहे, जिसकी वे सराहना करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने व्लादिमीर पुतिन का भी आभार जताया। ट्रंप ने कहा कि ये दोनों नेता चाहते तो अमेरिका की राह को अधिक कठिन बना सकते थे। ट्रंप के अनुसार, शी जिनपिंग ने इस संघर्ष को सुलझाने में सहयोग किया। चीन ने ईरान को बड़े हथियार या कंधे पर रखकर दागी जाने वाली मिसाइलें नहीं भेजीं। ट्रंप ने यह भी कहा कि चीन चाहता तो अपने तेल के जहाजों की सुरक्षा के लिए कई युद्धपोत वहां भेज सकता था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया।

मिनाब स्कूल हमले पर क्या बोले ट्रंप : इसके साथ ही, ट्रंप ने संघर्ष के दौरान ईरान में लड़कियों के एक स्कूल पर हुए हमले को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह हमला जानबूझकर नहीं किया गया था। ट्रंप के अनुसार, युद्ध के दौरान ऐसी गलतियां हो सकती हैं। यह घटना 28 फरवरी को संघर्ष के पहले दिन हुई थी। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, इस हमले में 175 से अधिक बच्चों और शिक्षकों की मौत हुई थी। शुरुआत में ट्रंप ने बिना किसी सबूत के दावा किया था कि इस हमले के पीछे ईरान का हाथ है। हालांकि, बाद में उन्होंने कहा कि उन्हें इस घटना के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामले की जांच अभी चल रही है और वे जांच के निष्कर्षों को स्वीकार करेंगे। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि किसी ने भी स्कूल को जानबूझकर निशाना नहीं बनाया था।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने पहले बताया था कि अमेरिकी सेना की शुरुआती आंतरिक जांच में इस घातक हमले के पीछे अमेरिकी बलों के होने के संकेत मिले थे। हालांकि, पेंटागन ने अभी किसी नतीजे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख ने बताया कि यह जांच काफी जटिल रही है क्योंकि वह स्कूल एक सक्रिय ईरानी क्रूज मिसाइल बेस के भीतर स्थित था। अब यह जांच अपने अंतिम चरण में पहुंच रही है।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में गुरुद्वारे के भीतर गोलीबारी, सिख सेवादार दंपति की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम में स्थित खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मर्दन शहर में बुधवार को एक गुरुद्वारे के अंदर सिख सेवादार दंपति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना पेशावर से लगभग 60 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में मर्दन के बाबू मोहल्ला इलाके में हुई। मर्दन के जिला पुलिस अधिकारी मसूद अहमद के अनुसार, अज्ञात हमलावरों ने गुरुद्वारे के अंदर गोलीबारी की, जिसमें सेवादार जगन्नाथ और उनकी पत्नी आसमा वांती की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हमले के मकसद का पता लगाने और इसमें शामिल लोगों को पकड़ने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के सदस्य सुरेश कुमार ने हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है और पुलिस को जांच में प्रगति दिखाने के लिए 24 घंटे की समय सीमा दी है। कुमार ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि यह अत्यंत चिंताजनक है कि क्षेत्र में सुरक्षा कर्मियों और पुलिस की मौजूदगी के बावजूद ऐसी घटना हुई। उन्होंने मामले के सभी पहलुओं की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच की मांग की। कुमार ने अपराध स्थल से एकत्र किए गए सीसीटीवी साक्ष्य के प्रबंधन पर भी चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर को 'अत्यंत लापरवाही से' हटाया गया था, जिससे साक्ष्य के संरक्षण और जांच की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं। उन्होंने मर्दन के जिला पुलिस अधिकारी, मर्दन क्षेत्र के क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी और खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक से घटना की गहन जांच सुनिश्चित करने और किसी भी लापरवाह अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। विधायक ने चेतावनी दी कि अगर 24 घंटे के भीतर संदिग्धों को गिरफ्तार नहीं किया गया या जांच में महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई, तो मर्दन, पेशावर और इस्लामाबाद में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। इस बीच, पुलिस ने बताया कि विशेष जांच दल गठित किए गए हैं और कई कोणों से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि हमलावरों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए आधुनिक फोरेंसिक और तकनीकी संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है।

'ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में दखल न दें, यह हमारा अंदरूनी मामला है', लूला की ट्रंप को दो टूक

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने बुधवार को अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दी। उन्होंने कि ट्रंप ब्राजील के अक्तूबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में दखल न दें। उन्होंने यह चेतावनी तब दी, जब ट्रंप ने उनके राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ न्यायिक कार्रवाई को लेकर ब्राजील की फिर से आलोचना की।

यह बयान दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को दिखाता है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में दक्षिण अमेरिकी देश पर और टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है और दो ड्रग-तस्करी वाले संगठनों को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया है, जिसका लूला विरोध करते हैं।

लूला ने कई बार ब्राजील की संप्रभुता का बचाव किया है, खासकर तबसे जब ट्रंप ने पिछले साल ब्राजील पर टैरिफ लगाए थे और अपने सहयोगी पूर्व राष्ट्रपति जेर बोल्सोनारो के खिलाफ 'राजनीतिक बदले की कार्रवाई' का आरोप लगाया था।

सुप्रीम कोर्ट जज के खिलाफ प्रतिबंध पर जताई आपत्ति : लूला ने ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जज अलेक्जेंड्रे डी मोरेस पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों पर भी आपत्ति जताई। ट्रंप प्रशासन ने कहा था कि मोरेस ने राजनीति से प्रेरित होकर बोल्सोनारो के खिलाफ कार्रवाई की, जिन्हें 2022 के चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने की कोशिश के लिए दोषी ठहराया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या बयान दिया : ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ब्राजील 'राजनीतिक रूप से खतरनाक' बन गया है। सरकार 'बोल्सोनारो जूनियर' (जेर बोल्सोनारो के बड़े बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो) को गिरफ्तार करना चाहती है, जो चुनाव में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बोल्सोनारो के बेटे और पूर्व सांसद एडुआर्डो बोल्सोनारो को उनके पिता के तख्तापलट मामले में धमकी देने का दोषी पाया और उन्हें 4 साल दो महीने की जेल की सजा सुनाई।

हालांकि, ट्रंप का बयान 'जनमत सर्वेक्षणों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं' इस ओर संकेत दे रहा है कि वह शायद बोल्सोनारो के बड़े बेटे सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो की बात कर रहे थे, जो लूला के खिलाफ राष्ट्रपति चुनाव लड़ रहे हैं। फ्लावियो बोल्सोनारो को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। एडुआर्डो बोल्सोनारो को कोर्ट ने दोषी इसलिए ठहराया, क्योंकि उन्होंने अपने पिता के तख्तापलट मामले में अवैध रूप से हस्तक्षेप किया और अमेरिकी सरकार से ब्राजील के अधिकारियों पर दबाव बनाने की पैरवी की।

लूला ने पलटवार किया : जी7 शिखर सम्मेलन के बाद फ्रांस के एवियन-लेस-बैंस में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पत्रकार ने ट्रंप के बयान पर लूला से सवाल किया। इस पर ब्राजील के राष्ट्रपति ने कहा कि इससे पता चलता है कि ट्रंप ब्राजील को ठीक से नहीं जानते।

लूला ने कहा, अगर वह ब्राजील को बोल्सोनारो परिवार से जुड़े रिश्तों के आधार पर जानते हैं, तो वह ब्राजील को नहीं जानते। वह बोल्सोनारो को पसंद करते रहें (पिता, बेटा या पोता) यह उनकी समस्या है, मेरी नहीं। लेकिन ब्राजील के चुनाव में दखल मत दीजिए, क्योंकि ब्राजील का चुनाव ब्राजील का मामला है।

ड्रग-तस्करी संगठनों को घोषित किया आंतकी संगठन : एडुआर्डो और फ्लावियो बोल्सोनारो हाल ही में वाशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों से मिले थे। उन्होंने ट्रंप से भी मुलाकात की थी। इसके बाद अमेरिकी प्रशासन ने ब्राजील के दो बड़े ड्रग-तस्करी संगठनों को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया।

लूला ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि ये समूह स्थानीय लोगों को नुकसान पहुंचाते हैं। लेकिन वे आतंकवादी संगठन नहीं हैं, क्योंकि उनका उद्देश्य राजनीतिक बदलाव नहीं बल्कि मुनाफा कमाना है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)